ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बारिश से फसल नुकसान के कारण किसानों के हित में फसल ऋण माफी.. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 18 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-257

खुफिया एजेंसियों को मिले दस्तावेजों से चौंकाने वाला खुलासा

नेपाल में विद्रोह के लिए अमेरिका और कतर ने की फंडिंग

काठमांडू/नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

पड़ोसी देश नेपाल में हुए हिंसक विद्रोह को लेकर खुफिया एजेंसियों को मिले दस्तावेजों से चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इसकी आधिकारिक पुष्टि हुई है कि नेपाल में विद्रोह और अराजकता के लिए अमेरिका और कतर ने भारी फंडिंग की थी। बांग्लादेश की तरह नेपाल के युवाओं को भी विदेशी धन से दिनागी तौर पर असंतुलित किया गया। अमेरिकी धन के कारण ही नेपाल का जेनरेशन-जेड बौरा गया। काठमांडू में उपद्रव के दौरान पशुपतिनाथ मंदिर पर हमले की हुई कोशिश से इस खुराफात में इस्लामिक ताकतों के शामिल रहने का भी पता चल गया।

खुफिया एजेंसियों को प्राप्त तथ्यों से यह उजागर हो चुका है कि बांग्लादेश की तरह नेपाल में हिंसक विद्रोह और सत्ता पलट की साजिश के पीछे अमेरिडी डीप स्टेट और इस्लामिक कट्टरपंथियों की भारी फंडिंग है। बांग्लादेश में कामयाबी के बाद से लगातार अमेरिका नेपाल में अशांति को बढ़ावा देने के लिए फंडिंग कर रहा था और इस्लामिक कट्टरपंथी तत्व नेपाल के चप्पे-चप्पे में मस्जिद-मदरसों का जाल बिछाने और युवाओं को दिग्भ्रमित करने में लगे थे। अमेरिका की तरफ से नागरिक समाज के कार्यक्रमों में भारी रकम दिए जाने की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। अमेरिका के मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) से नेपाल को लगातार सहायता मिल रही है। वर्ष 2022 में मिलेनियम चैलेंज कॉरपोरेशन (एमसीसी) के साथ हुए 500 मिलियन डॉलर के तहत 2025 की शुरुआत तक 43.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर नेपाल प्रशासन और युवा-सगाई परियोजना के लिए मिल चुके हैं। खुफिया एजेंसियों को मिले दस्तावेज बताते हैं कि एमसीसी के साथ यूएसएंड एवं कुछ अन्य अमेरिकी प्रतिष्ठानों से नेपाल में एक ट्रिलियन डॉलर की फंडिंग हुई है। वाशिंगटन स्थित संस्था द कंसॉर्टियम फॉर इलेक्शन एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग (सीईपीपीएस) द्वारा नेपाल में संचालित परियोजनाओं में नियमित रूप से धन मिलता रहा है। यह संस्था स्पष्ट रूप से युवा जुड़ाव, पार्टी लोकतंत्र और मीडिया विकास को लक्ष्य करके फंडिंग करती है। जैसा बांग्लादेश में किया गया।

विदेशी धन से बौराया नेपाल का जेनरेशन-जेड

बांग्लादेश की तरह विदेशी धन से बौराया नेपाल का जेनरेशन-जेड

पशुपतिनाथ मंदिर पर हमले से खुली इस्लामिक ताकतों की पोल

खुफिया एजेंसियों ने कहा है कि इस तरह के प्रयासों से राजनीतिक आख्यानों (नैरेटिव) को आकार देने और असंतुष्ट युवाओं को सरकार के खिलाफ लामबंद करने का काम किया जा रहा था। इंडोनेशिया स्थित सिंडो न्यूज की रिपोर्ट भी बताती है कि सीईपीपीएस की फंडिंग नेपाल को अस्थिर करने की एक व्यापक अमेरिकी रणनीति का हिस्सा हैं। यह फंडिंग न केवल श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल बल्कि दक्षिण एशिया को अव्यवस्थित करने की व्यापक साजिश का हिस्सा है। सिंडो न्यूज ने कहा है कि अमेरिका की प्रतिबद्धताएं नेपाल के लिए 900 मिलियन डॉलर से अधिक की रही हैं। इसके जरिए अमेरिका नेपाल में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच इस हिमालयी राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को अपने मुताबिक आकार देने का प्रयास कर रहा है। अब यह पुष्टि भी हो चुकी है कि वर्ष 2020 से अब तक नेपाल को 900 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की अमेरिकी आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। यूएसएड ने खुद मई 2022 में हस्ताक्षरित विकास लक्ष्य समझौते (डीओएजी) के माध्यम से 402.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर देने का वादा किया था, जिसमें से 158 मिलियन अमेरिकी डॉलर फरवरी 2025 तक नेपाल को मिल चुके हैं। काठमांडू के एक वरिष्ठ विश्लेषक ने कहा कि अगर अमेरिका को सचमुच नेपाल के विकास की परवाह होती, तो राजमार्ग पूरे हो जाते और बिजली ग्रिड का विस्तार हो जाता। इसके बजाय अमेरिका हमारे युवाओं को प्रभावित करने के लिए आयोजित कार्यशालाओं और मीडिया अभियानों को वित्तपोषित करने में लगा है।

आधिकारिक दस्तावेज बताते हैं कि अमेरिका के प्रोजेक्ट-4150 के तहत नेपाल की लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाली के लिए 8 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए गए। प्रोजेक्ट-4177 के तहत नेपाल लोकतंत्र संसाधन केंद्र को 500,000 अमेरिकी डॉलर दिए गए। नागरिक समाज और मीडिया पहलों पर अमेरिका ने 37 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किए। किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर अमेरिका ने 35 मिलियन डॉलर खर्च किए। ये आधिकारिक आंकड़े स्पष्ट विरोधाभास उजागर करते हैं। बुनियादी ढांचों के विकास में अमेरिकी फंडिंग सुस्त रही, जबकि राजनीतिक कार्यक्रमों में तेजी से फंडिंग हुई। यहां तक कि स्वास्थ्य और शिक्षा की परियोजनाएं भी राजनीतिक लामबंदी के लिए भर्ती मंच का काम करती रहीं। युवा नेपालियों को सेमिनारों और प्रशिक्षण सत्रों में लाया जाता है जहां उनकी बड़े ही परिष्कृत तरीके ब्रेन-वाशिंग की जाती है। ▶10 पर

प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिवस पर देश-दुनिया से बधाइयों का तांता

नरेंद्र मोदी परिश्रम की पराकाष्ठा हैं : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

आज पूरे देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन मनाया। देशभर के पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने पीएम मोदी को बधाई दी। विश्व नेताओं ने भी प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए देश के विकास में उनके अगाध श्रम की असीम सराहना की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर पीएम मोदी को बधाई दी और कहा, मोदी आप चमत्कारिक काम कर रहे हैं। इस खास मौके पर पीएम मोदी को पूरे देशभर से बधाईयां मिलीं।

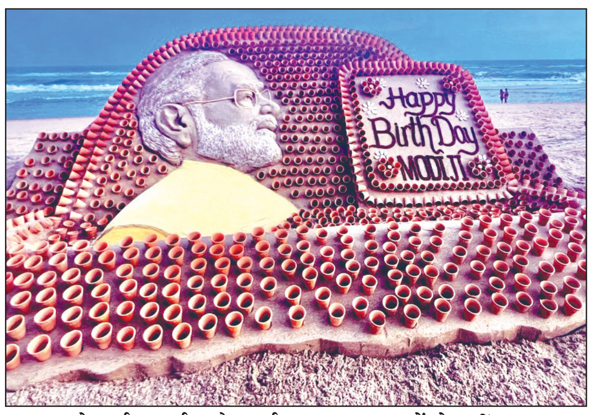

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने बधाई संदेश में कहा, परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने असाधारण नेतृत्व से आपने देश में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने की संस्कृति का संचार किया है। आज विश्व समुदाय भी आपके मार्गदर्शन में अपना विश्वास प्रकट कर रहा है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि आप सदा स्वस्थ और सानंद रहें तथा अपने अद्वितीय नेतृत्व से राष्ट्र को प्रगति के नए शिखरों पर पहुंचाएं। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना रहा है। राधाकृष्णन ने मोदी के दीर्घायु, स्वस्थ और देश की सेवा में समर्पित संपूर्ण जीवन की कामना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, मोदी जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्र के प्रति समर्पण और अथक परिश्रम से भारत को नई ऊर्जा और नई दिशा दी है। उन्होंने भारत का सामर्थ्य और सम्मान पूरे विश्व पटल पर बढ़ाया है। उन्होंने अपनी अद्भुत नेतृत्व क्षमता, कल्पनाशीलता के साथ-साथ अपनी संवेदनशीलता का भी परिचय दिया है। गरीब कल्याण और लोक कल्याण के प्रति जो उनकी प्रतिबद्धता है, वह अपने आप में एक मिसाल है। विकसित भारत के संकल्प के साथ मोदी जी देश को आत्मनिर्भरता, विकास और समृद्धि की दृष्टि से मजबूती दे रहे हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर ऊर्जा प्राप्त हो ताकि वे भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में लगातार सफल सिद्ध हों। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। अमित शाह ने मोदी को त्याग और समर्पण का प्रतीक बताते हुए कहा कि वे हर देशवासी के लिए राष्ट्र प्रथम की एक जीती-जागती मिसाल हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज पूरा देश खुशी मना रहा है। 140 करोड़ भारतीय अपने प्रधानमंत्री की लंबी उम्र की कामना कर रहे हैं। उनका जन्मदिन सिर्फ़ मौखिक शुभकामनाओं से नहीं मनाया जा सकता। निरंतर कर्म ही उनका धर्म है। हमने आज पौधारोपण अभियान चलाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होने सोशल मीडिया फोरम पर लिखा,

ट्रंप ने फोन पर बधाई दी: कहा चमत्कारिक काम कर रहे मोदी

देशभर के पक्ष-विपक्ष के नेताओं और विश्व नेताओं ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन करके उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। यह कॉल, जून 2025 के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली बातचीत थी। ट्रंप ने सोशल मीडिया फोरम पर खुद यह बात कही कि उन्होंने अपने दोस्त पीएम मोदी से फोन पर बात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। ट्रंप ने कहा कि मोदी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने के समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। पीएम मोदी ने भी ट्रंप को अपना दोस्त बताते हुए 75वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद कहा।

यूनाइटेड किंगडम के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को उनके 75वें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

इस अनिश्चित समय में, हम सभी को अच्छे दोस्तों की जरूरत है और मोदी जी हमेशा मेरे और ब्रिटेन के अच्छे दोस्त रहे हैं। मुझे ब्रिटेन-भारत संबंधों को लगातार मजबूत होते देखकर खुशी हो रही है। मुझे पता है कि हम दोनों ने हाल ही में इंग्लैंड-भारत टेस्ट सीरीज़ का आनंद लिया, जो इस बात की याद दिलाती है कि हमारे दोनों देश कितनी समानताएं रखते हैं। एक ब्रिटिश-भारतीय परिवार से होने के नाते, इस रिश्ते का मेरे दिल में हमेशा एक खास स्थान रहेगा। मुझे 2023 में जी20 के लिए प्रधानमंत्री के रूप में अक्षता के साथ भारत की यात्रा हमेशा याद रहेगी। यह विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा के अनुरूप एक शानदार आयोजन था। मोदी जी, मैं आपको आपके जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं और जल्द ही आपसे मिलने की आशा करता हूं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ऑस्ट्रेलिया को भारत के साथ इतनी गहरी दोस्ती पर गर्व है और हम ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के अविश्वसनीय योगदान के लिए आभारी हैं। प्रधानमंत्री जी, मैं आपसे जल्द ही मिलने और हमारी दोस्ती व प्रगति के कई और वर्षों की कामना करता हूं। इजराइल के पीएम बेंजामिन ▶10 पर

स्टेट बैंक से लूटे 21 करोड़ रुपए और 20 किलो सोना

विजयपुरा (कर्नाटक), 17 सितंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक के विजयपुरा में तीन लुटेरों ने स्टेट बैंट ऑफ इंडिया की शाखा से 21 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और करीब 20 किलो सोने के गहने लूट लिए। मंगलवार शाम लगभग 6.30 बजे विजयपुरा जिले के चाडचन कस्बे में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में घुस कर लुटेरों ने बैंक के कर्मचारियों को एक कमरे में बंद कर दिया और बड़े आराम से 21 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और सोने के गहने लूट कर चलते बने। पुलिस के अनुसार, तीन लोग चालू खाता खोलने के बहाने बैंक में आए और हथियार के बल पर मैनेजर, कैशियर और अन्य कर्मचारियों के हाथ-पैर बांध दिए। उन्होंने बड़ी तसल्ली से लूटपाट की और लूट का माल लेकर फरार हो गए। बैंक मैनेजर की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और संदिग्धों को पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। विजयपुरा के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए बताया कि संदिग्धों ने नकली नंबर प्लेट वाली सुजुकी ईवीए गाड़ी का इस्तेमाल किया था। अपराध को अंजाम देने के बाद वे महाराष्ट्र के पंढरपुर की ओर चले गए। उन्होंने कहा, आगे की जांच जारी है और संदिग्धों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने नियमों में किया संशोधन

अब ईवीएम में दिखेगी प्रत्याशी की रंगीन फोटो

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने ईवीएम बैलेट पेपर को अधिक स्पष्ट और आसानी से पढ़ने योग्य बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब ईवीएम पर उम्मीदवारों के नाम और चुनाव चिन्ह के साथ उनकी रंगीन फोटो भी प्रदर्शित की जाएगी। आयोग ने बिहार चुनाव से यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी की है। चुनाव आयोग ने ईवीएम मतपत्र को स्पष्ट और पठनीय बनाने के लिए उसकी डिजाइन और मुद्रण शैली में बदलाव किया है। आयोग ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49बी के तहत निर्देशों में संशोधन किया है। इसके तहत अब ईवीएम में अब उम्मीदवार के नाम और चुनाव चिन्ह के साथ उनकी रंगीन तस्वीर भी दिखेगी। यह नई व्यवस्था बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से लागू होगी।

निर्वाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए चुनाव आयोग लगातार नई पहल कर रहा है। पिछले छह महीने में चुनाव आयोग 28 नए कदम उठा चुका है। इसमें एसआईआर के मुद्दे को लेकर विवाद भी हुआ है। अब आयोग ने ईवीएम मतपत्र को लेकर बड़ा फैसला लिया है। ईवीएम मतपत्र पर अब उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें छपी होंगी। ▶10 पर

बेंगलूरु मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने बुधवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया, जिसका थीम 'स्वच्छोत्सव' है। यह अभियान बुधवार से 2 अक्टूबर तक पूरे मंडल में मनाया जा रहा है।

यह शुभारंभ कार्यक्रम तुमकुरु रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया, जहाँ केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छता के लिए समय और प्रयास समर्पित करने की सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की। शपथ के बाद, स्टेशन परिसर में स्वच्छता श्रमदान का आयोजन किया गया। ट्रेनों और

स्टेशन परिसर में स्वच्छता बनाए रखने की शपथ लेने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। इस अवसर पर सोमन्ना ने दृष्टिबाधित छात्रों को ब्लाइंड स्लेट और नोटबुक वितरित कीं और 20 सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने में उनके समर्पित योगदान की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए, सोमन्ना ने स्वच्छता श्रमदान में जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि यह अभियान स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही सेवा का उद्देश्य स्वच्छता गतिविधियों में नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना और स्वच्छ भारत को वास्तव में एक जन आंदोलन में बदलना है। मंत्री ने तुमकुरु क्षेत्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में भी बात की और कहा कि बेंगलूरु-तुमकुरु लाइन का विस्तार चौगुना किया जाएगा, जिससे लाइन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और तुमकुरु जिले के समग्र विकास में योगदान मिलेगा। इस कार्यक्रम में सांसद जी.एस. बसवराज, बेंगलूरु मंडल डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह और अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया आदि लोग मौजूद रहे।

मैसूरु मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान गतिविधियों का शुभारंभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे, मैसूरु मंडल ने बुधवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान गतिविधियों का शुभारंभ किया, जो 2 अक्टूबर तक जारी रहेंगी। इस अभियान की शुरुआत मैसूरु रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाकर की गई। कार्यक्रम के तहत, मंडल के विभिन्न स्थानों पर श्रमदान गतिविधियाँ आयोजित की गईं। मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल और अपर मंडल रेल प्रबंधक शम्मास हमीद सहित वरिष्ठ मंडल अधिकारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

मैसूरु मंडल के अधिकारियों, कर्मचारियों, गैर सरकारी संगठनों और संविदा कर्मचारियों ने प्रमुख रेलवे स्टेशनों और परिसरों में श्रमदान में हाथ मिलाया और यात्रियों और नागरिकों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया। गैर सरकारी संगठनों - ब्रम्ह समाज मैसूरु, रोटरी क्लब और इनर पीस (अर्सिकेरे), जयप्रकाश नारायण ग्रामीण अभिरुधि सेवा समिति (हासन), चैतन्य ग्रामीण विकास (शिवमोग्गा), संकल्प सेवा फाउंडेशन (दावणगेरे) और रोटरी क्लब (हावेरी) के सहयोग से - डिवीजन ने स्वच्छता के संदेश को दूर-दूर तक फैलाने के लिए स्किट, जागरूकता रैलियां और श्रमदान गतिविधियों का आयोजन किया।

रेल पहिया कारखाना में हिंदी सप्ताह समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेल पहिया कारखाना, बेंगलूरू में हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 8 सितंबर से मंगलवार तक हिंदी सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया तथा सप्ताह के दौरान हिंदी की विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें रेपका के सभी विभागों के कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। मंगलवार को हिंदी सप्ताह समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। आनंद स्वरूप, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, रेपका ने प्रतियोगिता में विजयी कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किया। हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए लेखा विभाग को प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर द्वारा अंतर विभागीय राजभाषा चल ट्रॉफी प्रदान किया गया। रेपका के सभी विभागाध्यक्ष एवं कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। एस. सविता, राजभाषा अधिकारी ने उक्त कार्यक्रम का संचालन किया तथा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

सामायिक की साधना समभाव का आधार है : साध्वी उपमा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजाजीनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित महासती निर्मलाजी के सानिध्य में साध्वी उपमा ने छह आवश्यक क्रियाओं के प्रथम आवश्यक सामायिक साधना पर प्रवचन दिया। उन्होंने कहा छह आवश्यक क्रियाएं हमारी आत्मा को पावन, पवित्र और शांत बनाने वाली हैं। यह आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाली साधनाएं हैं। प्रथम आवश्यक सामायिक में हम समभाव में रहकर ही दूसरे आवश्यक की ओर बढ़ सकते हैं। शुद्ध सामायिक से ही कर्मों की निर्जरा संभव है। भावों से की गई सामायिक ही शुद्ध सामायिक है, और भावों की शुद्धि से ही भवों का नाश होता है। हमारी कोई भी क्रिया समता भाव से हो तो वह

कल्याणकारी बनती है।

साध्वी नंदिनी एवं साध्वी ऋषिता ने युवा विशाल गांधी के मासखमण तप की अनुमोदना करते हुए कहा कि यह तप आत्मशुद्धि, कर्म निर्जरा एवं आत्मबल का अद्वितीय उदाहरण है। इससे न केवल तपस्वी आत्मा, बल्कि सम्पूर्ण संघ पुण्य का भागी बना है।

साध्वी उपासना ने प्रवचन में राजकुमार गोविंदसिंह की प्रेरक कथा को आगे बढ़ाया।

जिनेश्वर युवा मंडल अध्यक्ष विशाल गांधी ने इसी अवसर पर मासखमण तप के पच्चखान लिए। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने कहा विशाल गांधी ने मात्र 21 वर्ष की आयु में मासखमण तप कर राजाजीनगर संघ के इतिहास में एक नई प्रेरणा का सृजन किया है। यह तप हमारे युवा वर्ग के लिए अद्भुत प्रेरणास्त्रोत है। साध्वी निर्मला महाराज की सद्प्रेरणा, परिवार का सहयोग और तपस्वी के मजबूत मनोबल से यह तप संभव हुआ है। संघ के समस्त पदाधिकारी, कार्यकारिणी, त्रिशला महिला मंडल, त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल तथा जिनेश्वर युवा मंडल ने हृदय से अनुमोदना करते हुए युवा तपस्वी विशाल गांधी (30) का शॉल, माला, तप-अनुमोदना पत्र एवं मोमेंटो से अभिनंदन किया। इसी अवसर पर समरथमल कोठारी ने 29 उपवास के पच्चखान लिए। पंच दिवसीय आयोजन के चतुर्थ दिवस मानव सेवा दिवस पर एक्यूप्रेशर शिविर का शुभारंभ भी किया गया। युवा दीक्षित बोहरा ने तप अनुमोदना में अपने विचार रखे। राकेश दलाल ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया व कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार प्रकट किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

शूरवीर ही तप मार्ग पर चल कर इतिहास रच देते हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तप में लब्धी का खजाना होता है और तपस्वी की खूब अनुमोदना होनी चाहिए। तप वीरों का गहना होता है।

शूरवीर ही तप मार्ग पर चल कर इतिहास रच देते हैं। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित तप अनुमोदना प्रवचन में उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि अपनी शक्ति और सामर्थ्य अनुसार प्रत्येक को जीवन में कुछ तप अवश्य करने चाहिए। तप न करने के लिए बहाने नहीं बनाने चाहिए। यह माया मृशावाद है। तपस्वी को

परिवार का साथ भी जरूरी होता है और परिवार जनों का भी कर्तव्य है कि वे शुभ साधना में बाधक नहीं बने। इस से पूर्व प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि जिनशासन नारियों की शौर्य गाथाओं से शोभित है। माता मरुदेवी को प्रथम मोक्षगामी आत्मा का श्रेय प्राप्त है। भगवान महावीर के शासन में श्रावकों से ज्यादा श्राविकाएं थी। नारी वात्सल्य की मूर्ति है तो त्याग और बलिदान में शेरनियां भी होती है। जो आत्मा अपनी शक्ति जगा लेती है और पराक्रम करती हैं वे इतिहास बना लेती हैं। प्रवचन सभा में आशा बाई गुलेच्छा ने 41 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। वीरमाता विमला बाई मेहता ने संघ की ओर से तपस्वी का सम्मान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने अभिनंदन पत्र पढ़ते हुए बताया कि अलसूर संघ के इतिहास में यह पहला प्रसंग जब किसी ने इतनी सुदीर्घ तपस्या की हो। सोनल सुराणा, जे पी पी महिला फाउंडेशन, मंजुला बाई सुराणा एवं ममता बोहरा ने तप अनुमोदना में अपने विचार रखे। इससे पूर्व संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वी आशा बाई गुलेच्छा की अगवानी की। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

राग और द्वेष मनुष्य के बहुत बड़े शत्रु हैं: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राग और द्वेष मनुष्य के बहुत बड़े शत्रु हैं।

आत्मा के गुणों में राग-द्वेष के गुणों ने डेरा डाल रखा है, जैसे पानी को पियो तो पानी बाहर से नेचुरल लगता है यदि पानी में चीनी डाल दी जाय तो उसमें पानी का गुण नहीं आता। उसमें फिर चीनी का गुण मिठास के रूप में आता है। पानी तो पानी है, पानी का गुण भी वही है, लेकिन अब चीनी डालने से वह पानी मीठा हो गया है। ऐसे ही आत्मा के गुण तो वही हैं परंतु इस आत्मा के गुणों में राग-द्वेष के गुण आ गए हैं। जिसकी वजह से आत्मा के गुण बाहर नजर नहीं आ पा रहे हैं। इसलिए जीव को अपने आत्मा के गुणों की पहचान कर राग-द्वेष के मोह को त्यागना होगा, तभी कल्याण संभव है। उन्होंने कहा कि पानी का कोई रंग नहीं होता, उसे जिस पात्र में रखा जाए उसके अनुसार रंग दिखाई देता है। ऐसे ही जीवन का कोई निश्चित फल नहीं होता, जीने का तरीका जैसा होगा वैसा ही जीवन का रंग दिखाई देगा। जीवन को शांति से चखने पर मिठास और उग्रता व्याग्रता से चखने पर कड़वाहट का अनुभव होगा। मन अमूल्य निधि है। हमारे मन में उत्पन्न विचार ही आत्मा के उत्थान और पतन का कारण बनते हैं। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि जो लोग दूसरों को धोखा देते हैं, उन्हें लगता है कि वो बहुत चालाक हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि धोखा देकर वो सिर्फ अपने कर्मों का बोझ बढ़ा रहे होते हैं। एक ईमानदार इंसान टूटकर भी संभल जाता है, लेकिन धोखेबाज का हर झूठ, हर चाल धीरे-धीरे उसकी जिंदगी को अंधेरे में धकेल देता है। धोखा देना कभी जीत नहीं होती, क्योंकि धोखे से पाया गया सुख हमेशा थोड़े वक्त का होता है और आखिर में इंसान अकेला रह जाता है।

शिक्षाविद महेंद्र सिंघी को किया सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

काँठा प्रांतीय ओसवाल साजनान संघ हुब्बल्ली के पूर्व अध्यक्ष, संस्कार सीबीएसई स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष एवं शिक्षाविद महेंद्र सिंघी को एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि के लिए काँठा प्रांतीय ओसवाल साजनान संघ हुब्बल्ली द्वारा सम्मानित किया गया।

सिंघी को धर्माधिकारी पद्मविभूषण डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े के नेतृत्व में संचालित, एशिया के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक एसडीएम डेंटल और साइंस कॉलेज की अकादमिक गवर्निंग कमेटी का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति उनके शैक्षणिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं नैतिक मूल्यों के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की मान्यता के रूप में प्राप्त हुई है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर संघ के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें संघ अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा, पूर्व अध्यक्ष अशोक कोठारी, प्रकाश भलघट, हनुमानचंद खीवेंसरा, कांतिलाल बोहरा, किशोर कटारिया, नरेश गांधी, प्रकाश कटारिया, राजेश कटारिया, राजेश बोहरा, सुभाष चंद्र डंक, धारवाड़ से महावीर मुणोत सहित अन्य गणमान्य जन शामिल थे। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष शांतिलाल बोहरा ने सम्मान प्रदान करते हुए कहा महेंद्र सिंघी न केवल एक कुशल शिक्षाविद हैं, बल्कि समाज की अनेक संघ-संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं एवं निरंतर सेवा कार्य में संलग्न रहते हैं। उनका यह सम्मान सम्पूर्ण समाज के लिए गर्व का विषय है।

संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक कोठारी ने कहा कि यह सम्मान महेंद्र सिंघी के शैक्षणिक क्षेत्र में निरंतर योगदान और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। वहीं, प्रकाश कटारिया ने शुभकामनाएँ प्रकट करते हुए कहा सिंघी के रूप में समाज को एक ऐसा नेतृत्व मिला है, जो शिक्षा और सेवा दोनों क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। महेंद्र सिंघी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि उन सभी का है जिन्होंने मुझे निरंतर प्रेरित किया।

हिंदी दिवस के तहत काव्य गोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच की काव्य गोष्ठी हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में वीणा मेदनी के संयोजन में सोमवार को गूगल मीट पर आयोजित की गई। यूं तो सारी भाषाएं सम्मानित है, परंतु हिंदी मूल में है और धीरे-धीरे पूरे विश्व में छा रही है। हिंदी भारतीयों की पहचान बनती जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर शशि मंगल ने किया तो बतौर मुख्य अतिथि डॉक्टर मंजु लता गुप्ता रही। संचालन सुलेखा कुलश्रेष्ठ ने कुशलता पूर्वक किया तो स्वागत सुनीता लाहोटी ने किया। राष्ट्रगीत एवं गीता सिंह गीतांजलि की सरस्वती वंदना से कार्यक्रम शुरू हुआ। कविता पाठ में सुलेखा कुलश्रेष्ठ, गीता चौबे गूंज, देवानंद साहा, आनंद अमरपुरी, पुष्पा पांडेय, रमा बहेड, त्रिशला मिश्रा, रतिंदर कौर, सुदेश वत्स, डॉ. शशि मंगल, डॉक्टर मंजु लता गुप्ता, मंजु बंसल, डॉक्टर कनक लता तिवारी, ऋतु अग्रवाल, मधु मनमौजी, गीता सिन्हा गीतांजलि, रूणा रश्मि दीप्त एवं निर्मला कर्ण ने भाग लिया। तत्पश्चात अतिथियों का उद्बोधन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. मंजु लता गुप्ता ने अपने वक्तव्य में यह संदेश दिया कि हमें अपने बच्चों को हिंदी सीखने के लिए प्रोत्साहित करना होगा। उनके साथ हिंदी में बात करनी होगी और उनका लगाव हिंदी भाषा से हो इसका खास ध्यान रखना चाहिए। तभी हिंदी को आगे की पीढ़ी तक सुरक्षित और सम्माननीय स्थान मिल सकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर शशि मंगल ने समीक्षात्मक उद्बोधन दिया। धन्यवाद ज्ञापन मंजु बंसल ने व्यक्त किया।

दो दिवसीय मेगा शॉपिंग प्रदर्शनी शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री मातृछाया जैन महिला संगठन की ओर से पहचान सीजन 5, दो दिवसीय मेगा शॉपिंग एग्जीबिशन हुनर के रंग, अपनो के संग की शुरुआत मंगलवार को वी.वी.पुरम स्थित त्रिशला रेसिडेंसी में हुई।

प्रर्दशनी का उद्घाटन माइक्रो प्रिंट एंड पैक के मेनेजिंग डायरेक्टर जयंतीलाल बालर एवं समाजसेवी कांता महावीरचंद समदड़िया द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। मातृछाया की अध्यक्ष ललिता नागोरी एवं सचिव रेशमा बड़ोला ने प्रदर्शनी को नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला बताते हुए कहा कि मातृछाया द्वारा उभरती हुई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग कर ऊंचा उठाने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

मातृछाया की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि प्रातः 10 बजे से रात्रि 7 बजे तक चले इस एग्जीबिशन में डिजाइनर सारीस, फैशनेबल ड्रेसेस, सजावटी सामग्री एवं स्टाइलिश फेशनेबल आइटम्स, इमीटेशन ज्वेलरी, होम एप्लायंसेज, लेडीज एक्सेसरीज, आकर्षक लेडीज बैग एवं पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स, खाने पीने की अनेक वेरायटी एवं चाट आइटम्स, बच्चों के लिए खिलौने आदि के करीब 45 से 48 स्टाल्स लगाए गए हैं।

बारिश से फसल नुकसान के कारण किसानों के हित में फसल ऋण माफी की मांग की जाँच करेंगे: सीएम

बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया है कि वे भारी बारिश से फसल नुकसान के कारण किसानों के हित में फसल ऋण माफी की मांग की जाँच करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश से हुए फसल नुकसान का राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त सर्वेक्षण कराने के आदेश दिए गए हैं। सर्वेक्षण एक सप्ताह के भीतर पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। इसके बाद, फसल नुकसान का मुआवजा दिया जाएगा।

इस बार, सौभाग्य से, राज्य के कई हिस्सों में सामान्य से 4 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। बीदर, कलबुर्गी और यादगीर सहित कई जिलों में फसल नुकसान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मुआवजा देने के लिए तुरंत कार्रवाई की जाएगी। फसल नुकसान पर अंतरिम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। संयुक्त सर्वेक्षण की अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कार्रवाई की जाएगी। वर्ष 2024-25 के लिए फसल बीमा योजना के तहत 656 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। यह सभी राज्यों में सबसे अधिक राशि है। उन्होंने कहा कि वे उन लोगों को दिए जा रहे मुआवजे की भी जाँच करेंगे जिनके पास फसल बीमा योजना नहीं है। केंद्र सरकार ने पहले हमें सूखा राहत राशि नहीं दी थी। हम सुप्रीम कोर्ट गए और संघर्ष के जरिए राहत पाई।

मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से कई बार मुलाकात की है और उनसे एनडीआरएफ नियमों में बदलाव और प्राकृतिक आपदा मुआवजा बढ़ाने का अनुरोध किया है। लेकिन केंद्र की ओर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। एसबीआई बैंक डकैती मामले में आरोपियों द्वारा इस्तेमाल की गई कार विजयपुरा में मिली है। मैंने विजयपुरा के एसपी को फोन करके अपराधियों को तुरंत ढूंढकर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सावधानी बरतने के आदेश दिए हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों।

बैंकों की जिम्मेदारी है कि वे सुरक्षाकर्मी तैनात करें और बैंकों के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि सरकार पुलिस के जरिए जरूरी सुरक्षा मुहैया कराएगी। बीपीएल सूची में शामिल अपात्र लोगों की जाँच करके उन्हें हटाया जाए। उन्होंने कहा कि अगर वे पात्र हैं तो उन्हें नए बीपीएल कार्ड जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण के मुद्दे पर, भाजपा नेता और विपक्ष के नेता आर. अशोक उनकी हर बात नहीं सुन सकते। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे राजनीतिक आलोचना कर रहे हैं।

राज्य में सभी का सर्वेक्षण किया जाएगा और सामाजिक और शैक्षणिक जानकारी एकत्र की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसी डेटा के आधार पर विकास कार्यक्रम तैयार किए जाएँगे। सर्वेक्षण में ईसाई धर्म के साथ-साथ जाति के उप-स्तंभ जोड़ने का विरोध करना अनावश्यक है। क्या मुसलमान और ईसाई इस देश के नागरिक नहीं हैं? लोगों द्वारा दी गई जानकारी सर्वेक्षण में दर्ज की जाएगी। इसके लिए 1.75 लाख शिक्षकों को सर्वेक्षण के लिए नियुक्त किया गया है। प्रत्येक को 150 घर आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार पिछले साल की तुलना में 40 हजार अधिक शिक्षकों को सर्वेक्षण के लिए नियुक्त किया गया है।

पिछली भाजपा सरकार ने कुरुबा समुदाय को एसटी आरक्षण सूची में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की थी। हमने इसे जारी रखा है। राज्य सरकार के पास इसे आरक्षण सूची में शामिल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इसकी सिफारिश केवल केंद्र सरकार से की जा सकती है। अंतिम निर्णय केवल केंद्र सरकार ही ले सकती है। राज्य के प्रस्ताव की जाँच के बाद, अगर कुरुबा समुदाय के लिए अनुसूचित जनजाति में शामिल होने के अवसर होंगे, तो केंद्र कार्रवाई करेगा। अन्यथा, इसे अस्वीकार कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर किसी को विरोध व्यक्त करने की आवश्यकता नहीं है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह इसी क्षेत्र में होगा और विकास को और गति देगा।

उन्होंने कलबुर्गी में बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया और फसल नुकसान की सूचना देने वाले परेशान किसानों से बातचीत भी की।

नम्मा मेट्रो की येलो लाइन ने
दक्षिण बेंगलूरु की सड़कों पर व्यस्त समय में भीड़भाड़ को 37.5 प्रतिशत तक कम किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आर.वी. रोड और बोम्मासंद्रा के बीच नम्मा मेट्रो की येलो लाइन के खुलने से दक्षिण बेंगलूरु में इस खंड पर यातायात की भीड़भाड़ कम हुई है। कार्यदिवसों में सुबह के व्यस्त समय में 38 प्रतिशत और शाम के व्यस्त समय में 37 प्रतिशत की कमी आई है। ये निष्कर्ष बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस (बीटीपी) द्वारा किए गए एक आधिकारिक अध्ययन पर आधारित हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कार्यदिवसों के गैर-व्यस्त समय में भीड़भाड़ में औसतन 17 प्रतिशत की कमी देखी गई। कुल मिलाकर, इस खंड पर भीड़भाड़ में 30.6 प्रतिशत और व्यस्त समय में 37.5 प्रतिशत की कमी देखी गई है। 19.15 किलोमीटर लंबी इस मेट्रो लाइन का सप्ताहांत में और भी अधिक प्रभाव पड़ा है।

प्रभाव विश्लेषण के अनुसार, सप्ताहांत में व्यस्त समय के दौरान सुबह के समय भीड़भाड़ में 69 प्रतिशत और शाम के समय 39 प्रतिशत की कमी आई। सप्ताहांत के गैर-व्यस्त समय के दौरान, भीड़भाड़ में 58 प्रतिशत की कमी आई। बीटीपी ने एक्शनेबल इंटेलिजेंस फॉर सस्टेनेबल ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से दर्ज किए गए भीड़भाड़ के आंकड़ों का अध्ययन किया। यह एक स्मार्ट ट्रैफिक इंजन है जो सड़क यातायात परिदृश्यों पर जानकारी देता है। इस अध्ययन के लिए, 11 अगस्त से 31 अगस्त के बीच एकत्र किए गए आंकड़ों की तुलना ऐतिहासिक आंकड़ों से की गई। विश्लेषण में सुबह 7 बजे से 11 बजे तक को सुबह का व्यस्त समय, सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक को गैर-व्यस्त समय और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक को शाम का व्यस्त समय बताया गया। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), (यातायात दक्षिण), गोपाल एम. बायकोड ने बताया कि यातायात में कमी, खासकर व्यस्त समय के दौरान, ने क्षेत्र यातायात प्रबंधन को आसान बना दिया है। उन्होंने कहा, यह गिरावट एक सकारात्मक संकेत है, खासकर क्योंकि यह कम ट्रेनों के बावजूद आई है। जब बीएमआरसीएल हेडवे को कम करने के लिए और ट्रेनें जोड़ेगा, तो भीड़भाड़ में और कमी आने की उम्मीद है, जिससे लेन स्तर पर कई अति-स्थानीय यातायात संबंधी समस्याओं का समाधान होगा। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने येलो लाइन के एक और महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा प्रमुख जंक्शनों पर आमतौर पर रोजाना भारी भीड़भाड़ रहती है, जिससे छोटी कनेक्टिंग सड़कों पर दबाव बढ़ जाता है।

बेंगलूरु में विदेशी भाषा बोलने वालों की आमद बहुत ज्यादा: वटल नागराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में, खासकर राजधानी बेंगलूरु में, विदेशी भाषा बोलने वालों की आमद बहुत ज्यादा है। कन्नड़ आंदोलन वटल पार्टी के अध्यक्ष वटल नागराज ने कहा कि निजी स्कूलों का कन्नड़ के दुश्मन होने और कन्नड़ लोगों को नीची नजर से देखने का रवैया बेहद निंदनीय है। अंग्रेजी माध्यम के स्कूल न केवल कन्नड़ का अपमान कर रहे हैं, बल्कि कन्नड़ लोगों को लगातार लूट भी रहे हैं। सिंधी स्कूलों में कन्नड़ बोलने वालों को दंडित करके, उन्होंने न केवल कन्नड़ भाषा का, बल्कि कन्नड़ लोगों का भी अपमान किया है। यह बेहद निंदनीय है। यह किसी एक स्कूल की स्थिति नहीं है। ज्यादातर स्कूलों में यही स्थिति है। कन्नड़ असहाय है। कन्नड़ शक्तिहीन होती जा रही है। कुछ कन्नड़ कार्यकर्ताओं द्वारा इसके खिलाफ आवाज उठाने के अलावा, कोई और इसके खिलाफ नहीं लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। कन्नड़ माध्यम के स्कूल बंद किए जा रहे हैं। सरकारी स्कूलों को वित्त पोषित नहीं किया जा रहा है। अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कन्नड़ नहीं है। ऐसी स्थिति में कन्नड़ बच्चों की क्या स्थिति होगी? उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि संसद और विधानसभाओं में कन्नड़ के लिए संघर्ष न करने वालों के कारण कन्नड़ की स्थिति दयनीय हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यही रवैया रहा, तो हमें संघर्ष करना पड़ेगा।

अयोग्य बीपीएल लाभार्थियों को हटाने पर कोई आपत्ति नहीं
पात्र लाभार्थियों को लाभ से वंचित नहीं किया जाना चाहिए: जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। तकनीक के आधार पर बीपीएल कार्डों में संशोधन करने और अपात्रों को बाहर करने पर कोई आपत्ति नहीं है। हालाँकि, केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सलाह दी है कि पात्र लोग सावधान रहें और लाभ से वंचित न रहें। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह सच है कि देश के कई हिस्सों में अपात्र लोग बीपीएल सूची में हैं। हमें उनका उचित सत्यापन करने और उन्हें हटाने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्हें संशोधित करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। राज्य सरकार ने पहले खाद्य निरीक्षकों को कार्डों के संशोधन की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने लोगों को परेशानी में डाला था। उन्होंने कहा कि कुछ खाद्य निरीक्षक 20 से 30 साल तक एक ही जगह पर जमे रहे। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों के 15 से ज्यादा मुख्यमंत्रियों ने हाल ही में उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें तकनीक का इस्तेमाल करके कार्डों में संशोधन करने और निचले स्तर के अधिकारियों को मनमानी न करने देने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि वे सामान्य तौर पर बीपीएल कार्डों के संशोधन के विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक भाजपा के इस आरोप पर भी विचार किया जाना चाहिए कि पात्र लाभार्थियों को लाभ से वंचित रखा गया है। केंद्र सरकार कोई जुर्माना नहीं लगाएगी। 2011 की जनगणना और खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अनुसार, योग्यता के आधार पर, शहरी क्षेत्रों में 50 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 75 प्रतिशत आबादी सरकारी रियायतें और मुफ्त राशन पाने की पात्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पदभार ग्रहण करने के बाद गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है। राज्य सरकार को यह तय करना है कि किसे मुफ्त अनाज दिया जाए। क्या 7 एकड़ से अधिक जमीन वालों को बीपीएल की सुविधा दी जानी चाहिए? क्या 8 एकड़ और 9 एकड़ जमीन वालों को मुफ्त राशन दिया जा सकता है? यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जांच करे कि उनके पास वाहन हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने ये सभी बातें उनसे मिले मुख्यमंत्री को समझा दी हैं। मैं इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहता। कुछ मुख्यमंत्रियों ने ईमानदारी से प्रयास करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के खाद्य विभाग सचिव ने राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों और खाद्य विभाग सचिवों को लोगों की बेहतरी के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। केंद्र सरकार ने यह नहीं कहा है कि जिन लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किया है, उन्हें बीपीएल से बाहर रखा जाए। राज्य सरकार ने आयकरदाताओं को बीपीएल से बाहर रखने के मानदंड तैयार किए हैं। इस वर्ष से 12 लाख रुपये वार्षिक आय वाले लोग आयकर का भुगतान करेंगे। पहले, 6 लाख रुपये की आय सीमा थी। उन्होंने कहा कि आयकर भुगतान सीमा निर्धारित करना और उसकी समीक्षा करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कानून में हर 5 साल में समीक्षा करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मृत व्यक्तियों के नाम पर भी कार्ड जारी किए जा रहे हैं और सुविधाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की रिपोर्टों के अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि 25 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं। राज्य सरकार को इस संबंध में समीक्षा करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है।

अगले साल नए बीपीएल कार्ड के लिए आवेदन करने का अवसर: मंत्री मुनियप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि अपात्र बीपीएल कार्डों के संशोधन के बाद, अगले साल बीपीएल कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर प्रदान किया जाएगा।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे दक्षिण भारत में कर्नाटक में सबसे ज्यादा बीपीएल कार्ड हैं। 75 प्रतिशत लोग बीपीएल सूची में हैं। उन्होंने कहा कि इसे संशोधित किया जाना चाहिए। हम अपात्र बीपीएल धारकों को एपीएल सूची में शामिल करेंगे। किसी भी कारण से राशन कार्ड रद्द नहीं किए जाएँगे। अगर संशोधन के दौरान पात्र लोग छूट जाते हैं, तो वे आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 24 घंटे के भीतर फिर से बीपीएल कार्ड जारी करना शुरू कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने मानदंड निर्धारित कर दिए हैं। इसके अलावा, केंद्र ने स्वयं बीपीएल सूचियों से 7 लाख कार्डों को संशोधित कर रद्द करने का आदेश दिया है। हमारे राज्य के अधिकारियों ने एक बैठक की और इस पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बात की समीक्षा की है कि किए गए संशोधनों में किन कार्डों को रद्द किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर फिल्म प्रदर्शनी, रक्तदान शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक और पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को जयनगर विधानसभा क्षेत्र में मोदी के जीवन पर आधारित एक फिल्म प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जयनगर विधानसभा क्षेत्र में रक्तदान शिविर का उद्घाटन विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार ने किया। रक्तदान शिविर में लगभग 75 बोतल रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर भाजपा बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष एवं विधायक सी.के. राममूर्ति, भाजपा राज्य मीडिया समन्वयक करुणाकर खासले, बीबीएमपी के पूर्व महापौर एस.के. नटराजू और बीबीएमपी के पूर्व सदस्य उपस्थित थे।

राज्य की सरकार जनता द्वारा चुनी हुई सरकार नहीं, बल्कि वोटों में हेराफेरी की सरकार: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने गंभीर आरोप लगाया है कि राज्य की मौजूदा सरकार जनता द्वारा चुनी हुई सरकार नहीं, बल्कि वोटों में हेराफेरी के जरिए सत्ता हथियाने वाली माफिया सरकार है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा 1999 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरामैया को कैसे हराया? 2018 में सिद्धरामैया बादामी में कैसे जीते? मालूर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी अनियमितताएँ इसका एक उदाहरण हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर ईवीएम जैसी आधुनिक तकनीक के आने के बाद भी ऐसी चुनावी अनियमितताएँ करने का आरोप लगाया। कल्पना कीजिए कि जब मतपेटियाँ होती थीं, तब कांग्रेस पार्टी कैसे चुनाव जीतती थी। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए उसे वोटों में हेराफेरी करने वाला माफिया बताया।

अनुच्छेद 371(जे) लागू होने के बाद कल्याण कर्नाटक को काफी लाभ हुआ: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास एवं आजीविका मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने कहा है कि अनुच्छेद 371 (जे) लागू होने के बाद कल्याण कर्नाटक क्षेत्र को स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में उल्लेखनीय लाभ हुआ है। रायचूर में कल्याण कर्नाटक उत्सव दिवस समारोह में भाग लेते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा यह क्षेत्र 17 सितंबर, 1948 को तत्कालीन गृह मंत्री वल्लभभाई पटेल द्वारा हैदराबाद निजाम सरकार के विरुद्ध किए गए सैन्य अभियान के बाद भारतीय क्षेत्र में शामिल किया गया था। तब से, राज्य सरकार हैदराबाद कर्नाटक मुक्ति दिवस मनाती आ रही है, जिसका नाम बाद में कल्याण कर्नाटक उत्सव रखा गया। मंत्री ने कहा कि क्षेत्र के पिछड़ेपन को देखते हुए, वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने अनुच्छेद 371 में संशोधन करके इस क्षेत्र को विशेष दर्जा दिया। इससे हजारों छात्रों को उच्च शिक्षा में सीटें मिलीं और शिक्षित उम्मीदवारों को नौकरियां भी मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि क्षेत्र विकास परियोजनाओं के लिए हर साल 5,000 करोड़ मंजूर कर रहा है। डॉ. पाटिल ने आगे कहा लगभग 80,000 रिक्त सरकारी नौकरियों को भरा गया और 18,000 करोड़ मंजूर किए गए। इस मौके पर मंत्री एन.एस. बोसराजू, विधायक शिवराज पाटिल और बसनगौड़ा दद्दल, एमएलसी शरणगौड़ा पाटिल बय्यापुर, ए. वसंत कुमार, महापौर नरसम्मा नरसिम्हालु, उपायुक्त नीतीश के., सीईओ ईश्वर कुमार कंडू, पुलिस अधीक्षक जी. पुट्टमदैया और अन्य उपस्थित थे।

लौह पुरुष पटेल का योगदान अमूल्य: विजयेंद्र

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्होंने हैदराबाद निजाम के शासन के विरुद्ध अभियान का नेतृत्व किया और कल्याण कर्नाटक के लोगों को आजादी दिलाई, का योगदान अमूल्य है। कल्याण कर्नाटक महोत्सव दिवस समारोह के अंतर्गत बुधवार को कलबुर्गी स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और फिर पार्टी के जिला कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव एवं विधायक बसवराज मट्टीमाडु, विधान परिषद सदस्य बी.जी. पाटिल, शशिल नमोशी, विधायक डॉ. अविनाश जादव, पूर्व मंत्री बाबूराव चौहान, कलबुर्गी ग्रामीण जिला अध्यक्ष अशोक बागली, पूर्व विधायक अमर पाटिल, दत्तात्रेय पाटिल रेवूर, नेता शिवराज पाटिल, नितिन गुठेदार, पार्टी के गणमान्य व्यक्ति, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सुरजेवाला ने केंद्र से कर्नाटक को 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक की आपूर्ति करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केंद्र सरकार से कर्नाटक को 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक शीघ्र उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक में मानसून जल्दी शुरू हुआ और औसत से 3 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई, इसलिए बुवाई अपेक्षा से पहले शुरू हो गई है। राज्य ने वर्ष 2025-26 के लिए 114.40 लाख हेक्टेयर बुवाई का लक्ष्य रखा है।

खाद्यान्न और तिलहन का उत्पादन लक्ष्य 160.68 लाख टन है। मानसून सीजन के लिए बुवाई का लक्ष्य 82.50 लाख हेक्टेयर था, और 81.85 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। मानसून सीजन के दौरान विभिन्न

रासायनिक उर्वरकों की मांग 26.77 लाख मीट्रिक टन अनुमानित है। 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक की कमी है।

राज्यों को आवश्यक उर्वरक की आपूर्ति की पूरी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। उन्होंने आलोचना की कि केंद्र सरकार ने कर्नाटक की माँग के अनुसार उर्वरक की आपूर्ति नहीं की है। कर्नाटक को अप्रैल से सितंबर 2025 तक आपूर्ति की जाने वाली 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक की आपूर्ति लंबित है। केंद्र सरकार की ओर से उर्वरक आपूर्ति में कमी के कारण कर्नाटक राज्य में उर्वरक की कमी हुई है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यूरिया की आपूर्ति में 50 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि वह कर्नाटक राज्य के किसानों की ओर से माँग करेंगे कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए, कर्नाटक को आपूर्ति की जाने वाली यूरिया उर्वरक की आपूर्ति जल्द से जल्द की जाए। कर्नाटक राज्य के कृषि मंत्री चालुवरायस्वामी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और उनसे कर्नाटक को 3.36 लाख मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक की आपूर्ति करने का अनुरोध किया। उन्होंने केन्द्र सरकार से आग्रह किया है कि वह उनके अनुरोध को स्वीकार करे और राज्य के किसानों के कल्याण का ध्यान रखे।

महाप्रबंधक ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के विकास कार्यों की समीक्षा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने मंगलवार को बेंगलूरु मंडल कार्यालय में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें दक्षिण पश्चिम रेलवे में चल रहे विभिन्न बुनियादी ढाँचे संबंधी कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया। बैठक के दौरान, दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं, बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे संबंधी कार्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों और परियोजना कार्यान्वयन में चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। महाप्रबंधक ने केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण के प्रस्ताव की भी समीक्षा की। केएसआर बेंगलूरु में भीड़भाड़ कम करने के विभिन्न उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान केएसआर बेंगलूरु, यशवंतपुर, एसएमवीटी बेंगलूरु और बेंगलूरु कैंटोनमेंट स्टेशनों से संबंधित प्लेटफॉर्म पर भीड़भाड़ और ट्रेन संचालन संबंधी कारकों का भी विश्लेषण किया गया। अजय शर्मा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), आशुतोष कुमार सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, बेंगलूरु मंडल, परीक्षित मोहनपुरिया, अपर मंडल रेल प्रबंधक, प्रवीण कटारकी, अपर मंडल रेल प्रबंधक, आर.के. सिंह, निदेशक, केआरआईडीई, परवेश कुमार, मुख्य परियोजना प्रबंधक, आरएलडीए और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

पन्चान्हिका महोत्सव के प्रथम दिन परमात्मा का अट्ठारह अभिषेक सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में श्री विमलनाथ जैन मंदिर एवं श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी के परम पवित्र प्रांगण में शतावधानी, महत्तरा पद विभूषिता प.पू. गुरुवर्या श्री चम्पाश्रीजी की पुण्य तिथि एवं तपस्वी रत्ना समता साधिका सु-लक्षणाश्रीजी के आत्म श्रेयार्थ पन्चान्हिका महोत्सव का आयोजन प्रारम्भ हुआ। गुरुदेव श्री मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी की निश्रा में पन्चान्हिका महोत्सव के प्रथम दिन विमलनाथ जिनालय में प्रातः मंगल वेला में परमात्मा के अट्ठारह अभिषेक किए गए। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी की उपस्थिति में जिनालय में प्रतिष्ठित समस्त पाषाण और पंचधातु की प्रतिमाओं, यंत्रों का मंत्रोच्चार के साथ हर्षोल्लास वातावरण में अभिषेक सम्पन्न हुआ। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि गुरुवार से तीन दिवसीय अर्हत् महापूजन का आरम्भ होगा जो कि बहुत ही प्रभावशाली पूजन है और बसवनगुडी में यह उन्नीस वर्षों के पश्चात पढ़ाया जा रहा है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के पश्चात यह महापूजन सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि आज के अट्ठारह अभिषेक में विधि कारक विक्रम गुरुजी ने विधी करवाई और व्यवस्थाएं श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल ने सम्हाली जिसमें सकल संघ ने उत्साहपूर्वक लाभ लिया और परमात्मा को अर्घ अर्पण करने का लाभ घेवरचंद कुशलराज साकरिया परिवार, दश दिकपाल को अर्घ अर्पण करने का लाभ संघवी शांतिदेवी पुखराज गुलेच्छा परिवार, परमात्मा को सूर्य दर्शन का लाभ तेजराज भभूतमल नागोरी परिवार, चन्द्र दर्शन और शांति कलश का लाभ सोनल, सपना और प्रेक्षा ने लिया। परमात्मा की आरती एवं मंगलदीपक का लाभ मदनचंद, कुमारपाल कोचर परिवार ने लिया। कार्यक्रम में वी वी पुरम से पंन्यास प्रवर श्री विवेक विजय जी भी पधारे।

गुरु भगवंतों की वाणी थोड़ी पर मूल्यवान: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने प्रभु महावीर की अंतिम वाणी उत्तराध्ययन सूत्र पर विचार करते हुए फरमाया कि भगवन्तों की वाणी थोड़ी है लेकिन मूल्यवान है। गुरु की वाणी बहुत कम होती है लेकिन वह जीवन को बदल देने वाली होती है। गुरु भगवंत अपनी वाणी से हजारों मनुष्यों का जीवन बदल देते हैं। गुरु भगवंतों की वाणी बहुत ही मूल्यवान होती हैं। कुछ विधि विधान है जिससे मनुष्य भटक गया है। अब के समय में लोगों के फालतू के खर्चे बढ़ गए हैं। गुरु भगवंत अपनी वाणी से मानव जाति का जीवन बदलने की कोशिश करते हैं। गुरुवाणी सुनने के बाद भी मनुष्य जीवन को बदलने का प्रयास नहीं कर रहा है। कभी कभी छोटी चीज भी काफी मूल्यवान होती है। ऐसे में भगवान की वाणी को छोटा कैसे समझ सकते है। दुनिया में कोई

छोटा हो या बड़ा हो सबका अपना महत्व होता है। कभी कभी हमें कोई चीज फालतू लगती है। लेकिन समय आने पर वही फालतू बड़ा काम कर जाता है। जब वस्तु और इंसान छोटे नहीं होते हैं। समय आने पर काम आते हैं। तब भगवान की वाणी तो जीवन को बदलने वाली होती है। जिंदगी भर का त्याग करने वाले गुरुभगवंत होते है। वे दिखावा नहीं करते है। लेकिन तप त्याग बहुत करते हैं। तप त्याग से ज्ञानी बनने वाले संतों भगवन्तों की वाणी में बहुत शक्ति होती है। पुण्यवाणी होने पर समय से पहले भी बहुत कुछ मिल जाता है। पुण्यवान होना आसान नहीं होता है। उसके लिए बहुत तप तपस्या करना होता है। सिद्ध साधक ही महापुरुष होते हैं। महान महान ही होते हैं। उनकी वाणी भी बहुत महान होती है। गुरुदेव ने फरमाया कि इंसान नहीं बल्कि उसका भाग्य फलता है। मनुष्य का कर्म ही अच्छा बुरा करता है। प्रभु अनुकूल होते हैं तो मनुष्य के लिए कांटे भी फूल हो जाते है। यह सब कर्म ही है। इसलिए मनुष्य को कर्म अच्छा ही करना चाहिए। सभा में चेन्नई के पेरम्बुर से धर्मचंद दरडा, चेतन पटवा, गौतम सकलेचा, विजय तातेड़, रूप राज कोठारी और संजय तातेड़ की विशेष उपस्थिति रही। कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने सभी का स्वागत किया। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

ईडी ने पूर्व मुडा आयुक्त दिनेश कुमार को किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के पूर्व आयुक्त जी. टी. दिनेश कुमार को बेंगलूरु में गिरफ्तार किया है। मुडा आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, दिनेश कुमार पर विवादास्पद 50:50 योजना के तहत मुडा स्थलों के बड़े पैमाने पर अवैध आवंटन का आरोप है। सूत्रों के अनुसार, पीएमएलए 2002 के तहत दिनेश कुमार से जुड़े बेंगलूरु स्थित दो आवासीय परिसरों की तलाशी ली गई।

एक शाम गौमाता के नाम विशाल भक्ति संध्या में बही भक्ति की सरिता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिव गौ सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रविवार शाम को पैलेस ग्राउड में राजस्थान पोकरण विधानसभा क्षेत्र के विधायक महंत प्रताप पुरी महाराज, नारायण नाथ महाराज, भोपाल के पूर्व सासंद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, विश्व प्रसिद्ध अग्नी नृत्य कलाकार पुरण नाथ, लक्ष्मणराम नाथ योगी के सानिध्य में एक शाम गौ माता के नाम विशाल भक्ति संध्या का आयोजन हुआ। भवन में गौमाता का दरबार सजाया गया। राजस्थान से आए भजन गायक रमेश माली द्वारा गणेश स्तुति से भजनों का शुभारंभ हुआ। ओम मुडेल ने मायड़ भाषा में मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। लोक भजनों पर भावविभोर होकर भक्त देर रात तक झूमते रहे। मुडेल ने भजनों व कथाओं के माध्यम से गौमाता की महत्ता बताई। महंत प्रताप पुरी महाराज ने सभा को संबोधित करते हुए सभी को नशे से दुर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गाय बचेगी तो देश की संस्कृति बचेगी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी व गौभक्त महेंद्र मुणोत ने कहा कि गाय की सेवा कर हम अपना जीवन धन्य कर सकते है। घर में गाय पालने से सभी प्रकार के वास्तु दोष व नकारात्मक उर्जा नष्ट हो जाती है। मुणोत ने गोसेवार्थ के लिए आर्थिक सहयोग देते हुए भक्तों को गोसेवा के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर गोभक्त प्रकाश चौहान, प्रसादी के लाभार्थी दिनेश पटेल व अतिथियों एवं दानदाताओं का ट्रस्ट की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के नये अध्यक्ष का चयन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से बाबुलाल माली को नये अध्यक्ष के रूप में चुना गया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष हनुमान माली, मोतीलाल माली ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का शिव गो सेवा भजन मंडल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सम्मान किया गया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** दादी परिवार महिला समिति द्वारा कोरमंगला स्थित अखिल भारतीय जीव दया प्राणी संघ गौशाला में विश्वकर्मा की जयन्ती के उपलक्ष्य में श्री विश्वकर्मा जी की पूजा की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 75वां जन्मदिन बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। पितृ पक्ष में गौमाता की सेवा कर सभी पुण्य के भागीदार बनी।*

हासन में रक्त दान अमृत महोत्सव 2 का शुभाराम

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के नेतृत्व में हासन तेरापंथ युवक परिषद ने आचार्य श्री महाश्रमण जी के आशीर्वाद से फेडरल बैंक के साथ मिलकर रक्त दान अमृत महोत्सव 2 का शुभाराम तेरापंथ सभा भवन में किया। हासन जिला अधिकारी केसी लता कुमारी, हासन विधायक स्वरूप, हासन के सांसद श्रेयश पटेल ने उद्घाटन किया। सभी 12 जगहों पर ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन हुआ। सभा भवन में फेडरल, मलनाड इंजीनियरिंग कॉलेज, एसडीएम कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक एंड हॉस्पिटल, राजीव समूह संस्था, नवकिश कॉलेज ऑफ इंजियरिंग, हारनली रामस्वामी कॉलेज, सेंट्रल कॉमर्स कॉलेज समेत 12 केंद्रों में 870 यूनिट ब्लड एकत्र किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मैं यही सोच रही थी कि तेरापंथ युवक परिषद के ब्लड डोनेशन कैंप में जाना ही जाना है। आश्चर्य श्री महाश्रमण जी के बारे में जानकारी हासिल करनी है। उन्होंने ब्लड डोनरों को सर्टिफिकेट दिया। तत्पश्चात हासन तेरापंथ युवक परिषद ने उनका सम्मान किया। विधायक स्वरूप प्रकाश ने कहा मैं आज विधायक हूं, कल ना रहु तो भी मेरे पिताजी आपके साथ थे मैं भी आपके साथ रहुंगा। सांसद श्रेयश पटेल ने कहा कि तेरापंथ समाज के साथ मैं बचपन से रहा हूं। तेरापंथ अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। मंत्री मनीष तातेड ने सभी का आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता ही सेवा, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण पश्चिम रेलवे (दक्षिण पश्चिम रेलवे) ने हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता ही सेवा - 2025 अभियान का आयोजन किया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए और सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई, जिसमें स्वच्छता और सार्वजनिक जिम्मेदारी के महत्व पर बल दिया गया। इसके बाद, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें गणमान्य व्यक्तियों और स्वयंसेवकों ने कई पौधे लगाए। स्टेशन परिसर में एक स्वच्छता अभियान भी चलाया गया, जहाँ रेलवे कर्मचारी और स्थानीय अधिकारी एक स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखने के अपने

प्रयासों में एकजुट हुए। इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई और इससे सतत जीवन और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने में मदद मिली। विधायक महेश तेंगिनाकायी, महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर, मंडल रेल प्रबंधक हुब्बल्ली बेला मीणा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। बाद में, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने हुब्बल्ली के ऑफिसर्स क्लब में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और बच्चों की भलाई के बारे में जागरूकता पैदा करना था। बाद में, महाप्रबंधक ने रेल सौधा में स्वच्छता शपथ दिलाई और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने एवं स्थायित्व को बढ़ावा देने में सामूहिक जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

मोदी का व्यक्तित्व, नेतृत्व और दूरदर्शिता विश्व के लिए एक उदाहरण: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व, नेतृत्व और दूरदर्शिता न केवल भारतीयों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण और प्रेरणा है। वे बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत डॉलर्स कॉलोनी स्थित अपने धवलगिरी आवास पर 75 नगरसेवकों को सम्मानित करने के बाद बोल रहे थे। मोदी का

जन्मदिन सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मोदी के व्यक्तित्व का प्रतिबिंब है और इसमें कोई गलती नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि देश भर में हमारे करोड़ों पार्टी कार्यकर्ता और प्रशंसक स्वेच्छा से सार्थक सेवा कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। मोदी खुद को प्रधान सेवक कहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह दिखा दिया है कि सत्ता को पद नहीं, बल्कि सेवा का साधन माना जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत मात्र 10-12 वर्षों में विश्व में अग्रणी देश बन गया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में ऐसी स्थिति है जहाँ हर मुद्दे पर भारत को ही देखा जाता है। उन्होंने हम सभी से मोदी के संदेशों को घर-घर पहुँचाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में हम सभी को एक साथ होना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कट्टा सुब्रह्मण्य नायडू, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, पूर्व राज्य सचिव जगदीश हिरेमानी, नेता कट्टा जगदीश, मीडिया विभाग के सह-संयोजक प्रशांत केरनजी और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर भारत का शंखनाद

नड्डा बोले– मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ा रहा है। जेपी नड्डा आज प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के जीवन और कार्यों पर आधारित पाँच दिवसीय प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। जनसमूह को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। आज ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में जो कुछ भी बनता है, उसमें भारत के लोगों का पसीना होता है और जिसमें भारत की मिट्टी की खुशबू होती है, वह स्वदेशी है; हमें इसके लिए काम करना होगा।

नड्डा ने यह भी कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाखों कार्यकर्ताओं ने खादी को अपनाया था। उन्होंने सभी से 2 अक्टूबर को गांधी जयंती से खादी उत्पादों का उपयोग करने का आग्रह किया। नड्डा ने कहा, मैं सभी से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने जीवन में खादी अवश्य पहनें, इससे बने वस्त्र अवश्य खरीदें और देश को सशक्त बनाने में योगदान दें। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें। नड्डा ने यह भी कहा कि भारत के लड़ाकू विमान, लड़ाकू विमान और ब्रह्मोस, जिनकी विश्व स्तर पर चर्चा हो रही है, किसी से उधार नहीं लिए गए हैं; बल्कि ये स्वदेशी हैं और भारत में ही बने हैं। .. इसके अलावा, जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर चलाए जा रहे कार्यक्रमों जैसे सेवा पखवाड़ा, 'एक पेड़ मां के नाम' और 'स्वच्छ भारत मिशन' के बारे में भी बात की।

उन्होंने सभी से स्वच्छता अभियान में योगदान देने का आग्रह किया, कम से कम पाँच दिनों के लिए, अपने दैनिक जीवन का एक घंटा इसके लिए समर्पित करके और इससे जुड़कर। प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन का जश्न पूरे देश में मनाया जा रहा है, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विभिन्न कार्यक्रमों के साथ एक पखवाड़े तक चलने वाला सेवा पखवाड़ा आयोजित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा नामक 15 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान का आयोजन किया गया है। इस अभियान के तहत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए देश भर में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और प्रदर्शनियाँ आयोजित करने की योजना बना रही है।

17 सितंबर 1950 को जन्मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधिकारिक तौर पर 1971 में आरएसएस में शामिल हुए, लेकिन उनका संघ से परिचय बहुत कम उम्र में हो गया था। 1985 में, उन्हें भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का दायित्व सौंपा गया और वे पार्टी में तेजी से आगे बढ़ते गए तथा 1998 में इसके महासचिव बने। तीन साल बाद, 2001 में, वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने। उसके 13 साल बाद, 2014 में, नरेन्द्र मोदी ने पहली बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

पराली जलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक प्रावधान क्यों नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली–एनसीआर में पराली जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा कि इस मामले में पराली जलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक प्रावधान क्यों नहीं की जा रही है। सरकार कार्रवाई से कतरा क्यों रही है? कुछ लोगों को जेल भेजने से सही संदेश जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि हम किसानों का सम्मान करते हैं, क्योंकि वे हमें खाना देते हैं, लेकिन किसी को भी पर्यावरण को दूषित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि आप किसानों के लिए कुछ दंडात्मक प्रावधानों के बारे में क्यों नहीं सोचते? अगर कुछ लोग जेल में हैं, तो इससे सही संदेश जाएगा। अगर पर्यावरण की रक्षा करने का आपका सच्चा इरादा है, तो फिर आप एक्शन लेने से क्यों डर रहे हैं? अदालत ने सरकार से कहा कि देश में किसानों का एक विशेष स्थान है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे इसका फायदा उठाएं। सरकार इस पर फैसला ले, नहीं तो अदालत आदेश जारी करेगी। गलती करने वाले अधिकारियों की तो बात छोड़िए, क्योंकि हर किसान पर नजर रखना अधिकारियों के लिए मुश्किल है। मुख्य न्यायाधीश ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट से पूछा, आप पराली जलाने वाले किसानों के लिए दंडात्मक प्रावधान लाने पर विचार क्यों नहीं करते हैं?

यह बातें सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआई से संबंधित राज्यों में राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में खाली पदों को नहीं भरे जाने पर अवमानना नोटिस पर सुनवाई के दौरान कहीं।दिल्ली के पड़ोसी राज्यों पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में हर साल अक्टूबर और नवंबर में पराली जलाने की घटनाएं सामने आती हैं। पराली जलाने की वजह से दिल्ली एनसीआर की हवा जहरीली हो जाती है।

इन राज्यों के किसान पराली को खेतों से हटाने के बजाय जला देते हैं। पराली जलाने की घटनाएं हर साल सामने आती रहती हैं।

सैन्य क्षमताओं को मज़बूत करने के उद्देश्य से भारत करने जा रहा बड़ी डील

नई दिल्ली, 17 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की सैन्य क्षमताओं को मज़बूत करने के उद्देश्य से, सरकार आने वाले हफ़्तों में बहुप्रतीक्षित कई बड़े रक्षा सौदों को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत भारतीय वायु सेना और नौसेना को महत्वपूर्ण लड़ाकू उपकरण मिलने वाले हैं। इस सूची में सबसे ऊपर भारतीय वायु सेना का फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का प्रस्ताव है, जिसका उद्देश्य अपने लड़ाकू स्क्वाड्रनों की बढ़ती कमी को पूरा करना है। यह तात्कालिकता इसलिए और बढ़ गई है क्योंकि भारतीय वायु सेना अगले महीने चंडीगढ़ में अपने मिग–21 स्क्वाड्रनों को सेवानिवृत्त करने की तैयारी कर रही है, जिससे सक्रिय लड़ाकू स्क्वाड्रनों की कुल संख्या घटकर केवल 29 रह जाएगी, जो स्वीकृत संख्या 42 से काफ़ी कम है।

केंद्र सरकार राफेल खरीद प्रक्रिया में तेज़ी लाने पर ज़ोर दे रही है और अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के 18 महीनों के भीतर पहला स्क्वाड्रन मिलने की उम्मीद है। भारतीय वायुसेना ने रक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव पहले ही सौंप दिया है, जिसकी वर्तमान में रक्षा वित्त सहित विभिन्न आंतरिक विभागों द्वारा समीक्षा की जा रही है।

आंतरिक मंज़ूरी के बाद, प्रस्ताव रक्षा खरीद बोर्ड और उसके बाद आवश्यकता की स्वीकृति के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद के पास जाएगा, जिससे औपचारिक वाणिज्यिक वार्ता का मार्ग प्रशस्त होगा। इस बीच, भारत अमेरिका के साथ प्रमुख रक्षा समझौतों पर भी आगे बढ़ रहा है। भारतीय नौसेना छह अतिरिक्त झ–8ख समुद्री निगरानी विमान खरीदने वाली है, जिस पर चर्चा अब अंतिम चरण में है।

एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले मारे गए

गाजियाबाद में एसटीएफ के साथ 15 मिनट फायरिंग, गोल्डी बराड़ गैंग के थे दोनों बदमाश

गाजियाबाद, 17 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली में दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दोनों बदमाश मारे गए हैं। गाजियाबाद में बुधवार शाम नोएडा एसटीएफ, सीआई यूनिट दिल्ली, हरियाणा पुलिस की टीम ने दोनों का एनकाउंटर कर दिया।

बदमाशों की पहचान रोहतक के रविंद्र और सोनीपत के अरुण के रूप में हुई। ये रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के गैंग के थे। दोनों पर एक–एक लाख का इनाम था।

डढक्र के मुताबिक, बुधवार की शाम करीब 7.22 बजे पर गाजियाबाद के ट्रॉनिका सिटी एरिया में चेकिंग कर रहे थे। दो लड़के बाइक पर दिखे, जो चेकिंग देखकर भाग रहे थे। पीछा करने पर उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से 4 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस जीप पर भी 4 गन शॉट लगे। टीम ने खुद को बचाते हुए बदमाशों पर फायरिंग की। 15 मिनट तक दोनों तरफ से करीब 25 से 30 राउंड फायर हुए। पुलिस की गोली से अरुण और रविंद्र घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके से ग्लॉक, जिगाना पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। एक सफेद अपाचे मिली है। माना जा रहा है कि यही वो बाइक है, जिस पर वह बदमाश बरेली आए और फायरिंग करके वापस लौट गए थे। एसटीएफ के अनुसार, दोनों बदमाश सीसीटीवी में कैद हुए थे। दिशा पाटनी के घर फायरिंग करते वक्त अरुण सफेद शर्ट पहने था, रविंद्र नीले रंग की टीशर्ट में था। अरुण और रविंद्र पेशेवर शूटर थे।

मौके पर गाजियाबाद के एडिशनल पुलिस कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसटीएफ नोएडा के एडिशनल एसपी राजकुमार मिश्रा और हरियाणा एसटीएफ के अधिकारी भी हैं।

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने बताया, दोनों बदमाशों की पहचान होने के बाद पुलिस मुठभेड़ हुई है।

चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का धरना प्रदर्शन

वेतन वृद्धि नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

पटना (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के आरा सदर अस्पताल सिविल सर्जन कार्यालय के बाहर बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के द्वारा मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन को लेकर कर्मचारियों की मांग है कि जो वेतन उन्हें मिलता है उसमें उनका घर नहीं चल पाता, जिसकी वजह से काफी समस्या का सामना कर्मियों को करना पड़ रहा है। जिसके बाद अपनी मांगों को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारी धरने पर बैठने के लिए विवश हो गए।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पूरे बिहार में 865 महिला एएनएम कर्मी मौजूद हैं। वहीं, स्वास्थ्य कर्मचारी वर्षा पटेल ने बताया कि हम लोग कैमूर जिले से आकर भोजपुर जिले में कार्यरत हैं। आज 4 साल बाद भी पेमेंट में कोई वृद्धि नहीं हुई है। अभी हम मात्र 11,500 रुपये प्रति माह पर काम कर रहे हैं। लेकिन 4 साल पूरे हो जाने के बाद भी पेमेंट में कोई बढ़ोतरी नहीं हो रही है।

कर्मचारी संघ का आरोप है कि 11,500 में हम कुछ नहीं कर पाएंगे और जो पेमेंट मिलता है वह दो–तीन महीने बाद मिलता है।

जिसकी शिकायत को लेकर बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे से भी हम लोगों ने मुलाकात की। जिसके बाद उन्होंने आश्वासन दिया था कि अगले महीने से पेमेंट में बढ़ोतरी हो जाएगी, लेकिन अभी तक उसका कुछ पता नहीं है। अगर आने वाले दिनों में हमारी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो हम बड़ा आंदोलन भी करेंगे।

पटना हाईकोर्ट का कांग्रेस को आदेश

पीएम मोदी की दिवंगत मां का एआई-जनरेटेड वीडियो हटाएं

पटना (एजेंसियां)। पटना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस से कहा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां हीराबेन मोदी को दिखाने वाले एआई–जनरेटेड वीडियो को सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा दे। बिहार कांग्रेस द्वारा पोस्ट किए गए एआई–जनरेटेड वीडियो से बड़े पैमाने पर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है, जिसमें भाजपा ने विपक्षी दल पर प्रधानमंत्री की दिवंगत माँ का अनादर करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि उसने वीडियो में कहीं भी हीराबेन मोदी का अनादर नहीं किया है।

इस संबंध में जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां का ए आई से वीडियो बनाकर मां जैसे महत्वपूर्ण जो हमारा पारिवारिक संस्कार है, उस पर जिस तरह से हमले किए गए थे वह बिल्कुल आपत्तिजनक था।

सामाजिक रूप से नैतिक रूप से अन्याय पूर्ण था। नीरज कुमार ने कहा कि आज उच्च न्यायालय पटना ने इसको गलत माना और सोशल मीडिया से एआई जेनरेटेड वीडियो हटाने का निर्देश दिया है, वैसे लोगों के लिए यह आइना है जो यह कहते हैं कि संविधान खतरे में है। नीरज कुमार ने कहा कि संविधान है तो न्यायपालिका है और न्यायपालिका है तो किसी की मां और पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना कानूनन अपराध है। नीरज कुमार ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि राजनीतिक ईर्ष्या के कारण ही कांग्रेस की राजनीतिक दुर्दशा हो रही है।

विश्वकर्मा पूजा पर नीतीश सरकार ने 16.5 लाख श्रमिकों के खाते में भेजी राशि

पटना (एजेंसियां)। आज पूरा बिहार विश्वकर्मा पूजा मना रहा है। इस खास मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने बड़ा काम किया है। उन्होंने बुधवार को विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 16.4 लाख निर्माण श्रमिकों के खातों में लगभग 802 करोड़ रुपये के हस्तांतरण की घोषणा कर।

इतना ही नहीं नीतीश सरकार आज 'मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना' का एक वेब पोर्टल भी लॉन्च शुभारंभ करने जा रही है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा कि आज सृजन के प्रणेता भगवान विश्वकर्मा की आराधना का दिवस है और आज ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का जन्मदिवस भी है। प्रधानमंत्री देश एवं नागरिकों के उत्थान के लिए पूरी निष्ठा के साथ बिना रूके, बिना थके लगातार परिश्रम कर रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार ने लिखा कि यह सुखद संयोग है कि 'बिहार भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड' के तहत श्रमिकों के खाते में आज राशि हस्तांतरित की जा रही है। आज 16 लाख 4 हजार 929 निर्माण श्रमिकों के खाते में वार्षिक वस्त्र सहायता योजन–न्तर्गत पांच हजार रुपए प्रति निर्माण श्रमिक की दर से कुल 802 करोड़ 46 लाख 45 हजार रुपए की राशि का सीधे उनके खाते में भेजी जा रही है। इससे निर्माण कार्यों में लगे श्रमिक वर्ग के लोगों का जीवन और बेहतर हो सकेगा एवं उनका सामाजिक एवं आर्थिक विकास होगा।

सीएम नीतीश कुमार ने लिखा कि आज खास मौके पर मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना के वेब पोर्टल का भी शुभारंभ किया जा रहा है। समाज के अंतिम पायदान के लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए हमलोग शुरू से कार्य कर रहे हैं। आज राज्य जिस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में तरक्की के नए आयामों को छू रहा है, उसमें हमारे श्रमिक भाई–बहनों का अतुलनीय योगदान है। उनके विकास के लिए सरकार लगातार काम करती रहेगी।

पूर्णिया में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और ऑटो की टक्कर में दो की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया में मंगलवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना कोढ़ा थाना क्षेत्र के मूसापुर चौक के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने सीएनजी ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।

मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के देवचरण ऋषि (25) और मरंगा गंगेली निवासी प्रवीण ऋषि (35) के रूप में हुई है। वहीं घायलों में हीरा लाल मंडल, बादलपुर हरदा निवासी हीरो ऋषि, उनकी पत्नी आकाशी देवी और साली अंजलि कुमारी शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज पूर्णिया के जीएमसीएच अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।घायल हीरो ऋषि ने बताया कि वह अपनी पत्नी और साली के साथ सीएनजी ऑटो में सवार होकर खेरिया स्थित अपने ससुराल जा रहा था। इसी दौरान मूसापुर चौक के पास कुरसेला की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ऑटो चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को तुरंत जीएमसीएच अस्पताल पहुंचाया गया। मृतक प्रवीण ऋषि के पिता सदानंद ऋषि ने बताया कि प्रवीण जल्द ही पंजाब कमाने जाने वाला था। वह अपने घर से गेड़ाबाड़ी होते हुए कटिहार जाने के लिए ऑटो में बैठा था, लेकिन मूसापुर चौक पर ट्रक की चपेट में आ गया। प्रवीण की मौत की खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया। उसके पिता ने बताया कि प्रवीण मजदूरी कर पूरे परिवार का भरण–पोषण करता था। जब प्रवीण की पत्नी ने पति का शव देखा तो वह दहाड़ मारकर रोने लगी।

घटना की जानकारी मिलने पर फणीश्वर नाथ रेणु टीओपी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिन पर लखनऊ से शुरू हुआ सेवा पखवाड़ा

पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत दुनिया के लिए प्रेरणा बना: योगी

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर लखनऊ से सेवा पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा और इसमें समाज को जोड़ने वाले विविध रचनात्मक कार्य शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पावन जन्मदिन से हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी केवल भारत के ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं। आज पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन कर रही है। जो भारत कभी पिछलग्गू माना जाता था, लेकिन आज अपने आत्मविश्वास से दुनिया को प्रेरित कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। अर्थव्यवस्था, विरासत, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, नियुक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, जल संसाधन जैसे तमाम क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं, दलित और वंचित समाज को प्राथमिकता देने की वजह से हर नागरिक के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। यही वजह है कि बीते 11 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ पाए हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विरासत का सम्मान आज केवल घोषणा नहीं, बल्कि हकीकत है। अयोध्या में 500 वर्षों के बाद रामलला का भव्य मंदिर बना। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण वैश्विक जगत को आकर्षित कर रहा है।

केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम का कायाकल्प हुआ है। महाकाल लोक का निर्माण और अन्य धार्मिक स्थलों का सुंदरीकरण नए भारत की पहचान बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों की स्मृतियों से जुड़े अनेक रचनात्मक कार्य किए गए हैं, जो सामाजिक न्याय और सामाजिक उत्थान की दिशा में मील का पत्थर साबित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोविड काल के प्रबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि जब पूरी दुनिया महामारी के सामने असहाय थी, तब भारत ने सबसे बेहतरीन कोविड प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत किया। जहां 100 वर्षों में कोई वैक्सीन भारत तक नहीं पहुंच पाई, वहीं मोदी जी के नेतृत्व में सिर्फ 9 महीनों में कोविड वैक्सीन विकसित की गई। उन्होंने बताया कि न केवल भारतवासियों को मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराई गई, बल्कि दुनिया के दर्जनों मित्र देशों को भी फ्री में वैक्सीन देकर भारत ने बेहतरीन कूटनीतिक उदाहरण प्रस्तुत किया।

इससे भारत संकट के समय सहयोगी के रूप में दुनिया के सामने मिसाल बनकर उभरा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का पहला चरण स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान है। इसके अंतर्गत महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी कार्यक्रम और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। लखनऊ से इसका शुभारंभ करते हुए इसे पूरे प्रदेश में आगे बढ़ाया जा रहा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा हर जिले में रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है। आने वाले दिनों में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य शिविर तथा जांच से जुड़े कार्यक्रम होंगे। इससे जरूरतमंदों को निशुल्क सुविधाओं का लाभ मिलेगा और आमजन को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी प्राप्त होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना समेत अन्य मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस चित्र प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री मोदी के बाल्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक के पूरे सफर को दर्शाया गया है।

यूपी के धर्मांतरण निषेध कानून के खिलाफ याचिका दाखिल

सुप्रीम कोर्ट में होगी याचिका पर सुनवाई

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बने धर्मांतरण निषेध कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को देश के अलग अलग हाईकोर्टों की उन याचिकाओं को एक साथ क्लब कर दिया, जिसमें राज्यों के बनाए गए धर्मांतरण विरोधी कानूनों की वैधता को चुनौती दी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ सिटिजंस फॉर जस्टिस एंड पीस नामक एनजीओ ने याचिका दाखिल की है।

सुप्रीम कोर्ट पहले से ही उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सहित कई राज्यों के धर्मांतरण कानूनों को चुनौती देने वाली अन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। अब इससे जुड़े सारे मामलों को क्लब कर दिया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने सारे संबंधित मामलों को एक साथ क्लब करने का आदेश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सुप्रीम कोर्ट यह आग्रह किया था। इस पर मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा, इस तरह की सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर की जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह इन कानूनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग पर 6 हफ्ते बाद विचार करेगा।

यूपी में पांच साल के सभी ई-चालान माफ

2017 से 2021 तक लगा जुर्माना नहीं भरना पड़ेगा

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने 2017 से 2021 के बीच हुए ई-चालानों को पूरी तरह खत्म करने का फैसला लिया है। इन पांच वर्षों में अगर वाहन पर चालान हुआ है तो जमा करने की जरूरत नहीं है। इस फैसले से लाखों वाहन मालिकों को राहत मिली है।

प्रदेश के परिवहन विभाग के मुताबिक, पांच वर्षों में कुल 30, 52, 090 ई-चालान काटे गए थे। इनमें से 17,59,077 पहले ही निस्तारित हो चुके हैं जबकि 12, 93, 013 चालान अब तक लंबित हैं। इनमें भी 10,84,732 चालान कोर्ट में पेंडिंग है और 1,29,162 चालान ऑफिस स्तर पर पेंडिंग हैं।

सरकार के फैसले के बाद अब ये सभी चालान खुद खत्म हो जाएंगे। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि यह फैसला जनहित, पारदर्शिता और कानून के पालन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। लंबे समय से कोर्ट में पड़े छोटे-मोटे चालानों से कोर्ट पर अनावश्यक बोझ बढ़ रहा था। आयुक्त ने बताया कि इन सभी चालानों का स्टेटस एक महीने के भीतर ई-चालान पोर्टल पर अपडेट कर दिया जाएगा।

आंगनबाड़ी बहनों को मिलेगा स्मार्टफोन, बढ़ेगा मानदेय : सीएम योगी

सीएम योगी ने लखनऊ से शुरू किया महिला पोषण महाअभियान

लखनऊ, 17 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान और आठवें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया। यह अबतक के देश के सबसे बड़े स्वास्थ्य अभियानों में से एक है। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर, केजीएमयू में प्रदेशस्तरीय कार्यक्रमों की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन वितरण के साथ ही उनके मानदेय में वृद्धि की जाएगी। इस अभियान के तहत यूपी में 75 जनपदों में व्यापक स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत भी हुई, जिसमें महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरा देश पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर उनके साथ जुड़ रहा है। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई। पीएम का संदेश हमें प्रेरित करता है, और हम इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीएम योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए स्मार्ट फोन वितरण और मानदेय वृद्धि का ऐलान करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी बहनों की सेवाओं का सम्मान उनके मानदेय बढ़ाकर और स्मार्ट फोन देकर किया जाएगा। उनकी ट्रेनिंग और समय पर भुगतान सुनिश्चित होगा, ताकि वे आत्मनिर्भर बनें।

सीएम योगी ने प्रदेश के 75 जनपदों में 20,324 स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत की, जहां रक्त, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, ओरल कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, एनीमिया और टीबी की निशुल्क जांच होगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व देखभाल, बच्चों के टीकाकरण और जागरूकता पर केंद्रित है। 507 रक्तदान शिविर भी आयोजित होंगे, जिसमें युवाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। सीएम योगी ने स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की सराहना की और बताया कि यह 15 दिन का पखवाड़ा न केवल जांच, बल्कि निशुल्क उपचार का माध्यम बनेगा। चिकित्सा विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों को जोड़ा गया है।

योगी ने नारी सशक्तिकरण योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, कन्या सुमंगला और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे कदम उठाए गए हैं, जिनका स्वागत नया भारत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में यूपी सरकार ने बेटी की निशुल्क शिक्षा और कन्या सुमंगला योजना के तहत 25,000 रुपए का पैकेज दिया, जबकि सामूहिक विवाह योजना में हर बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता दी गई। सीएम योगी ने कहा कि 1.89 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों और 10 लाख महिला स्वयं-सहायता समूहों के साथ 1 करोड़ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने कहा कि टीएचआर प्लांट्स से 60,000 बहनें 8,000 रुपए मासिक कमा रही हैं, और नेफेड के सहयोग से यह आय बढ़ेगी।

सीएम ने 3-6 वर्ष के बच्चों के लिए पोषण मिशन और ट्यूबरक्लोसिस उन्मूलन अभियान शुरू किया। उन्होंने 224 बार रक्तदान करने वाले स्वयंसेवकों और निःक्षय मित्रों को सम्मानित किया। सीएम योगी ने कहा कि 15 दिन का यह अभियान विजयादशमी तक चलेगा इसमें यूपी अग्रणी राज्य बनेगा। स्कूल मर्जर से आंगनबाड़ी केंद्रों को भवन देकर पोषण मिशन को मजबूत करेंगे। उन्होंने महिला कल्याण विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को समय पर स्मार्ट फोन देने और मानदेय बढ़ाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत मातृत्व लाभ का वितरण किया और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। मातृत्व और बचपन के सम्मान का यह दृश्य कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। सीएम योगी ने बच्चों को गोद में लेकर दुलारा और उन्हें खिलौने भी गिफ्ट किए। मुख्यमंत्री ने समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाले निःक्षय मित्रों और रक्तदाताओं को सम्मानित किया। संभव अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट योगदान करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, अभिभावकों और ग्राम प्रधानों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दोनों उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य, राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह एवं प्रतिभा शुक्ला समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे।

सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाए गए थे मस्जिद-मदरसे

अब चलेगा योगी का बुलडोजर, लगे लाल निशान

संभल, 17 सितंबर (एजेंसियां)। संभल में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन एक्शन मोड में हैं। अवैध कब्जे को लेकर मस्जिद, मदरसे और मैरेज हॉल को एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया गया है। अगर 20 सितंबर तक इन पर अवैध कब्जा नहीं हटाया जाएगा, तो प्रशासन इसे ध्वस्त कर देगा। सरकारी जमीन के साथ-साथ तालाब को भी पाट कर मदरसे के मुतवल्ली ने अपना घर बना लिया था।

प्रशासन और राजस्व विभाग के अधिकारियों ने पिछले दिनों इस अवैध कब्जे का भौतिक निरीक्षण किया और जांच में सरकारी जमीन पर पाए गए मस्जिद, मदरसे समेत कई इमारतों पर लाल निशान लगा दिए गए। हफ्ते भर में सरकारी जमीन को खाली करने का नोटिस दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि 20 सितंबर तक कब्जा नहीं हटा तो उसे ध्वस्त कर सरकार जमीन जब्त कर लेगी। इलाके के कई गांवों में सरकारी जमीन पहले खाली पड़ी थी। इन पर धीरे-धीरे कब्जा किया गया। पहले कच्चा ढांचा खड़ा किया गया और फिर पक्की इमारत बना ली गई। इसको देखते हुए अवैध कब्जा हटाने की मुहिम चल रही है। कई जगहों पर अवैध कब्जे को हटा भी दिया गया है। तहसीलदार धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने राया बुजुर्ग गांव और सलेमपुर सालार गांव का दौरा किया। तहसीलदार के मुताबिक, सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है। इसको लेकर स्थानीय कोर्ट में धारा 67 के तहत केस दायर था। कोर्ट ने 2 सितंबर 2025 को सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया था। लेकिन अभी तक इसे नहीं हटाया गया है। इसलिए ऐसे जमीन पर बनी इमारत पर लाल निशान लगाए गए हैं। गांव राया बुजुर्ग में गड्ढों वाली सरकारी जमीन पर मस्जिद और तालाब की भूमि पर मदरसे और दो घर बनाए गए हैं। इस घर पर मस्जिद के मुतवल्ली का कब्जा है।

सलेमपुर सालार गांव में सड़क किनारे की सरकारी जमीन को चारदीवारी से घेर लिया गया है। सामने 4-5 दुकानें हैं और अंदर जाने पर ग्राउंड फ्लोर पर 4 से 5 कमरे बने हैं। पहली मंजिल पर एक कमरा और बरामदा है। इमारत को देखकर ये नहीं लगता कि मदरसा या पढ़ाई-लिखाई का काम यहां होता होगा। यहां काफी गंदगी थी। इससे पता चलता है कि कोई व्यावसायिक काम यहां से किया जा रहा है। गांव की सरकारी बंजर भूमि पर एक मस्जिद का निर्माण कर दिया गया है। अब इन इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है।

राया बुजुर्ग गांव में तालाब की जमीन पर अवैध कब्जा कर मदरसा निर्माण किए जाने की बात सामने आई थी। लेकिन जब जांच करने के लिए प्रशासनिक टीम पहुंची तो उन्हें वहां एक बैंक्वेट हॉल मिला। इसे भी हटाने का नोटिस थमा दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने जब गांव में पैमाइश का काम शुरू किया, तो खलबली मच गई। वहां बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए, लेकिन अधिकारियों ने सफलतापूर्व जमीन मापने का काम पूरा किया और अवैध इमारतों पर लाल निशान लगाए।

संपादकीय

वक्फ पर 'अंतरिम निष्कर्ष'

वक्फ संशोधन कानून, 2025 पर सर्वोच्च अदालत का सीमित हस्तक्षेप बौद्धिक न्यायिक सोच का एक अच्छा उदाहरण है। अदालत ने कानून पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया, क्योंकि उसका कोई संवैधानिक आधार नहीं था, लेकिन कानून के कुछ विवादित प्रावधानों पर रोक जरूर लगाई है, क्योंकि वे संविधान की हदें लांघते नजर आए और धार्मिक स्वतंत्रता छिनती भी लगी। शीर्ष अदालत ने व्यक्ति के संपत्ति अधिकारों का फैसला करने का अधिकार कलेक्टर को नहीं दिया, लिहाजा कानून में कलेक्टर की भूमिका को सीमित कर दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक समीक्षा यह रही कि अदालत ने 5 साल से मुस्लिम होने की शर्त पर रोक लगा दी। न्यायिक पीठ ने कहा कि जब तक राज्य सरकारें इस संदर्भ में कोई नियम-कानून नहीं बना लेतीं कि कोई व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं, तब तक तत्काल प्रभाव से इस प्रावधान पर रोक लगाई जाती है। शीर्ष अदालत ने यह भी तय कर दिया कि राज्य के वक्फ बोर्ड परिषद में अधिकतम 3 और केंद्रीय परिषद में अधिकतम 4 गैर-मुस्लिम सदस्य होंगे। वक्फ बोर्ड का सीईओ भी यथासंभव मुसलमान होना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण का प्रावधान 1995 और 2013 के कानूनों में भी था और अब फिर से लागू किया गया है। इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के बिना किसी संपत्ति को वक्फ घोषित नहीं किया जा सकता और न ही राजस्व रिकॉर्ड में कोई बदलाव किया जा सकता है। ऐसी न्यायिक समीक्षा के साथ प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस जॉर्ज मसीह की पीठ ने वक्फ संशोधन कानून पर अस्थायी और शुरुआती विचार दिया है। यह सर्वोच्च अदालत का अंतरिम फैसला है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस गवई के अनुसार, यह अंतिम निष्कर्ष नहीं है। फिलहाल हमने इतना ही देखा है कि क्या कानून अथवा उसकी किसी धारा पर तुरंत रोक लगाई जाए अथवा नहीं? बहरहाल अंतरिम निष्कर्ष से ही सत्ता और विपक्ष दोनों संतुष्ट हैं और अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं, लेकिन जिन आधारों पर 20 से अधिक याचिकाएं दाखिल की गई थीं, उन पर शिकायतकर्ताओं को हताशा मिली है। यह न्यायिक निष्कर्ष किसी के भी गाल पर तमाचा नहीं है, बल्कि अदालत की सोच रही है कि देश में अमन-चैन, भाईचारा बना रहे। सांप्रदायिक तनाव के हालात न बनें। यह फैसला संसदीय लोकतंत्र के हित में है। संसद के फैसले पर ही अदालत ने बुनियादी मुहर लगाई है। संसद की सर्वोच्चता को लांघा नहीं जा सकता, अदालत ने अपने निष्कर्ष में परोक्ष रूप से यह माना भी है। कानून के विपक्षियों की दलीलें थीं कि वक्फ संशोधन कानून से संविधान के अनुच्छेदों-14, 15, 25, 26, 29, 30 और 300-ए का उल्लंघन होगा, लिहाजा यह कानून संवैधानिक कैसे हो सकता है? न्यायिक पीठ ने इन दलीलों को खारिज करते हुए संशोधित कानून को बरकरार रखा है। विपक्ष ने यहां तक आरोप लगाए कि सरकार मुसलमानों की मस्जिदें, ईदगाह, उनके कब्रिस्तानों की जमीनों पर कब्जा करके अपने 'मित्र उद्योगपतियों' को सौंपने की मंशा रखती है। अदालत में इन आरोपों का क्या हुआ? अब भी अदालत के सामने यह मामला है। आगे जब सुनवाई शुरू होगी, तो विपक्ष के वकील दलीलें दे सकते हैं, क्योंकि देश जानना चाहता है कि इन सांप्रदायिक आरोपों की बुनियाद क्या थी। मुस्लिम नेताओं, मौलवियों, मुफ्तियों, इमामों आदि ने नौजवान मुसलमानों के लिए बेहद उत्तेजक आह्वान किए कि वे राजधानी दिल्ली में लामबंद हों और सरकार को अपनी ताकत दिखाएं। क्या वाकई ऐसी नौबत आ गई थी? अहम सवाल है कि भारत में 8.72 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जो दुनिया में सर्वाधिक हैं, फिर भी औसत मुसलमान गरीब, असहाय, अनपढ़ क्यों है? यह सवाल तो 'सच्चर कमेटी' की रपट में भी उठाया गया था। सवाल यह भी है कि वक्फ ट्रिब्यूनल में आज भी 14,417 विवादित केस क्यों लंबित हैं? न्यायिक पीठ ने 'वक्फ बाय यूजर' के स्थान पर भविष्य में 'वक्फ बाय ऑनर' का फैसला क्यों दिया है? दरअसल वक्फ की बेशुमार संपत्तियों पर जो अवैध कब्जे हैं, जो धांधलियां निहित हैं, जो पारदर्शिता और प्रबंधन नहीं है, क्या उन्हें इसलिए छोड़ दिया जाए कि वे मुसलमानों से जुड़ी हैं। सरकार के दायित्व सर्वधर्मा होते हैं। विसंगतियां समाप्त होनी चाहिए, भ्रष्टाचार का खात्मा किया जाना चाहिए।

अदालत ने कानून पर रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया, क्योंकि उसका कोई संवैधानिक आधार नहीं था, लेकिन कानून के कुछ विवादित प्रावधानों पर रोक जरूर लगाई है, क्योंकि वे संविधान की हदें लांघते नजर आए और धार्मिक स्वतंत्रता छिनती भी लगी। शीर्ष अदालत ने व्यक्ति के संपत्ति अधिकारों का फैसला करने का अधिकार कलेक्टर को नहीं दिया, लिहाजा कानून में कलेक्टर की भूमिका को सीमित कर दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक समीक्षा यह रही कि अदालत ने 5 साल से मुस्लिम होने की शर्त पर रोक लगा दी। न्यायिक पीठ ने कहा कि जब तक राज्य सरकारें इस संदर्भ में कोई नियम-कानून नहीं बना लेतीं कि कोई व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं, तब तक तत्काल प्रभाव से इस प्रावधान पर रोक लगाई जाती है। शीर्ष अदालत ने यह भी तय कर दिया कि राज्य के वक्फ बोर्ड परिषद में अधिकतम 3 और केंद्रीय परिषद में अधिकतम 4 गैर-मुस्लिम सदस्य होंगे। वक्फ बोर्ड का सीईओ भी यथासंभव मुसलमान होना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण का प्रावधान 1995 और 2013 के कानूनों में भी था और अब फिर से लागू किया गया है। इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के बिना किसी संपत्ति को वक्फ घोषित नहीं किया जा सकता और न ही राजस्व रिकॉर्ड में कोई बदलाव किया जा सकता है। ऐसी न्यायिक समीक्षा के साथ प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस जॉर्ज मसीह की पीठ ने वक्फ संशोधन कानून पर अस्थायी और शुरुआती विचार दिया है।

कुछ अलग

मनुष्य की जड़ें

चीन में एक छोटा लड़का अपनी दादी के साथ रहता था। दादी ने घर के पास एक सुंदर बगीचा लगा रखा था। एक दिन दादी बीमार हो गईं, तो उन्होंने अपने पोते से कहा कि वह बगीचे की देखभाल करे।अगले दिन जब दादी थोड़ी ठीक हुईं और बगीचे में गईं, तो देखा कि पौधे मुरझाए हुए हैं। उन्होंने हैरानी से पोते से पूछा, 'बेटा, तुमने पौधों को पानी क्यों नहीं दिया?' पोते ने मासूमियत से जवाब दिया, 'दादी! मैंने हर पौधे की पत्तियां अच्छे से पोंछी थीं और उनकी जड़ों में रोटी के टुकड़े भी डाले थे।' दादी मुस्कराईं और बोलीं, 'बेटा, पेड़-पौधे रोटी के टुकड़ों से नहीं, उनकी जड़ों में पानी देने से बढ़ते हैं। बाहरी सफाई से नहीं, अंदर की जड़ों को पोषण देने से जीवन मिलता है।' लड़का थोड़ी देर सोच में पड़ गया। फिर उसने दादी से पूछा, 'दादी, क्या मनुष्य की भी कोई जड़ होती है?' दादी ने कहा, 'हां बेटा, मनुष्य की जड़ उसका 'मन' और 'साहस' होता है। जब हम अपने मन को हर दिन साहस और सकारात्मक सोच से सींचते हैं, तभी हम जीवन में मजबूत बनते हैं।' इस बात का उस लड़के पर गहरा प्रभाव पड़ा। उसने निश्चय किया कि वह अपने मन की जड़ों को साहस और मेहनत से सींचेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर यात्रा

मणिपुर: पूर्वोत्तर का बदलता चेहरा

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बहु-प्रतिक्षित मणिपुर यात्रा, वहां के समुदायों के बीच स्थाई शांति स्थापित करेगी यह उम्मीद अब अपेक्षित है। मणिपुर में मैतेई, कुकी और नगा समुदायों की जातीय हिंसा से जुड़ी समस्या अत्यंत जटिल है। इसलिए इसके समाधान के उपाय विकास के साथ, स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने से ही संभव हैं। इस दिशा में मोदी पूर्वोत्तर भारत की अनेक यात्राएं कर चुके हैं। 13 सितंबर 2025 की प्रधानमंत्री की मणिपुर यात्रा, वहां 2023 से चल रही जातीय हिंसा के बाद पहली बार हुई है। इस दौरान उन्होंने चूड़चंदपुर और इंफाल के राहत शिविरों में पहुंचकर सीधे पीड़ितों के दर्द को समझने की कोशिश की। इन शिविरों में विस्थापित पीड़ितों से मुलाकात करते हुए कहा कि 'अब साफ दिख रहा है कि नई सुबह उम्मीद और भरोसे की है। मणिपुर शांति और समृद्धि का प्रतीक बनेगा। केंद्र सरकार यहां 7300 करोड़ रुपए की नई परियोजनाओं पर काम करने जा रही है।' याद रहे खराब मौसम के कारण प्रधानमंत्री का हेलिकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका था। इस कारण वे सात किमी की सड़क यात्रा करके चूड़चंदपुर पहुंचे थे। इस पूरे मार्ग में उनका राष्ट्रिय झंडा लिए लोगों ने स्वागत किया और फिर उन्होंने शिविर में युवाओं से बात करके उन्हें उज्जवल भविष्य की दिलासा दी। मणिपुर हिंसा के जिस लंबे दौर से गुजरा है, उसमें शांति के लिए विकास औरभविष्य की उम्मीदें ही स्थायित्व लाने वाली होती हैं। इस दृश्टि से लगता है कि अब मणिपुर सही दिशा में आगे बढ़ेगा। मोदी ने अपने 11 वर्षीय कार्यकाल में सीमांत प्रदेशों में सर्वाधिक रुचि ली है। फिर वह चाहे कश्मीर-लद्दाख, उत्तराखंड हों या फिर पूर्वोत्तर भारत की सात बहनें कहे जाने वाले राज्य असम, अरुणाचल, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, अगरतला और मेघालय हों। इन सभी प्रांतों की वास्तव में पूर्ववर्ती सरकारों ने अनदेखी की है। इसलिए इनकी आर्थिक संभावनाओं और प्राकृतिक दोहन को उपयुक्त रूप से उपयोगी नहीं माना गया। किंतु मोदी जबसे प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से उनकी निगाहें पूर्वोत्तर के सातों राज्यों के भौतिक विकास के साथ सांस्कृतिक उत्थान पर टिकी हैं। यह विकास एकतरफा न होकर चहुंमुखी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल, उड्डयन, पेयजल शहरी, ग्रामीण आवास, सूचना-प्रौद्योगिकी और विद्युत परियोजनाओं से जुड़ा है। यही नहीं साहित्य कला और संस्कृति को समृद्धशाली बनाए जाने पर पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। दरअसल यही वे विषय हैं, जो पूर्वोत्तर में आधुनिक विकास के साथ यहां के मूल निवासियों को प्राचीन भारत के महामानवों से जोड़कर समरसता का इतिहास रच रहे हैं। वरना पिछले दो सौ साल में अंग्रेजों ने इस पूरे क्षेत्र में ईसाईकरण की बुनियाद रखी और बांग्लादेश व म्यांमार से घुसे मुसलमानों ने इस्लामीकरण को बढ़ावा देने के साथ जनसंख्यात्मक घनत्व बिगाड़ने का काम किया। नतीजतन नस्लीय भेद बढ़ा और सांप्रदायिक दंगे बीते 79 साल से न खत्म होने वाली कड़ी बने रहे। मोदी ने पूर्व में मणिपुर में 4800 करोड़ की परियोजनाओं की आधारशिला रखी थीं। अगरताला की राजधानी त्रिपुरा में त्रिपुरा ग्राम समृद्धि योजना और विद्याज्योति शाला परियोजना मिशन-100 की शुरूआत की थी। दरअसल आवागमन की सुविधाओं का अभाव पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी समस्या रही है, इससे सामान की ढुलाई में दिक्कत आती है और पर्यटन भी प्रभावित होता है। केंद्र सरकार की 4800 करोड़ रुपए लागत की 22 परियोजनाओं में इन पहलुओं पर विकास को केंद्रित किया गया है। देश के बड़े नगरों से इस क्षेत्र में उड़ानों की संख्या बढ़ाने के साथ हवाई-अड्डों को बेहतर बनाया गया। इनके नवीनीकरण पर 13 हवाई-अड्डों पर 3000 करोड़ खर्च किए गए हैं। रेल सुविधाओं के विस्तार के साथ पटरियों का दोहरीकरण एवं विद्युतीकरण किया गया है। इसी का परिणाम रहा कि 13 सितंबर को प्रधानमंत्री ने बैराबी-सैरांग रेल लाइन का उद्घाटन किया। इस 51 किमी लंबी लाइन पर 8070 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं, इसके साथ ही मिजोरम पहली बार नई दिल्ली के साथ रेल नेटवर्क से जुड़ गया। मोदी ने मणिपुर के लोगों को भरोसा दिया है कि रेलवे का विस्तार करके जल्दी ही राजधानी इंफाल को रेल नेटवर्क से जोड़ दिया जाएगा। इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 700 करोड़ की रेल परियोजना का उद्घाटन भी किया। इस दुर्गम भू-क्षेत्र में सैकड़ों किमी लंबी नई सड़कों का निर्माण हो रहा है और बंगाल के बंदरगाहों को नदियों के माध्यम से आंतरिक जलमार्गों से जोड़ा जा रहा है। समूचे इलाके की ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति तय करने के लिए 'इंद्रधनुश गैस ग्रिड' के तहत सभी राज्यों को पाइपलाइन से जोड़ा जा रहा है। यहां के पर्यटन स्थलों की पहचान करके उन्हें देशव्यापी पर्यटन स्थलों में शामिल किया जा रहा है। इन सब विकास कार्यों को गति देने के लिए 2021-22 के बजट में 56 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान कर दिया गया है। मोदी ने पूर्वोत्तर से चुनकर आए सांसदों को मंत्रिमंडल में शामिल करके इस क्षेत्र को महत्व दिया है। देश की आजादी के बाद एक साथ कई चेहरों को भारत सरकार का हिस्सा बनाकर नरेंद्र मोदी की विलक्षण पहल की हुई है। ये लोग भी सांस्कृतिक समरसता विस्तारित करने की दृष्टि से उल्लेखनीय काम कर रहे हैं, इसलिए आज मणिपुर, अगरतला, असम और अरुणाचल नई कार्य संस्कृति के प्रतीक बन गए हैं। इन मंत्रियों के प्रयासों का ही प्रतिफल है कि उत्तर-पूर्व के इन राज्यों में 168 बांध निर्माणाधीन हैं। 2018 में असम के डिब्रूगढ़ को अरुणाचल-प्रदेश के पासीघाट से जोड़ने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी पर देश के सबसे लंबे सड़क और रेलपुल बोगीबील पुल का उद्घाटन मोदी ने किया था। सड़क परिवहन को मजबूत करने के लिए उत्तर-पूर्व सड़क विकास योजना एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अनेक सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। ये सड़क और पुल सेना को सीमा पर जल्द पहुंचने में भी बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं। 2021 में टोक्यो में खेले गए ओलेपिक खेलों में मिजोरम की लालरेम्सियामी और मणिपुर की सुशीला चानू महिला खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीतकर भारत की गरिमा को चार चांद लगाने का काम कर दिया था। मैरीकॉम भी अपना नाम मुक्केबाजी में रोशन कर चुकी हैं। मणिपुर उच्च न्यायालय ने 27 मार्च 2023 को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जाति (एससी) सूची में शामिल करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया था। इसे लेकर 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई के बीच जातीय हिंसा की शुरुआत हुई। इस हिंसा में अब तक 260 लोग मारे गए हैं और कई हजार लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। इसीलिए कुकी-जो के दस विधायकों ने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन देकर कुकी समुदाय के लिए अलग केंद्र शासित प्रदेश की मांग की हुई है। इस ज्ञापन पर सात भाजपा विधायकों के भी हस्ताक्षर हैं। ज्ञापन में कहा है कि कुकी समुदायों को घाटी से बेदखल कर दिया गया है। अतएव दोनों समुदाय एक पड़ोसी की तरह तो शांतिपूर्वक रह सकते हैं, किंतु एक छत के नीचे नहीं रह सकते। यही उपाय यहां स्थाई शांति का हल हो सकता है। हालांकि प्रधानमंत्री ने उनकी बात को गंभीरता से सुना जरूर लेकिन कोई भरोसा नहीं दिया। अलबत्ता यह अवश्य कहा जा सकता है कि सभी पक्षों के पीड़ितों से मिलकर शायद प्रधानमंत्री ने यह समझ लिया हो कि यहां स्थाई शांति कैसे कायम हो सकती है? इसके परिणाम हमें कुछ समय में देखने को मिल सकते हैं। बावजूद स्थाई शांति के लिए म्यांमार से होने वाली रोहिंग्या मुस्लिमों की घुसपैठ पर लगाम लगाने के साथ मादक पदार्थों के तस्करों पर भी जब तक लगाम नहीं लगाई जाएगी, स्थाई शांति लाने में कठिनाई होगी। क्योंकि ये दोनों वर्ग मूल मणिपुरियों में वैमनस्य के बीज बोने का काम करते हैं।

मणिपुर में मैतेई, कुकी और नगा समुदायों की जातीय हिंसा से जुड़ी समस्या अत्यंत जटिल है। इसलिए इसके समाधान के उपाय विकास के साथ, स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने से ही संभव हैं। इस दिशा में मोदी पूर्वोत्तर भारत की अनेक यात्राएं कर चुके हैं। 13 सितंबर 2025 की प्रधानमंत्री की मणिपुर यात्रा, वहां 2023 से चल रही जातीय हिंसा के बाद पहली बार हुई है। इस दौरान उन्होंने चूड़चंदपुर और इंफाल के राहत शिविरों में पहुंचकर सीधे पीड़ितों के दर्द को समझने की कोशिश की। इन शिविरों में विस्थापित पीड़ितों से मुलाकात करते हुए कहा कि 'अब साफ दिख रहा है कि नई सुबह उम्मीद और भरोसे की है। मणिपुर शांति और समृद्धि का प्रतीक बनेगा।

देश दुनिया से

कटुता-क्रिकेट और बेहतर रिश्तों की उम्मीद

भारत -पाकिस्तान के रिश्तों के बारे में कुछ भी कहने से पहले यह कहना चाहता हूं कि एशिया कप के लिए दुबई में हुआ इन दोनों देशों का मुकाबला मैंने देखा था और यह देखकर बहुत खुश हुआ था कि भारत यह मैच बड़ी शान से जीत गया। सच कहूं तो यह मैच मैंने क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले के लिए नहीं, भारत को जीतने के लिए खेलते हुए देखने के लिए देखा था। जिस भी भारतीय ने इस मैच को देखा होगा, निश्चित रूप से वह भारत को जीतते हुए देखना चाहता होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि खेल खेल के लिए भी देखा जाता है, शायद देखा भी इसीलिए जाना चाहिए। लेकिन जब मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच हो तो बात खेल तक ही सीमित नहीं रहती, यह भी सच है। दोनों देशों के रिश्तों को देखते हुए यह सही भी है। लेकिन ग़लत यह भी नहीं है कि ऐसे खेलों का एक उद्देश्य रिश्ते सुधारना भी होता है। दुबई का यह मैच जिन स्थितियों में खेला गया, उनमें यह उम्मीद करना कि इससे रिश्ते सुधर जायेंगे, सही नहीं लगता। हमने यह भी देखा कि खेल के लिए सिक्का उछालते वक्त दोनों कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाये थे और खेल समाप्त होने के बाद भी खिलाड़ियों के लिए हाथ मिलाने की परंपरा को भी नहीं निभाया गया। पाकिस्तान के कप्तान ने तो आगे बढ़कर हाथ मिलाना चाहा था, पर हमारे कप्तान और हमारी सारी टीम ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। और यह सही भी था। पहलगाम में पाकिस्तान की शह पर, और पाकिस्तान के समर्थन से आतंकवादियों ने मनुष्यता को कलंकित करने वाला जो घिनौना कार्य किया था, उसके बाद भारत के खिलाड़ियों द्वारा ऐसा कुछ न किया जाना हैरान करने वाली बात होती। हमारी टीम के कप्तान ने इस विजय को 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम देने वाले हमारे जांबाज सैनिकों और पहलगाम में शहीद हुए भारतीय पर्यटकों के परिवारों को समर्पित किया है। यह सब यही बताता है कि हाथ न मिलाने वाली यह घटना अनायास नहीं हुई थी, निश्चित रूप से पहले इस बारे में निर्णय ले लिया गया होगा। देश में कुछ लोगों को, या कइयों को, इस निर्णय से शिकायत है। उन्हें लग रहा है कि पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश के साथ हमें क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। उनका कहना है कि 'खून और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते'। बात ग़लत भी नहीं लगती। पाकिस्तान ने जो कुछ किया है, और जो कुछ कर रहा है, वह भुलाने या क्षमा करने लायक नहीं है। इसकी सज़ा उसे मिलनी ही चाहिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' इसी सज़ा का एक हिस्सा है। यह भी सही है कि हमारी यह कार्रवाई अभी समाप्त नहीं हुई। हमने अभी इस 'ऑपरेशन' को 'स्थगित' ही किया है। पता नहीं, इस स्थगन का क्या मतलब है और कार्रवाई का अगला कदम कब उठाया जायेगा। यह हमारी सरकार को तय करना है। लेकिन कुछ ऐसा भी है जो हमें यानी देश के नागरिकों को तय करना है। पाकिस्तान ने पहलगाम में जो कुछ किया, उससे उपजा गुस्सा आसानी से, और जल्दी से, शांत नहीं हो सकता। देश में गुस्सा है, होना भी चाहिए। पाकिस्तान दोनों देशों के रिश्तों के बारे में जो कुछ कर रहा है, उसे विवेकहीनता के संदर्भ में ही समझा जाना चाहिए। हमने सारी दुनिया को यह बात बताई है, और अधिकांश देशों ने हमारे दृष्टिकोण को समझा- स्वीकारा है। पाकिस्तान कब समझेगा, यह कहना मुश्किल है, लेकिन एक विवेकशील देश होने के नाते हमारी यह कोशिश होनी चाहिए कि हम अपने इस पड़ोसी देश को समझाएं कि वह जो कर रहा है वह हर दृष्टि से ग़लत है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था 'हम अपना पड़ोसी नहीं बदल सकते'। इस बात को समझने की आवश्यकता है—और पाकिस्तान को समझाने की भी। वाजपेयी जी ने यह कोशिश की थी। बशीर बद्र का एक शे'र भी सुनाया था उन्होंने पाकिस्तानियों को—'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जाएं तो शर्मिंदा न हों।' यह शर्मिंदगी पाकिस्तान को समझनी चाहिए। बहरहाल, मुल्कों की दुश्मनी को अनंतकाल के लिए लटकाये नहीं रखा जा सकता। आखिर हम चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा ही रहे हैं। तरेसठ साल पहले, 1962 में, चीन ने हमारी पीठ में छुरा घोंपा था। उसके बाद हमारी ज़मीन के बड़े हिस्से पर उसने कब्जा कर रखा है। अभी हाल तक वह भारत-विरोधी गतिविधियां करता रहा है। इस सबके बावजूद हम चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा ही रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में दोस्त और दुश्मन स्थाई नहीं हुआ करते, देशों को समय और स्थितियों के अनुसार अपनी नीतियां बदलनी पड़ती हैं। हां, इस बारे में सावधानी बरतना एक महत्वपूर्ण शर्त है। गले मिलना कतई ज़रूरी नहीं है। 'जरा फासले से मिला करो' वाली नसीहत याद रखनी चाहिए। पर फासला इतना भी न हो जाये कि उसे पाटा न जा सके अथवा पाटने की कोशिश ही न हो। दुहराया जाना चाहिए कि पाकिस्तान जो कुछ कर रहा है, उसका समर्थन किसी भी दृष्टि से नहीं किया जा सकता। क्रिकेट मैच में जीत के बाद हमारी टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ न मिलाकर स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत से रिश्तों के संदर्भ में उसे अपनी दृष्टि और नीतियां दोनों, बदलनी होंगी। उसे यह भी समझना होगा कि पड़ोसी सबसे नज़दीकी रिश्तेदार होता है। यह बात सबको याद रखनी चाहिए।

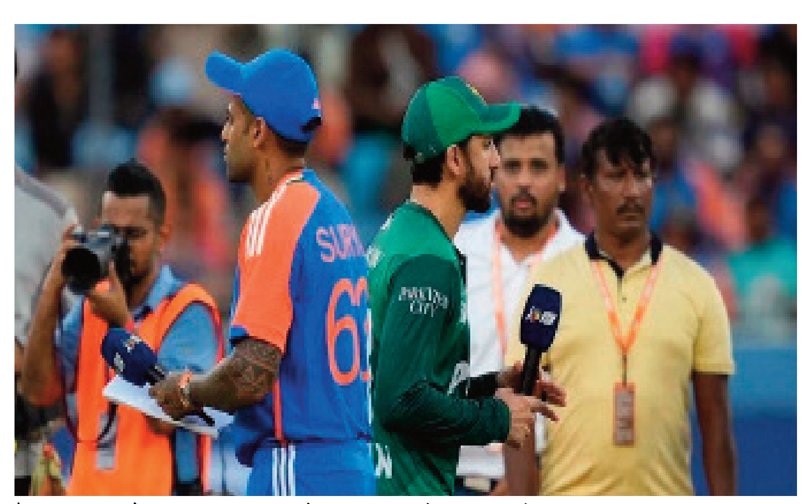

आप का नजरिया

प्रदूषण के पटाखे

भारत जैसा देश, जो दुनिया भर के प्रदूषित देशों में पांचवें नंबर पर हो, जहां दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर हो और तेरह अन्य शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हों, वहां हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। लेकिन विडंबना यह कि इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा केवल दिल्ली के प्रदूषण और पटाखों पर अंकुश लगाने को लेकर होती है। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। वैसे तो राष्ट्रीय राजधानी में वायु दूषित होने के तमाम कारक हैं,लेकिन पटाखों से होने वाले प्रदूषण की चर्चा गाहे-बगाहे होती है। खासकर कुछ प्रमुख त्योहारों के मौके व निजी समारोहों में जलाये जाने वाले पटाखों को लेकर लगातार सवाल उठाये जाते हैं। इसकी वजह यह है कि यह प्रदूषण का ऐसा कारण है जिससे बचा जा सकता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि दिवाली आदि के मौके पर हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट देखी जाती है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है। कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है। लेकिन हम इसके बावजूद निजी सुख के लिये दूसरों के जीवन से खिलवाड़ से परहेज नहीं करते। सही मायनों में असली खुशी वही होती है जिससे हमारा समाज सुखी, स्वस्थ और खुश रह सके। अब चाहे हमारे त्योहार हों या निजी उत्सव, वे समाज के लिये अहितकारी नहीं होने चाहिए। देर-सवेर इस संकट की कीमत हर नागरिक को चुकानी पड़ती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। यही वजह है कि अदालत को कहना पड़ा कि साफ हवा देश के हर नागरिक का अधिकार है। ऐसे में हमें दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की चिंता के साथ ही शेष देश की भी चिंता गंभीरता से करनी चाहिए। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि दिल्ली में पटाखों पर नियंत्रण का जो भी फार्मूला बने, उसे सारे देश में भी लागू करना चाहिए। यह संकट सारे देश का है। एक नागरिक के तौर पर हमारा जिम्मेदार व संवेदनशील व्यवहार ही हमें इस संकट से उबार सकता है। विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है।

दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। वैसे तो राष्ट्रीय राजधानी में वायु दूषित होने के तमाम कारक हैं,लेकिन पटाखों से होने वाले प्रदूषण की चर्चा गाहे-बगाहे होती है। खासकर कुछ प्रमुख त्योहारों के मौके व निजी समारोहों में जलाये जाने वाले पटाखों को लेकर लगातार सवाल उठाये जाते हैं। इसकी वजह यह है कि यह प्रदूषण का ऐसा कारण है जिससे बचा जा सकता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि दिवाली आदि के मौके पर हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट देखी जाती है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है। कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है।

दृष्टि कोण

आर्थिक विकास और आत्मनिर्भरता की नई राह

हाल ही में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में देश में 22 सितंबर से लागू होने वाले वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) के नए ढांचे और नई दरों का ऐलान किया गया है। निःसंदेह जीएसटी में कटौती आम आदमी के लिए राहत और देश की आर्थिक रफ्तार की दिशा में परिवर्तनकारी सुधार है। जीएसटी के बाद अब विकसित भारत के लक्ष्य के लिए ऊंची विकास दर के मद्देनजर अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए आगे बढ़ना जरूरी है। जिनमें जीवन में आसानी, कारोबारी सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार, सशक्त प्रशासन और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के सुधार शामिल हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगली पीढ़ी के सुधारों की कार्ययोजना की समीक्षा के बाद एक टास्क फोर्स बनाने की घोषणा की है। वहीं 14 सितंबर को वित्त मंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी के सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। बता दें कि जीएसटी परिषद द्वारा साल 2017 से देशभर में लागू जीएसटी में सरलता व नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप के तहत मौजूदा स्लैब घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी गई है। निश्चित रूप से जीएसटी सुधारों से घरेलू खपत के साथ स्वदेशी के रास्ते आत्म निर्भरता बढ़ेगी। ये सुधार देश की विकास यात्रा में संरचनात्मक बदलाव का संकेत हैं। परिवारों और एमएसएमई पर कर भार घटने से उनकी क्रय शक्ति व उपभोग मांग बढ़ेगी, जिससे जीडीपी पर खासा प्रभाव पड़ेगा। जीएसटी दरों में किए सुधारों का असर त्योहारों की खरीदारी पर दिखाई देने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। हाल ही में लोकल सर्किल्स प्लेटफॉर्म के देश के 319 शहरों में 44 हजार लोगों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर तैयार रिपोर्ट के मुताबिक, लोग ऑनलाइन खरीदारी को तरजीह देंगे और इसमें 115 प्रतिशत का रिकॉर्ड उछाल आ सकता है। इस साल 37 प्रतिशत लोग त्योहारों में 20 हजार रुपये से ज्यादा खर्च कर सकते हैं। पिछले साल ये आंकड़ा 26 प्रतिशत ही था। जीएसटी सुधारों से बने माहौल की वजह से इस साल लोग खरीदारी पर 2.19 लाख करोड़ रुपये खर्च सकते हैं। पिछले त्योहारी सीजन के 1.85 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 18 प्रतिशत अधिक खरीदारी का अनुमान है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के आंकड़ों के अनुसार, देश के बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ेगी और घरेलू खपत चरम पर होगी। वर्ष 2023 में धनतेरस और दिवाली पर भारतीयों ने 3.75 लाख करोड़ रुपये और 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। इस बार जीएसटी कटौती से त्योहारी सीजन के तहत नवरात्रि, दशहरा, धनतेरस और दिवाली पर कुल खर्च 5.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी नई मांग बढ़ने के साथ ही जीएसटी सुधार से देश में तेजी से आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र आगे बढ़ेंगे। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार मजबूत होंगे। जीएसटी सुधार के तहत कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना होगा। पेट्रोल, डीजल को भी जीएसटी व्यवस्था में शामिल करने की तैयारी करनी होगी। जब पेट्रोल-डीज़ल जीएसटी प्रणाली में ले लिये जाएंगे, तो इनके उपभोक्ताओं को तो लाभ होगा ही, साथ ही इनका उपयोग करने वाली प्रत्येक कंपनी को भी फायदा होगा। वे इन उत्पादों पर दिए गए कर को अपने अंतिम कर भुगतान के विरुद्ध समायोजित कर लाभ ले सकेंगी। अब जीएसटी कर मूल्यांकन प्रणाली को व्यवस्थित करना भी आवश्यक है। जिस प्रकार इनकम टैक्स मूल्यांकन प्रणाली ऑनलाइन हो चुकी है और इसमें आम तौर पर मानव हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती, वैसा ही अब जीएसटी प्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन और फेसलेस बनाने के लिए आगे बढ़ा जाना होगा।

फिलिस्तीन को मान्यता देने में आना-कानी कर रहा जापान, फिर लिया यू-टर्न

टोक्यो,17 सितंबर (एजेंसियां)।

फिलिस्तीन को राष्ट्र की मान्यता देने के मामले में जापान का रुख स्पष्ट नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, जापान अमेरिका के साथ संबंधों को देखते हुए फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि जापान फिलहाल फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देगा।

ऐसा संभवत: अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखने और इजरायल के सख्त रवैये से बचने के लिए किया जा रहा है। शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में, जापान उन 142 देशों में शामिल था जिन्होंने द्वि-राज्य समाधान की दिशा में ठोस, समयबद्ध और अपरिवर्तनीय कदमों की रूपरेखा वाले एक घोषणापत्र के पक्ष में मतदान किया था। अब हफ्ते भर के अंदर जापान का रुख बदलता नजर आ रहा है। हालांकि, सात देशों के समूह में, जर्मन और इतालवी अधिकारियों ने फिलिस्तीन को तत्काल मान्यता देने को प्रतिकूल बताया था।

ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कई सरकारों ने कहा है कि वे इस महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ़िलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देंगे, जिससे इस क्षेत्र में इजरायल की गतिविधियों को लेकर उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ गया है।

भारत पहले ही फिलिस्तीन को यह दर्जा दे चुका है और यूएन में मौजूदा प्रस्ताव का समर्थन किया है। रिपोर्ट में ये भी कहा है कि जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान इज़रायल और फ़िलिस्तीनियों के बीच द्वि-राज्य समाधान (टू स्टेट सॉल्युशन) पर होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे।

पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिका ने कई राजनयिक माध्यमों से जापान को फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने के लिए मान मनौव्वल किया था, जबकि फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने अपने जापानी समकक्ष से इसे मान्यता देने का पुरजोर आग्रह किया था। हालांकि, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि जापान फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के मुद्दे पर, उचित समय और तौर-तरीकों सहित, एक व्यापक मूल्यांकन कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर दी जन्मदिन की बधाई

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर फोन कर बधाई दी। साथ ही रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने में सहयोग के लिए आभार जताया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी शानदार काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप ने लिखा, अभी-अभी मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक शानदार फोन कॉल हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं! वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नरेन्द्र रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद! राष्ट्रपति डीजेटी। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ घंटे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन कॉल के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वह भी अमेरिकी नेता की तरह भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप को मेरा मित्र संबोधित किया। मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उनकी पहल का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, मेरे मित्र राष्ट्रपति ट्रंप मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

व्हाट्सएप यूजरों की मौज.......नया यूनिफाइड कॉलिंग सिस्टम देगा बेहतर अनुभव

सैन फ्रांसिस्को। व्हाट्सएप लगातार अपने प्लेटफॉर्म को सुविधाजनक बनाने और यूजर्स को नए अनुभव देने पर काम कर रहा है। इसी कड़ी में कंपनी ने एक और नया फीचर रोलआउट किया है, इस फीचर को यूनिफाइड कॉलिंग सिस्टम कहा जा रहा है। इस फीचर की शुरुआत इस महीने की शुरुआत में आईओएस यूजर्स के लिए की गई थी और अब इस फीचर को बड़े पैमाने पर ज्यादा यूजर्स तक पहुंचाया जा रहा है। एप स्टोर पर मौजूद व्हाट्सएप के ऑफिशियल चेंजलॉग में इस नए फीचर का जिक्र है। नए फीचर के तहत यूजर्स को अलग-अलग वॉइस और वीडियो कॉल बटन की जगह एक सिंगल कॉल बटन मिलेगा। यह बदलाव कॉलिंग अनुभव को बेहतर बनने के लिए किया गया है। इसके साथ ही कॉल्स टैब से ही कॉल शेड्यूल करने और अपकमिंग कॉल्स देखने का विकल्प भी मिलेगा। इसका मतलब है कि अब यूजर किसी भी शेड्यूल्ड कॉल को तुरंत एक्सेस कर कॉल डिटेल्स भी आसानी से देख पाएंगे। टेक वेबसाइट ने नए फीचर का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है, इसमें साफ दिखता है कि कॉल शेड्यूलिंग और कॉल मैनेजमेंट पहले से कहीं ज्यादा आसान हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, जब कोई यूजर कॉल शेड्यूल करना चाहेगा, तब उस इन्विटेशन भेजने के लिए ग्रुप और कॉन्टैक्ट का विकल्प मिलेगा।

कम उम्र में जवान दिखने की चाह में कोरियन ब्यूटी ट्रेंड्स अपना रही बच्चियां

सोल। आजकल जल्दी जवान और ग्लोइंग दिखने की चाह में 10 से 15 साल की उम्र की लड़कियां कोरियन

ब्यूटी ट्रेंड्स अपना रही हैं। कई जेनझू लड़कियां रात को 10-स्टेप स्किनकेयर रूटीन फॉलो कर रही हैं, जिसमें क्लेंज़र, टोनर, सीरम, एसेंस, फेस ऑयल और मॉइश्चराइजर जैसे कई प्रोडक्ट्स शामिल हैं। सोशल मीडिया, के-पॉप स्टार्स और कोरियन ड्रामे में दिखने वाली ग्लास स्किन यानी पोर्स-लेस, चमकदार और फ्लॉलेस स्किन ने नाबालिग लड़कियों को स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का दीवाना बना दिया है। सोशल मीडिया पर स्किनकेयर वीडियो देखकर बच्चे नई-नई चीजें ट्राय कर रहे हैं और ऑनलाइन महंगे प्रोडक्ट्स मंगवा रहे हैं। कई बार वे दोस्तों से प्रेरित होकर खुद ही महंगे सीरम और क्रीम खरीदने लगते हैं। माता-पिता इस पर काफी चिंतित हैं। दिल्ली की एक मां ने बताया कि उनकी 12 साल की बेटी रोजाना स्किनकेयर रूटीन करती है और महंगे प्रोडक्ट्स की डिमांड करती है। शुरुआत में यह केवल शौक था, लेकिन अब यह उसकी आदत बन गई है। माता-पिता को डर है कि इतनी कम उम्र में केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि 10 से 15 साल की उम्र में बच्चों की स्किन नैचुरली हेल्दी और ग्लोइंग होती है।

इजराइली सुरक्षा बल गाजा शहर में बरपा रहे कहर, हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी, तीन लाख लोगों ने घर छोड़ा

गाजा पट्टी,17 सितंबर (एजेंसियां)।

इज़राइली सेना ने गाजा शहर में जमीनी हमला और तेज कर दिया। इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) की दो डिवीजन ने शहर में कहर बरपा दिया है। हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी की जा रही है। इस अभियान में एक-दो दिन में तीसरी डिवीजन के भी साथ आने की उम्मीद है। इस दौरान 3,00,000 (तीन लाख) लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 (सात लाख) नागरिक हैं।

अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल-गाजा सीमा से मंगलवार को ली गई तस्वीरों में गाजा शहर के ऊपर धुएं का गुबार दिखा ।इस बीच इजराइल के विदेशमंत्री गिदोन सा%आर ने मंगलवार को एक पत्र में यूरोपीय संघ के साथ इजराइल के समझौते में व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करने के यूरोपीय आयोग के प्रस्ताव को अनुपातहीन बताया।

यूरोपीय संघ के आयुक्तों के समूह ने बुधवार को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के इस प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए एक बैठक आहूत की है। लेयेन ने व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करके इजराइल पर राजनीतिक दबाव डालने का प्रस्ताव किया है। कहा, यह अभूतपूर्व प्रस्ताव, जिसे पहले कभी किसी अन्य देश के खिलाफ लागू नहीं किया गया, इजराइल को नुकसान पहुंचाने का स्पष्ट प्रयास है, जबकि हम अभी भी सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के बाद थोपे गए युद्ध से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल संप्रभु राष्ट्र है और जब तक इजराइल की सुरक्षा दांव पर है, हम धमकियों के आगे नहीं झुकेंगे। इस प्रस्ताव पर अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस तरह की पहल हमास को मजबूत करती है।

आईडीएफ ने कहा कि लगभग 3,00,000 लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 नागरिक हैं । उधर, बंधक और लापता परिवार फोरम मुख्यालय ने मंगलवार को विज्ञप्ति में कहा कि बंधक परिवार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के यरुशलम स्थित आवास के बाहर डेरा डालेंगे। इस दौरान प्रदर्शन किया जाएगा। इन परिवारों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उनके समर्थन के लिए आभार जताते हुए नेतन्याहू से समझौता कराने और युद्ध समाप्त करवाने का आग्रह किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है, हमारे प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंधकों को बचाने और इस युद्ध को समाप्त करने की हमारी पुकार नहीं सुन रहे हैं लेकिन वह आपकी बात सुनेंगे! उन्हें एक ऐसे समझौते के लिए बातचीत की मेज पर लाएं जिससे सभी वापस आ सकें!

आईडीएफ प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने मंगलवार को एक ब्रीफिंग के दौरान में कहा, हमारा अनुमान है कि गाजा शहर पर नियंत्रण पाने में कुछ महीने लगेंगे और शहर को बुनियादी ढांचे से मुक्त करने में कुछ और महीने या उससे भी अधिक समय लगेका। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को सुरक्षा बलों ने गाजा शहर में जमीनी हमला तेज कर दिया। डेफ्रिन ने कहा, वायु, थल और खुफिया बल गाजा शहर में संयुक्त रूप से हमास के सैन्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ को यकीन है कि मंगलवार सुबह तक 370,000 से अधिक फिलिस्तीनी गाजा शहर से पलायन कर चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, पिछले एक महीने में लगभग 220,000 फिलिस्तीनी उत्तरी गाजा से पलायन कर चुके हैं। गाजा शहर के अस्पतालों के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार आधी रात से सुबह 10:30 बजे के बीच गाजा शहर में आईडीएफ के हमलों में 39 लोग मारे गए। सबसे ज्यादा मौतें शिफा अस्पताल में हुईं। चिकित्सकों ने 23 लोगों को मृत घोषित कर दिया।

शिफा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सलमिया ने कहा, गाजा में बहुत ही कठिन रात रही। बमबारी एक पल के लिए भी नहीं रुकी। मलबे के नीचे अभी भी शव पड़े हैं। उन्हें नवंबर में आईडीएफ सैनिकों ने इस संदेह में गिरफ्तार किया था कि उन्होंने हमास को गाजा सिटी अस्पताल को अपने अभियान केंद्र के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। लेकिन बाद में सुरक्षा सेवाओं ने जेल में जगह की कमी के कारण उन्हें रिहा कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शक्तिशाली बम विस्फोट की आवाज तेल अवीव (गाज़ा शहर से 70 किलोमीटर या 44 मील दूर) और मध्य इजराइल के अन्य इलाकों में भी सुनी गई। रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सैनिक बंधकों की रिहाई और हमास की हार के लिए परिस्थितियां बनाने के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाजा शहर जल रहा है। आईडीएफ आतंकी ढांचे पर कड़ा प्रहार कर रहा है। जब तक मिशन पूरा नहीं हो जाता, हम न तो झुकेंगे और न ही पीछे हटेंगे। कैट्ज ने चेतावनी दी कि अगर हमास बंधकों को रिहा नहीं करता है तो गाजा पट्टी को नष्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, गाज़ा पट्टी में हमास के नए सैन्य नेता इज़्ज़ अल-दीन हद्दाद अगर मांगें नहीं मानते तो उन्हें भी हत्यारे याह्या सिनवार और मोहम्मद सिनवार की तरह मार दिया जाएगा। बताया गया है कि इस अभियान के दौरान आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर मंगलवार सुबह गाजा शहर पहुंचे।

कनाडा की मुश्किलें बढ़ा रहे खालिस्तानियों ने दी भारतीय कॉन्सुलेट पर कब्जे की धमकी

ओटावा,17 सितंबर (एजेंसियां)।

कनाडा के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे खालिस्तानी आए भारत विरोधी गतिविधियां चलाने की कोशिश करते हैं। खबर है कि एसएफजे यानी सिख्स फॉर जस्टिस ने वेंकूवर में भारतीय कॉन्सुलेट पर कब्जे की धमकी दे दी है। इतना ही नहीं भारतीयों को भी उस क्षेत्र में नहीं जाने की चेतावनी दी है। हालांकि, इसे लेकर भारत या कनाडा सरकार की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।रिपोर्ट्स के अनुसार, समूह ने गुरुवार को कॉन्सुलेट आने की योजना बना रहे लोगों से अलग तारीख चुनने के लिए कहा है। एसएफजे की तरफ से एक पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें कनाडा में नए भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक की तस्वीर है। उनके चेहरे पर निशाना बनाए जाने के संकेत दिए गए हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि भारतीय कॉन्सुलेट के जरिए जासूसी नेटवर्क चलाया जा रहा है।

बता दें कि ओटावा की खुफिया एजेंसी की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 1980 के दशक के मध्य से कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथ का खतरा खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत के पंजाब में खालिस्तान नामक एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल करने की कोशिश के माध्यम से उत्पन्न हुआ था। बीते सप्ताह जारी एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी समूहों को कनाडा के भीतर से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है। 2025 असेस्मेंट ऑफ मनी लॉन्डरिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा 'शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कनाडा के अंदर से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले खालिस्तानी चरमपंथी समूहों की पहचान बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन के रूप में की गई। समूह के आरोप हैं कि कॉन्सुलेट के जरिए खालिस्तानियों को निशाना बनाकर निगरानी की जा रही है। एनडीटीवी के अनुसार, बयान में कहा गया है, दो साल पहले 18 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में कहा था कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारतीय एजेंट्स की भूमिका की जांच चल रही है। आगे कहा गया, दो साल हो गए हैं और भारतीय कॉन्सुलेट की तरफ से खालिस्तानी रेफरेंडम के प्रचारकों को निशाना बनाकर जासूसी नेटवर्क चलाना जारी है।

नेपाल हिंसा के दुष्परिणाम: टूरिज्म सेक्टर को लगा बड़ा झटका

काठमांडू। नेपाल में जेन-जेड की भड़की आग ने नेपाल में बहुत कुछ जलाकर राख कर दिया। यहां तक की सरकार भी नहीं बची और तख्ता पलट हो गया। अब इस हिंसा के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। यहां के टूरिज्म सेक्टर को भारी नुकसान हुआ है और अनगिनत लोगों के रोजगार छिन गए। दरअसल, नेपाल में विरोध प्रदर्शन ठीक उसी समय शुरू हुए, जब देश में टूरिज्म अपने पीक पर जाने वाला था। इससे उन व्यवसायों को झटका लगा है, जो दुनिया भर से ट्रेकर्स का स्वागत करने की तैयारी कर रहे थे। नेपाल में सरकार विरोधी आंदोलन की वजह से पर्यटकों की संख्या में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। काठमांडू के चहल-पहल वाले पर्यटन केंद्र थमेल जैसी जगहों की सुव्यवस्थित गलियों में स्थित दुकानें, पब और रेस्टोरेंट, हिंसक भ्रष्टाचार विरोधी विरोध प्रदर्शन के बाद फिर से खुलने के बाद भी लगभग वीरान रहे। ओली सरकार के खिलाफ इस विरोध प्रदर्शन में 72 लोग मारे गए थे। 2,000 से अधिक लोग घायल हुए थे। हालांकि, जेन-जी क्रांति की वजह से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था। नेपाल के पर्यटन प्राधिकरण, होटल मालिकों और ट्रेक आयोजकों ने कहा कि पिछले साल की तुलना में पर्यटकों की संख्या में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। नेपाल में उथल-पुथल के के कारण बुकिंग रद्द हो रही हैं।

नाइजीरियाई सेना ने बोर्नो और आदामावा में 11 आईएसडब्ल्यूएपी आतंकियों को ढेर किया

माइडुगुरी (नाइजीरिया),17 सितंबर (एजेंसियां)।

नाइजीरियाई सेना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों बोर्नो और आदामावा में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविन्स के कम से कम 11 आतंकियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

संयुक्त कार्यबल के बयान के अनुसार, पहली मुठभेड़ 15 सितंबर को बोर्नो राज्य के बगा-क्रॉस कौवा रोड पर गारिन गीवा इलाके में हुई। गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकियों ने पहले आईईडी विस्फोट किया और फिर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सैनिकों ने आठ आतंकियों को ढेर किया, जिनमें दो वरिष्ठ कमांडर भी शामिल थे। मौके से 14 मोटरसाइकिल, असॉल्ट राइफलें, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद हुई।

दूसरी कार्रवाई आदमावा राज्य के मडागली जिले के उम्बो गांव में स्थानीय सतर्क बलों और शिकारी दस्तों की मदद से की गई। इसमें तीन आतंकी मारे गए और उनके पास से हथियार व संचार उपकरण बरामद हुए।

सेना ने बताया कि इन अभियानों में किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि ये कार्रवाई आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने और हिंसा प्रभावित समुदायों में शांति बहाल करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है।

गौरतलब है कि नाइजीरिया पिछले एक दशक से बोको हराम और उसके अलग हुए गुट से जूझ रहा है। इस संघर्ष में अब तक दसियों हज़ार लोग मारे जा चुके हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

कैलिफोर्निया विधानमंडल की दिवाली पर सरकारी छुट्टी को हां, विधेयक पारित

सैक्रामेंटो (कैलिफोर्निया),17 सितंबर (एजेंसियां)।

कैलिफोर्निया विधानमंडल ने पिछले हफ्ते दिवाली पर सरकारी छुट्टी घोषित करने वाले विधेयक-268 को पारित कर दिया। गर्वनर के इस पर हस्ताक्षर होते ही दिवाली को राज्य की आधिकारिक अवकाश सूची में शामिल कर लिया जाएगा। इस तरह पेंसिल्वेनिया और कनेक्टिकट के बाद कैलिफोर्निया दिवाली पर आधिकारिक अवकाश घोषित करने वाला तीसरा राज्य बन सकता है।

लॉस एंजिल्स टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, यह विधेयक सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों को दिवाली पर बंद रखने का अधिकार देगा। राज्य के कर्मचारियों को दिवाली के दिन छुट्टी लेने का विकल्प दिया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत कुछ सामुदायिक कॉलेजों और पब्लिक स्कूलों के कर्मचारियों को वेतन सहित छुट्टी दी जाएगी। कैलिफोर्निया में अभी 11 राजकीय अवकाश हैं। इनमें मार्टिन लूथर किंग जूनियर दिवस, सीज़र शावेज दिवस, श्रम दिवस और पूर्व सैनिक दिवस शामिल हैं।

इस विधेयक को कानूनी रूप देने के लिए गवर्नर गेविन न्यूसम को 12 अक्टूबर से पहले हस्ताक्षर करने होंगे। विधेयक पेश करने वाले विधानसभा सदस्य ऐश कालरा (डेमोक्रेट-सैन जोस) ने कहा, दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश घोषित करने से न केवल इस त्यौहार के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को मान्यता मिलेगी, बल्कि इससे प्रवासी भारतीयों और अन्य देशों के लोगों को दुनिया के सबसे पुराने धार्मिक त्योहारों में से एक में भाग लेने का बेहतर अवसर मिलेगा।

स्मिथसोनियन नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट के अनुसार, दिवाली पांच दिन तक मनाई जाती है। यह त्यौहार पारंपरिक रूप से अक्टूबर या नवंबर में भारत में मनाया जाता। विदेश में रहने वाले भारतीय भी दिवाली को जोर-शोर से मनाते हैं।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के अनुसार, लोग घरों, व्यवसाय स्थलों, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दीयों को प्रवलित कर मां लक्ष्मी को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित करते हैं। दीपोत्सव में परिवार, दोस्तों और समुदाय के अन्य लोगों से मिलना और उपहारों या मिठाइयों का आदान-प्रदान भी होता है। इस साल दिवाली उत्सव 20 अक्टूबर से शुरू होगा। कैलिफोर्निया में देश की सबसे बड़ी दक्षिण एशियाई आबादी है। लॉस एंजिल्स किसी भी महानगरीय क्षेत्र की चौथी सबसे बड़ी आबादी वाला शहर है। पेंसिल्वेनिया 2024 में दिवाली पर आधिकारिक अवकाश घोषित करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बना था। इस वर्ष कनेक्टिकट दीपावली को अपनी आधिकारिक अवकाश सूची में शामिल करने वाला दूसरा राज्य बन चुका है। न्यू जर्सी के शिक्षा विभाग ने छात्रों को दिवाली के दिन अवकाश की छूट दी है। न्यूयॉर्क शहर में दिवाली के दिन सरकारी स्कूल बंद रहते हैं। यह व्यवस्था 2023 में लागू की गई है।

कैलिफोर्निया में रहने वाले भारतीय लंबे समय से दिवाली पर छुट्टी की मांग करते रहे हैं। इस विधेयक के पारित होने से लोग खुश हैं। एक हिन्दू नेता ने यह खुशखबरी साझा करते हुए कहा कि कैलिफोर्निया में दिवाली जल्द ही आधिकारिक अवकाश बन सकती है। अब गवर्नर की स्वीकृति का इंतजार है। उम्मीद है कि जल्द ही हमें यह खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती बने नंबर-1 गेंदबाज

नई दिल्ली,17 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज़ी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। एशिया कप (यूएई) में किफायती गेंदबाज़ी करते हुए उन्होंने यह उपलब्धि अपने नाम की।

34 वर्षीय चक्रवर्ती यह मुकाम पाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई नंबर-1 की कुर्सी पर बैठ चुके हैं। चक्रवर्ती ने यूएई के खिलाफ दो ओवर में केवल चार रन देकर एक विकेट और पाकिस्तान के खिलाफ चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट झटका। इसके दम पर वे तीन स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष पर पहुंचे। उन्होंने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पीछे छोड़ा, जो मार्च से नंबर-1 पर थे।

एशिया कप में अन्य गेंदबाज़ों ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। श्रीलंका के नुवान तुषारा छह स्थान चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए। पाकिस्तान के सुफियान मुक़ीम चार स्थान की बढ़त के साथ 11वें, अबरार अहमद 11 स्थान की छलांग के साथ 16वें और भारत के अक्षर पटेल 12वें व कुलदीप यादव 23वें नंबर पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के नूर अहमद आठ स्थान की बढ़त के साथ 25वें स्थान पर हैं।

तेज़ गेंदबाज़ों में जसप्रीत बुमराह (चार स्थान ऊपर, 40वें), बांग्लादेश के तंज़ीम हसन (पांच स्थान ऊपर, 42वें), इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर (तीन स्थान ऊपर, 13वें) और दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसन (पांच स्थान ऊपर, 38वें) ने भी प्रगति की है।

बल्लेबाज़ी रैंकिंग

भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा ने टी20 बल्लेबाज़ी रैंकिंग में अपना नंबर-1 स्थान और मजबूत कर लिया है। उन्होंने यूएई के खिलाफ 16 गेंदों पर 30 और पाकिस्तान के खिलाफ 13 गेंदों पर 31 रन बनाए। इसके दम पर उन्होंने 55 रेटिंग अंक जुटाए और 884 अंकों तक पहुंच गए।

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज़ फिल सॉल्ट और जोस बटलर एक-एक स्थान ऊपर उठकर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर आ गए हैं। सॉल्ट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 60 गेंदों पर नाबाद 141 रन ठोके, जो इंग्लैंड के लिए सबसे तेज़ टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक रहा। वहीं बटलर ने 30 गेंदों पर 83 रन बनाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 794 रेटिंग हासिल की और पहली बार टॉप-3 में जगह बनाई। अन्य बल्लेबाज़ों में श्रीलंका के पथुम निसंका (छठे), दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस (11वें), अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज़ (19वें), यूएई के मोहम्मद वसीम (20वें), दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम (30वें), भारत के शुभमन गिल (39वें) और पाकिस्तान के साहिबज़ादा फर्हान (55वें) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है।

न्यूज ब्रीफ

चाइना मास्टर्स 2025: सात्विक-चिराग की जोड़ी अंतिम-16 में, लक्ष्य सेन बाहर

नई दिल्ली। शेनझेन में खेले जा रहे चाइना मास्टर्स (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750) टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। बुधवार को खेले गए मुकाबले में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को सीधे गेमों में 24-22, 21-13 से मात दी। यह मैच 42 मिनट तक चला। इससे पहले दोनों जोड़ियों की भिड़ंत पिछले हफ्ते हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी, जहां भारतीय जोड़ी ने तीन गेमों में जीत दर्ज की थी। अब अगले दौर में सात्विक-चिराग का सामना चीनी ताइपे के चिउ शियांग चिएह और वांग ची-लिन की जोड़ी से होगा। वहीं, पुरुष एकल में भारत के लक्ष्य सेन का सफर पहले ही दौर में खत्म हो गया। हांगकांग ओपन के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य को फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव ने 21-11, 21-10 से केवल आधे घंटे में हराया। भारत की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ सकी। उन्हें चीन की फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग की जोड़ी ने 21-19, 21-13 से शिकस्त दी। दिन में बाद में भारत की महिला युगल जोड़ी रुतापर्णा और स्वेतापर्णा पांडा का मुकाबला मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन टिंग से होगा ।

मेजर लीग सॉकर: इंटर मियामी ने सिएटल साउंडर्स को 3-1 से हराया

फोर्ट लौडरडेल। लियोनेल मेसी ने एक गोल और एक असिस्ट करते हुए इंटर मियामी को मंगलवार

रात सिएटल साउंडर्स पर 3-1 की जीत दिलाई। यह मुकाबला लीग्स कप फाइनल में साउंडर्स से हार के दो हफ्ते बाद खेला गया। लीग्स कप फाइनल में 31 अगस्त को साउंडर्स ने इंटर मियामी को 3-0 से हराया था। लेकिन इस बार मेसी ने 12वें मिनट में शानदार आउटसाइड-ऑफ-द-फुट पास देकर जोर्डी आल्बा को असिस्ट किया और टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। 41वें मिनट में आल्बा ने वापसी करते हुए मेसी को असिस्ट किया, जिन्होंने गेंद को नेट में डालकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही रोड्रिगो डी पॉल के कॉर्नर पर इयान फ्रे ने हेडर से गोल कर इंटर मियामी की बढ़त 3-0 कर दी। सिएटल के लिए ओबेड वर्गास ने 69वें मिनट में गोल किया, जो मेक्सिको के स्वतंत्रता दिवस पर आया। इंटर मियामी के स्टार लुइस सुवारेज़ इस मैच में भी नहीं खेले। वह लीग्स कप फाइनल में विपक्षी कोचिंग स्टाफ पर थूकने की घटना के बाद लगी तीन मैचों की पाबंदी का दूसरा मुकाबला मिस कर रहे थे। मेसी के पास 76वें मिनट में दूसरा गोल करने का मौका था, लेकिन गोलकीपर स्टीफन फ्रे ने उनका प्रयास रोक दिया। वहीं, इंटर मियामी के नए खिलाड़ी माटेओ सिल्वेट्टी ने क्लब के लिए डेब्यू किया। इंटर मियामी अब अपना अगला मुकाबला शनिवार को डी.सी. यूनाइटेड के खिलाफ खेलेगी, जबकि सिएटल साउंडर्स रविवार को ऑस्टिन एफसी से भिड़ेगी।

सर्वेश कुशारे ने रचा इतिहास, पुरुष ऊंची कूद फाइनल में छठे स्थान पर रहे

नई दिल्ली। टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के सर्वेश कुशारे ने पुरुष ऊंची कूद स्पर्धा के फाइनल में नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (पर्सनल बेस्ट) दर्ज करते हुए संयुक्त रूप से छठा स्थान हासिल किया। कुशारे ने अपने आखिरी प्रयास में 2.28 मीटर की ऊंचाई पार की, जो उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। हालांकि पदक की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें राष्ट्रीय रिकॉर्ड (2.29 मीटर) तोड़ते हुए 2.31 मीटर पार करना जरूरी था, लेकिन तीनों प्रयासों में वे ऐसा करने में असफल रहे। इसी ऊंचाई पर अमेरिका के टायस विल्सन ने भी अपना सीज़न बेस्ट दर्ज किया और कुशरे के साथ छठे स्थान पर रहे। टूर्नामेंट का स्वर्ण पदक न्यूजीलैंड के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन हेमिश केर ने 2.36 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर जीता। दक्षिण कोरिया के सांगह्योक वू ने 2.34 मीटर के साथ रजत पदक, जबकि चेकिया के जान स्टेफेला ने 2.31 मीटर कूदकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

8 भारतीय निशानेबाजों ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल 2025 में बनाई जगह

नई दिल्ली,17 सितंबर (एजेंसियां)।

आठ भारतीय निशानेबाजों ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) वर्ल्ड कप फाइनल 2025 के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो 04 से 09 दिसंबर तक कतर की राजधानी दोहा में होगा। डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, एकमात्र भारतीय निशानेबाज़ हैं जिन्होंने दो इवेंट्स, महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और महिला 25 मीटर पिस्टल, में जगह बनाई है। यह साल का अंतिम आईएसएसएफ टूर्नामेंट होगा, जिसमें 12 व्यक्तिगत ओलंपिक इवेंट्स के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज़ों का चयन होता है। भारतीय निशानेबाज़ों ने उन 12 इवेंट्स में से पांच में क्वालीफाई किया है, जो दोहा में होने वाले इस सीज़न-एंडिंग प्रतियोगिता का हिस्सा होंगे। यह आईएसएसएफ प्राइज मनी इवेंट भी है।

मनु भाकर के अलावा भारत की अगुवाई किशोरी सुरुचि सिंह करेंगी, जो इस साल की शूटिंग सनसनी साबित हुईं। उन्होंने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में लगातार ब्यूनस आयर्स, लीमा और म्यूनिख में तीन स्वर्ण पदक जीतकर न केवल दोहा में जगह बनाई, बल्कि इस समय महिला एयर पिस्टल में विश्व नंबर-1 रैंक भी हासिल कर ली है।

ओलंपियन ईशा सिंह ने भी चीन के निंगबो में चौथे और अंतिम आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में स्वर्ण जीतकर महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में क्वालीफाई किया। अन्य क्वालीफाई करने वालों में पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्श बलासाहेब पाटिल शामिल हैं, जिन्होंने ब्यूनस आयर्स में स्वर्ण जीतकर पुरुष 10 मीटर एयर राइफल में स्थान पक्का किया। वहीं ओलंपियन अर्जुन बाबुता ने लीमा में रजत पदक हासिल कर इसी इवेंट में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की।

एशियाई चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्त कौर समरा ने ब्यूनस आयर्स में स्वर्ण जीतकर महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन (3पी) इवेंट में क्वालीफाई किया। ओलंपियन विजयवीर सिद्धू ने भी उसी स्थान पर शानदार स्वर्ण जीतकर पुरुष 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल में जगह बनाई।

भारत की सिमरनप्रीत कौर बरार ने लीमा में रजत पदक जीतकर महिला 25 मीटर पिस्टल में क्वालीफाई किया। चीन की सुन युजिये पहले ही ब्यूनस आयर्स में स्वर्ण के जरिए अपनी जगह सुनिश्चित कर चुकी थीं, जिससे सिमरनप्रीत को एंट्री मिली।

आईएसएसएफ ने वर्ल्ड कप फाइनल 2025 के लिए पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि की भी घोषणा की है। स्वर्ण विजेताओं को क5,000, रजत विजेताओं को 4,000 यूरो और कांस्य विजेताओं को 2,000 यूरो दिए जाएंगे।

इन क्वालीफिकेशन के अलावा भारतीय एथलीटों के पास अभी भी दोहा फाइनल्स में जगह बनाने का मौका रहेगा, जब वे अक्टूबर और नवंबर में क्रमशः एथेंस (ग्रीस) में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप शॉटगन और काहिरा (मिस्र) में आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल में हिस्सा लेंगे। राइफल/पिस्टल के चार वर्ल्ड कप चरणों—ब्यूनस आयर्स, लीमा, म्यूनिख और निंगबो के साथ-साथ साइप्रस के निकोसिया और इटली के लोनेटो में आयोजित शॉटगन वर्ल्ड कप्स में भारत का अभियान इस साल अब तक का सबसे सफल रहा।

भारतीय निशानेबाज़ों ने राइफल, पिस्टल और शॉटगन इवेंट्स में कुल 22 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य शामिल हैं। इसके साथ ही भारत समग्र तालिका में दूसरे स्थान पर रहा, जिसने एक बार फिर यह साबित किया कि वह दुनिया की सबसे मज़बूत शूटिंग राष्ट्रों में से एक है।

पीसीबी ने आईसीसी को दूसरा पत्र भेजकर पायक्रॉफ्ट की जगह रिचर्डसन को मैच रैफरी बनाने की मांग रखी

लाहौर,17 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एशिया कप के बहिष्कार से तो पीछे हट गया है पर मैच रैफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को लेकर उसका विरोध बरकरार है। इसी कारण पीसीसी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को एक और पत्र भेजा है। पीसीबी ने इस पत्र में पायक्रॉफ्ट को हटाकर रिची रिचर्डसन को मैच रैफरी बनाने की मांग की है। गत दिवस ही पीसीबी ने आईसीसी को एक नये ईमेल में पायक्रॉफ्ट को उसके सारे मैचों से हटाने की मांग रख दी।

हालांकि अभी तक इस मामले में आईसीसी ने कुछ नहीं कहा है। पायक्रॉफ्ट से पाक को आपत्ति है। उसका मानना है कि वह भारतीय टीम से प्रभावित हैं। इस विवाद की शुरुआत भारत से साथ हुए मैच में हुई। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव सहित भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। पीसीबी ने इस विवाद के लिये पायक्रॉफ्ट को जिम्मेदार बताते हुए कहा कि उन्होंने पाक कप्तान सलमान आगा से कहा था कि सूर्यकुमार से हाथ नहीं मिलाये और दोनों कप्तानों को टीम शीट का आदान-प्रदान भी नहीं करने दिया। पीसीबी ने भारतीय खिलाड़ियों पर खेल भावना का पालन नहीं करने और पायक्रॉफ्ट पर भेदभाव का आरोप लगाया।

बिली जीन किंग कप : पाओलिनी ने दिलाई इटली को सेमीफाइनल में जगह

शेनझेन। मौजूदा चैंपियन इटली ने मेज़बान चीन को 2-0 से हराकर बिली जीन किंग कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व की नंबर 8 खिलाड़ी जैस्मिन पाओलिनी ने रोमांचक मुकाबले में वांग शिन्यू को 4-6, 7-6(4), 6-4 से मात देकर इटली की जीत सुनिश्चित की। पाओलिनी दूसरे सेट में 3-5 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए टाईब्रेकर जीता और तीसरे सेट में भी दबाव झेलते हुए मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले, एलिसाबेटा कोच्चियारेट्टो ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए युआन युए को 4-6, 7-5, 7-5 से हराया। वह एक सेट और निर्णायक सेट में 0-4 से पिछड़ने के बावजूद वापसी कर जीत हासिल करने में सफल रहीं।

यूएस ओपन विजेता आर्यना सबालेंका चोट के कारण चाइना ओपन से हटीं

नई दिल्ली। बेलारुस की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी और यूएस ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका ने चोट के कारण चाइना ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने बुधवार को उक्त जानकारी दी। इस महीने की शुरुआत में अमांडा अनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन और चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली बेलारूसी खिलाड़ी पिछले साल बीजिंग में डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुँची थीं। सबालेंका ने आयोजकों द्वारा दिए गए एक बयान में कहा, यूएस ओपन के बाद लगी एक छोटी सी चोट के कारण मुझे इस साल चाइना ओपन से हटने की घोषणा करते हुए दुख हो रहा है।

एशिया कप 2025 : यूएई मुकाबले से पहले पाक ने रद्द की प्रेस कॉन्फ्रेंस

दुबई,17 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप 2025 में बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले से पहले पाकिस्तान ने अपनी प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी। हालांकि टीम ने अभ्यास सत्र जारी रखा, जो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) अकादमी के उसी परिसर में हुआ जहां भारतीय टीम भी प्रैक्टिस कर रही थी। यह सब हाल ही में हुए हैंडशेक विवाद के बाद के तनावपूर्ण माहौल में हुआ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की अपील की थी, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। पाइक्रॉफ्ट ने भारत-पाक मैच से पहले पाकिस्तान कप्तान सलमान अली आगा को सूचित किया था कि टॉस के समय उनके भारतीय समकक्ष सूर्यकुमार यादव से हाथ नहीं मिलाया जाएगा। इसी वजह से कयास लगाए जा रहे थे कि पाकिस्तान यूएई के खिलाफ मुकाबले से हट भी सकता है। हालांकि, फिलहाल पाइक्रॉफ्ट ही इस मैच में रेफरी की भूमिका निभाने वाले हैं।

यह मुकाबला पाकिस्तान और यूएई दोनों के लिए करो या मरो की स्थिति वाला है, क्योंकि विजेता टीम सुपर फोर में जगह बनाएगी। वहीं भारत पहले ही लगातार दो जीत दर्ज कर सुपर फोर में पहुंच चुका है।

भारतीय टीम ने मंगलवार को शाम 6 बजे से तीन घंटे तक भीषण गर्मी में अभ्यास किया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने रात 8 बजे से लगभग 20 मिनट तक हल्के-फुल्के अंदाज में फुटबॉल वॉर्म-अप किया।

भारत की ओर से संजू सैमसन, अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने सबसे पहले नेट्स में बल्लेबाजी की, उसके बाद शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव ने पिच पर हाथ आजमाया। इस दौरान हर्षित राणा ने कुछ जोरदार शॉट खेले, जिनमें से एक छक्का पाकिस्तान टीम के अभ्यास स्थल की ओर चला गया।

एशिया कप सुपर फोर में जगह बनाने अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी श्रीलंका

दुबई,17 सितंबर (एजेंसियां)।

एशिया कप में गुरुवार को श्रीलंका का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा। इस मैच में जहां अफगानिस्तान को आगे अपनी संभावनाएं तलाशने हर हाल में जीत चाहिये होगी। वहीं श्रीलंकाई टीम अगर हारती भी है तो भी उसे सुपर फोर में जगह मिल सकती है। इस मुकाबले में श्रीलंका टीम जीत हासिल कर सुपर फोर में कदम बढ़ाना चाहेगी।

श्रीलंका की टीम हार कर भी सुपर 4 का टिकट हासिल कर सकती है पर इसके लिए उसे ध्यान में रखना होगा कि वह 70 रन या 50 गेंद शेष रहते ना हारे। दूसरी ओर बांग्लादेश से हार के बाद अफगानिस्तान को सुपर चार में जगह बनाने के लिये श्रीलंका को हर हालत में हराना होगा। इसमें जीतने पर उसके श्रीलंका और बांग्लादेश के समान चार अंक होंगे पर वह रन रेट 2.150 के साथ ही बांग्लादेश माइनस 0.270 से आगे है। अफगानिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में जीत के लिए 155 रन बनाने थे पर वह हार गयी थी। उ उसके कप्तान राशिद ने मैच के बाद कहा था, ''हम उस तरह का आक्रामक क्रिकेट नहीं खेल पाये हैं, जिसके लिये हम जाने जाते हैं। अब हमें श्रीलंका के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं अपने दोनों मैच जीत चुकी श्रीलंकाई टीम अफगान टीम को हल्के में नहीं ले रही। कप्तान चरित असलांका ने माना है कि उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ अधिक पेशेवर प्रदर्शन करना होगा। उन्होंने कहा,'' हम पेशेवर हैं और हमें बेहतर खेलना होगा।'' साथ ही माना कि उनके बल्लेबाजों को अफगानिस्तान के स्पिनरों से कड़ी चुनौती मिलेगी। वहीं अफगानिस्तान को उसके स्पिनर वानिंदु हसरंगा को खेलना होगा। श्रीलंका की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस और कामिल मिशारा पर निर्भर रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: चरित असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

अफगानिस्तान: राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद मलिक, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत का बड़ा लक्ष्य: 2047 तक 1,800 गीगावॉट गैर जीवाश्म ऊर्जा क्षमता

नई दिल्ली,17 सितंबर (एजेंसियां)।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक एनर्जी ट्रांजिशन समिट में बताया कि भारत ने गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों पर आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 2047 तक बढ़ाकर 1,800 गीगावॉट करने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में यह क्षमता 252 गीगावॉट है। उन्होंने कहा कि भारत 2030 तक इसे 500 गीगावॉट तक बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। जोशी ने बताया कि भारत की सौर बिजली उत्पादन क्षमता 2014 में 2.82 गीगावॉट से बढ़कर अब 124 गीगावॉट तक पहुंच चुकी है। पवन ऊर्जा क्षमता भी इसी दौरान 21 गीगावॉट से 53 गीगावॉट हो गई है। देश में नवीकरणीय ऊर्जा का तेजी से विकास हो रहा है और चालू वित्त वर्ष के पांच महीनों में 23 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई है। मंत्री ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत 20 लाख से अधिक सौर उत्पादन संयंत्र लगाए गए हैं। इस साल की नीतिगत पहलों के चलते 30 लाख नए संयंत्र लगाने का लक्ष्य है।

अमेरिका ने जापानी कारों पर टैरिफ घटाया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने जापानी ऑटोमोबाइल और उनके पुर्जों पर लगाए गए टैरिफ को इस सप्ताह से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले यह टैरिफ 27.5 प्रतिशत था, जिसमें 2.5 प्रतिशत बेस टैरिफ और 25 प्रतिशत वैश्विक क्षेत्र-विशिष्ट शुल्क शामिल था। यह बदलाव ट्रंप द्वारा जापान के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लागू करने के लिए जारी कार्यकारी आदेश के तहत किया गया है। वाणिज्य विभाग के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रशासन ने इसे संघीय रजिस्टर में नोटिस के रूप में प्रकाशित किया है। वहीं दक्षिण कोरियाई वाहनों पर अभी भी 25 प्रतिशत टैरिफ लागू है, जो 1962 के व्यापार विस्तार अधिनियम की धारा 232 के तहत लगाया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

आयकर विभाग ने मुंबई में मैरिको के कार्यालयों और कारखानों का किया सर्वेक्षण

मुंबई। आयकर विभाग की मुंबई जांच शाखा ने बुधवार को कर चोरी के आरोप में मैरिको लिमिटेड के विभिन्न कार्यालयों, प्रमुख डीलरों और कारखानों का सर्वेक्षण किया है। यह सर्वेक्षण कार्रवाई कुछ विदेशी फंडिंग लेनदेन की जांच से जुड़ी है। हालांकि, मैरिको ने अभी तक इस मामले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग की टीमें कर चोरी की जांच के तहत कंपनी के वित्तीय दस्तावेज और लेनदेन की जांच कर रही हैं। सर्वेक्षण अभियान के तहत आयकर विभाग जांच के दायरे में आई इकाई के व्यावसायिक परिसरों का औचक निरीक्षण करता है। जांच के बारे में अधिक जानकारी का इंतजार है। मुंबई स्थित मैरिको लिमिटेड एक प्रमुख भारतीय उपभोक्ता वस्तु कंपनी है, जो पैराशूट, सफोला और सेट वेट जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के तहत हेयर केयर, स्किन केयर, खाद्य तेल, हेल्दी फूड और पुरुषों के सौंदर्य प्रसाधन जैसी श्रेणियों में उत्पाद पेश करती है। कंपनी इनका निर्माण, विपणन और बिक्री करती है।

जीएसटी सुधारों से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ आएंगे, लोगों के पास होगा ज्यादा पैसाः सीतारमण

विशाखापत्तनम। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे लोगों के हाथ में अधिक नकदी होगी, जो अन्यथा करों में चली जाती। वित्त मंत्री ने यहां आयोजित अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर आउटरीच और इंटरेक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न व्यापार निकायों के व्यापारियों और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि इस नई पीढ़ी की कर व्यवस्था में जिसमें केवल दो स्लैब (5 और 18 फीसदी) हैं, इससे अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपये आएंगे। लोगों के पास नकदी होगी। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी राजस्व 2025 में बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। करदाताओं की संख्या पहले के 65 लाख से बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि जीएसटी कर सुधारों के बाद 12 फीसदी जीएसटी स्लैब के तहत आने वाली 99 फीसदी वस्तुएं अब 5 फीसदी के स्लैब में आ गई हैं। इस बदलाव के परिणामस्वरूप 28 फीसदी कर स्लैब के अंतर्गत आने वाली 90 फीसदी वस्तुएं 18 फसदी के स्लैब में आ गई हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने प्याज किसानों को राहत देने कई अहम फैसले लिए

मुंबई । महाराष्ट्र के विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्र सरकार से प्याज निर्यात पर मिलने वाली सब्सिडी को दोगुना करने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाना और घरेलू बाजार में कीमतों को स्थिर रखना है। मंत्री ने बताया कि इस साल राज्य में प्याज का उत्पादन 55 लाख टन तक बढ़ गया है, जिससे कीमतों में गिरावट की संभावना है। इसे देखते हुए निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों को उचित लाभ दिलाने के लिए यह कदम आवश्यक है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। लासलगांव की मंडी, जो एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी है, की कीमतें बाजार में मानक के रूप में देखी जाती हैं। इसलिए राज्य सरकार ने बाजार में जमाखोरी और कृत्रिम गिरावट पर रोक लगाने के लिए जिला कलेक्टरों के अंतर्गत सतर्कता समितियों को सक्रिय किया है। जमाखोरी पर सख्ती, सौर ऊर्जा से प्याज प्रसंस्करण और किसानों के हितों की सुरक्षा पर सरकार का फोकस दीर्घकालिक उपायों के तहत सरकार सौर ऊर्जा आधारित प्याज निर्जलीकरण परियोजनाएं शुरू करने जा रही है। इन परियोजनाओं के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों की मदद से एक लाख टन प्याज का पाउडर और चिप्स के रूप में प्रसंस्करण किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाल में विद्रोह...

सीईपीपीएस कंसोर्टियम से जुड़े एनजीओ, एनडीआई, आईआरआई और आईएफईएस इस क्षेत्र में हावी हैं। इनका पूरा मिशन लोकतंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित रहा है। इसका आशय आसानी से समझा जा सकता है। नेपाल जैसे नाजुक देश में अमेरिकी फंडेड इन गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) की भूमिका केवल प्रतिद्वंद्वी गुटों को प्रोत्साहित करने, असहमतियां बढ़ाने और पारंपिक संस्थानों में विश्वास कम करके अस्थिरता को बढ़ावा देने में रही है। एनडीआई नेपाली युवकों को नेतृत्व और वकालत का प्रशिक्षण देने के नाम पर उनका दिमाग बदलने का काम किया। नतीजतन 62 प्रतिशत नेपाली एक नए राजनीतिक दल को अस्तित्व में लाने और इसके लिए विरोध प्रदर्शनों को प्रेरित करने के रूप में सामने आया। खुफिया एजेंसियों ने बांग्लादेश और कंबोडिया में अमेरिकी-वित्त पोषित हस्तक्षेपों में समानताएं पाई हैं। जहां युवा और नागरिक समाज कार्यक्रमों को राजनीतिक अशांति पैदा करने का माध्यम बनाया गया है। नेपाल में भी अमेरिका का व्यापक वित्त पोषण, लक्षित कार्यक्रमों और युवाओं की भागीदारी के संयोजन पर केंद्रित था, जो नेपाल के हालिया उथल-पुथल के रूप में अभिव्यक्त हुआ।

अमेरिकी योजनाकारों का मानना था कि हांगकांग विद्रोह, अरब स्प्रिंग और पूर्वी यूरोप के विरोध मॉडल के रूप में नेपाल के युवाओं को औजार बनाया जा सकता है। इसी रणनीति के तहत वाशिंगटन ने रणनीति के तीन स्तंभों को फंडिंग देकर जोड़ा। नैरेटिव तैयार करने के लिए अमेरिका ने मीडिया में भारी फंडिंग की, जिसने नेपाल की सशस्त्र सेनाओं और सत्ताधारी संस्थाओं की आलोचना करने वाली सामग्री तैयार करने और उन्हें लोकतंत्र के लिए बाधा के रूप में चित्रित करते हुए प्रसारित करने में बड़ी भूमिका अदा की। इसके बाद अमेरिका ने नागरिक समाज समूह प्रशिक्षण, बैठक स्थल और प्रदर्शन आयोजित करने के लिए डिजिटल उपकरण प्रदान कर लामबंदी का विशाल मंच तैयार किया। किशोर स्वास्थ्य और शिक्षा परियोजनाओं को फंडिंग देकर युवाओं से सीधे जुड़ने के लिए गैर-राजनीतिक प्रवेश द्वार बनाया। यह अमेरिकी बहुआयामी प्रयास जेनरेशन-जेड की सक्रियता के रूप में सामने आया।

खुफिया रिपोर्टें विदेशी खातों, अपारदर्शी एनजीओ चैनलों और मादक पदार्थों से जुड़े वित्तपोषण के जटिल नेटवर्क की ओर इशारा करती हैं, जिसके जरिए नेपाल जैसे छोटे देश में लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर का धन चुपचाप पहुंच गया। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के मादक पदार्थों के गुप्त व्यापार से होने वाला मुनाफा इन निधियों को पूरा करता है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि अमेरिका ने बांग्लादेश की तरह नेपाल में भी अराजकता और हिंसक विद्रोह भड़काने के लिए इस्लामिक कट्टरपंथी ताकतों का सहारा लिया। काठमांडू में फैली हिंसा के बीच जब हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थल पशुपातिनाथ मंदिर पर हमले की कोशिश हुई, तभी पूरी दुनिया को यह पता चल गया कि नेपाल की हिंसा में हिंदू चेहरे केवल दिखावटी थे, असली लोग अलग समुदाय के थे, जिनका पूरा निशाना दुर्गा पूजा के पहले पशुपतिनाथ मंदिर को अपवित्र करना था।

अमेरिकी फंडिंग के अलावा इस्लामिक देश कतर से भी नेपाल में अकूत फंडिंग हुई है जो नेपाल में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों को सशक्त करने में खर्च हो रही है। यानि, जेनरेशन-जेड के कंधे का इस्तेमाल कर नेपाल में अशांति और जेहादी हिंसा फैलाने की दोहरी रणनीति पर काम हो रहा था। नेपाल की अंतिरम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की अमेरिका या इस्लामिक ताकतों की पसंद नहीं हैं। नेपाल के सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगडेल षडयंत्रकारियों की पसंद नहीं है। इसलिए अब अगला निशाना सुशीला कार्की और सेनाध्यक्ष अशोक राज सिगडेल हैं। यही बात है कि सुशीला कार्की के शपथग्रहण के फौरन बाद ही जेनरेशन-जेड के प्रदर्शनकारियों ने उनके इस्तीफे की मांग भी शुरू कर दी। इस प्रदर्शन का नेतृत्व वही एनजीओ पोषित सुदन गुरुंग ने किया। सुदन गुरुंग ने कहा कि सुशीला कार्की जेनरेशन-जेड की पसंद की नहीं हैं। स्पष्ट है कि सुदन गुरुंग का आशय यह कहना था कि सुशीला कार्की अमेरिका की पसंद नहीं है। अमेरिकी धन से बदतमीज हुए सुदन गुरुंग ने कहा, हम फिर सड़क पर उतरेंगे और प्रधानमंत्री को निकाल फेकेंगे।

नरेंद्र मोदी परिश्रम...

नेतन्याहू ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी, मेरे अच्छे दोस्त नरेंद्र, मैं आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देता हूं। आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ किया है, और हमने मिलकर भारत और इजराइल की दोस्ती में बहुत कुछ हासिल किया है। मैं जल्द ही आपसे मिलने के लिए उत्सुक हूं ताकि हम अपनी साझेदारी और अपनी दोस्ती को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकें। जन्मदिन मुबारक हो, मेरे दोस्त।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, नमस्कार, मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री मोदी। आपके 75वें जन्मदिन पर मेरी और न्यूजीलैंड के आपके सभी मित्रों की ओर से आपको बधाई। यह मील का पत्थर आपके नेतृत्व की बुद्धिमत्ता को दर्शाता है, क्योंकि आप 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना चाहते हैं। मैं इस बात को लेकर बहुत उत्साहित हूं कि न्यूजीलैंड इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के साथ और अधिक साझेदारी करेगा, क्योंकि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दोनों महान राष्ट्र वह सुरक्षा और समृद्धि प्राप्त करें जिसकी हमें चाहत है। मार्च में आपने मुझे जिस गर्मजोशी से मेरा आतिथ्य किया था, मैं उम्मीद करता हूं कि मैं भी न्यूज़ीलैंड में आपकी वैसी मेजबानी कर सकूंगा।

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने कहा, हमारे राष्ट्रीय सैनिक और भूटान के सभी लोग आपके 75वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। इस खुशी के अवसर पर, हम आपके अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली और दीर्घायु की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के संस्थापक और माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ बिल गेट्स ने अपने बधाई संदेश में कहा, प्रधानमंत्री मोदी, आपके 75वें जन्मदिन पर आपको मेरी तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं। मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं क्योंकि आप भारत की शानदार प्रगति का नेतृत्व करते हैं और वैश्विक विकास में योगदान देते हैं। गेट्स फाउंडेशन भारत सरकार के साथ हमारी साझेदारी को बहुत महत्व देता है। हम सब मिलकर विकसित भारत की दिशा में प्रगति कर रहे हैं और वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सीख और नवाचार साझा कर रहे हैं। एक बार फिर, इस महत्वपूर्ण अवसर पर आपको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा, मुझे उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बहुत खुशी हो रही है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे स्वस्थ रहें और इस देश का नेतृत्व कर सकें जैसा कि वे कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी खास अंदाज में पीएम मोदी को बधाई दी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, 140 करोड़ भारतीयों की आशाओं-आकांक्षाओं के संवाहक, वैश्विक मंच पर नए भारत को अग्रिम पंक्ति में प्रतिष्ठित करने वाले, विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता, हम सभी के मार्गदर्शक, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! राष्ट्र सर्वोपरि और लोक-कल्याण की भावना को जीवन-साधना में उतारने वाले आपके अप्रतिम पुरुषार्थ, संवेदनशील नेतृत्व और अखंड कर्मनिष्ठा ने नए भारत को आशा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। 25 करोड़ प्रदेश वासियों की ओर से प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु जीवन प्रदान करें, जिससे राष्ट्र को आपका सशक्त नेतृत्व और हम सभी को आपका मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। वीडियों में पीएम मोदी के संघर्ष के दिनों से लेकर अब तक के जीवन के हर पल को बहुत शानदार तरीके से संयोजा गया है और विकास योजनाओं की झलक दिखाई गई है।

आध्यात्मिक गुरु आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने पीएम मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा, वह एक युग पुरुष हैं जो भारत को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने आए हैं। अगर भारत का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथों में हो, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारा देश विश्व गुरु बनने की राह पर होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि मैं पीएम मोदी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देता हूं। आज विश्वकर्मा जयंती भी है। पीएम मोदी ने पिछले 11 वर्षों में भारत को मजबूत और सशक्त बनाया है। उन्होंने भारत को दुनिया में बहुत सम्मान दिलाया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों, एक मजबूत भारत के निर्माण में अपनी निरंतर सेवा प्रदान करते रहें। पीएम मोदी ने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार थीम दी है।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर उनके भाई प्रहलाद मोदी कहते हैं, आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना 75वां वर्ष पूरा कर 76वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। उनके जन्मदिन पर पूरे भारत में कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। हमारा मोदी समुदाय भी पीछे नहीं रहना चाहता। आज अहमदाबाद में मोदी समुदाय के युवाओं ने सोला सिविल अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि मेरे बड़े भाई को लंबी और स्वस्थ आयु प्रदान करें और वह राष्ट्र के प्रति अपने समर्पण को आगे बढ़ाते रहें और देश का विकास करते रहें।

प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन पर, एनसीपी (पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, मैं उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं, उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती हूं और मुझे विश्वास है कि उनमें राष्ट्र की सेवा करने की पूरी ऊर्जा रहेगी। वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने शून्य से शुरुआत करके कड़ी मेहनत और लगन से खुद को बनाया है। मुझे लगता है कि हमें इसके लिए उनकी सराहना करनी चाहिए, और मुझे सच में लगता है कि वह इसमें निरंतर रहे हैं; वह सुनिश्चित करते हैं कि उनके सांसद संसद में उपस्थित हों, और संसद में अच्छी बहस हो। इसलिए वह अनुशासन जिसके बारे में वह सभी को मार्गदर्शन देते रहते हैं, मेरे लिए बहुत खास है।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, प्रधानमंत्री मोदी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें। वे हमारा मार्गदर्शन करते रहें। उन्होंने ऐसी योजनाएं बनाईं जो गरीबों तक पहुंचती हैं। जिस तरह से वे देश को विकास की ओर ले जा रहे हैं, भारत में ऐसा नेतृत्व पहले कभी नहीं देखा गया। भाजपा के प्रखर सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, पीएम मोदी स्वस्थ रहें। 2047 में जब उनका विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, तो वो पीएम मोदी के नेतृत्व में हो, हमने बाबा बैद्यनाथ से यही प्रार्थना की है। उन्हें रिटायर क्यों होना चाहिए? ट्रंप 84 साल की उम्र में अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। पीएम मोदी को रिटायर क्यों होना चाहिए?

केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने कहा, गुजरात के लोगों को गर्व है कि प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में पैदा हुए। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। प्रधानमंत्री मोदी देश को हर तरह के नुकसान से बचा रहे हैं।

झारखंड के मुख्यंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, देश के माननीय प्रधानमंत्री आद-रणीय श्री नरेंद्र मोदी जी को 75वें जन्मदिवस की अनेक-अनेक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। मरांग बुरु आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही कामना करता हूं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। वे स्वस्थ और प्रसन्न रहें और इसी तरह देश का नेतृत्व करते रहें। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू किया गया स्वच्छता अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। हमें विश्वास है कि राजस्थान के हमारे सभी भाई-बहन इस सेवा पखवाड़े से लाभान्वित होंगे।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को उनके 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर करे कि वे उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु हों तथा राष्ट्र एवं सभी नागरिकों की सेवा करते रहें। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पीएम मोदी को बधाई देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वस्थ, सार्थक, सौहार्दपूर्ण, समावेशी, सकारात्मक जीवन की शुभकामनाओं के साथ जन्मदिन की हार्दिक बधाई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार ने शुभकामनाएं देते हुए कहा, आपके जन्मदिन के अवसर पर मैं आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्नता और दीर्घायु प्रदान करे। मैं आपके कुशल मार्गदर्शन में हमारे राष्ट्र की निरंतर प्रगति की कामना करता हूं और आने वाले वर्षों में इसके और अधिक कल्याण एवं विकास की कामना करता हूं।

तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सांसद और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने पीएम मोदी को बधाई संदेश देते हुए उन्हें अपना दोस्त बताया। उन्होंने कहा, एक बार मित्र बनने पर सदैव मित्र ही रहता है। हमारे और समाज के मित्र पीएम मोदी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। ईश्वर आपको सदैव सुख, शांति, आनंद, उत्तम स्वास्थ्य और स्वस्थ दीर्घायु प्रदान करें। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी को बधाई देते हुए कहा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं।

फिल्मी दुनिया से भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई संदेश मिले। फिल्म अभिनेता शाहरुख खान और आमिर खान के पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। शाहरुख खान ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर, मैं उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। एक छोटे से शहर से वैश्विक मंच तक का आपका सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। इस सफर में आपका अनुशासन, कड़ी मेहनत और देश के प्रति समर्पण साफ दिखाई देता है। 75 साल की उम्र में भी आपकी ऊर्जा युवाओं को मात देती है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप हमेशा स्वस्थ रहें और खुश रहें। फिल्म अभिनेता आमिर खान ने कहा, मोदी जी आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के विकास में आपके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर हम आपके दीर्घायु होने की कामना करते हैं। साथ ही प्रार्थना करते हैं कि आप यूं ही देश को प्रगति पथ पर अग्रसर करते रहें।

खेल जगत ने भी पीएम मोदी को जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। खेल जगत के दिग्गज सुनील गावस्कर, वीरेंद्र सहवाग, सानिया मिर्जा, मनु भाकर और अनिल कुंबले ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। उन्होंने मोदी की खेलों के प्रति योगदान और खिलाड़ियों के लिए लगातार समर्थन की सराहना की।

मोहम्मद सिराज ने ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी, आपको आने वाले वर्ष के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि आपको अच्छी सेहत मिले और आप जैसे अब तक देश के लिए काम कर रहे हैं, वैसे ही करते रहें। भारत के पूर्व महान सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने प्रधानमंत्री के लिए लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी को लंबे और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं देता हूं। उनका विकसित भारत का सपना तय समय से भी पहले साकार होगा। पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने प्रधानमंत्री मोदी के खेलों में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा, जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, उन्होंने खेलों पर खास ध्यान दिया है। उनका विजन था कि भारत ओलंपिक में पदक जीते। उनके नेतृत्व में खेल मंत्रालय का बजट भी बढ़ाया गया। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा भारत को खेलों की दुनिया में आगे बढ़ाने की कोशिश की। सहवाग ने पीएम मोदी को अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं भी दीं।2024 ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय शूटर मनु भाकर ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, मोदी जी से मेरी पहली मुलाकात 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद हुई थी, जब मैं सिर्फ 16 साल की उम्र में गोल्ड मेडल जीतकर आई थी। उस समय उन्होंने मेरी बहुत तारीफ की। उसके बाद हम कई आयोजनों में मिलते रहे, और उन्होंने हमेशा मुझे भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। जब भी हम किसी इवेंट में मिलते हैं, उनका रवैया हमेशा सकारात्मक रहता है। यहां तक कि टोक्यो ओलंपिक के प्री-कोविड समय में भी उन्होंने अपने सभी खिलाड़ियों के लिए समय निकाला। और जब मैं वापस आई, भले ही मेरा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा हो, उन्होंने मुझसे फोन पर बात की और पूरी स्थिति जानी। उन्होंने सब कुछ पूछा और मुझे आगे बढ़ते रहने की सलाह दी। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सानिया मिर्जा ने भी प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपनी प्रेरणा बताया। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री मोदी जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। उनके साथ हर बातचीत प्रेरणादायक रही है। वे हमेशा खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देते हैं।

भारत के महान स्पिनर अनिल कुंबले ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाड़ियों के साथ जुड़ाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जब आपका प्रधानमंत्री सिर्फ जीत के वक्त नहीं, हार के वक्त भी आपके साथ खड़ा होता है तो उसका असर गहरा होता है। 2023 में जब भारत ऑस्ट्रेलिया से वर्ल्ड कप फाइनल हारा था, वे तुरंत ड्रेसिंग रूम में पहुंचे थे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया था। इसके बाद हमने 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीता। ये पल खिलाड़ियों के लिए हमेशा यादगार रहते हैं।

शतरंज के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, मैंने उनके साथ दोनों मुलाकातों का आनंद लिया। ऐसा लगा जैसे हम किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हों जिसे हम पहले से जानते हों। यह देखकर हैरानी होती है कि वह हर व्यक्ति को याद रखते हैं और उनके बारे में जानते हैं। वह हर किसी से जुड़ने की क्षमता रखते हैं। भारतीय क्रिकेटर रविंद्र जडेजा ने कहा, मैं उनसे पहली बार 2010 में मिला था, जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उस समय टीम के कप्तान एमएस धोनी ने मुझे उनसे मिलवाया। पीएम मोदी ने कहा- यह तो अपना लड़का है, इसका ध्यान रखना। यह सुनकर बहुत अच्छा लगा कि इतने बड़े नेता ने मेरे बारे में ऐसा कहा। अगली बार मैं उनसे 2019 में दिल्ली में मिला, जब हम उनसे मिलने गए थे और उन्होंने हमारे साथ 20-25 मिनट तक बातचीत की।

क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। आपके अद्वितीय नेतृत्व और दृष्टिकोण के लिए देश हमेशा आभारी रहेगा। क्रिकेटर युवराज सिंह ने लिखा, हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। आने वाला वर्ष आपके लिए अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए। वेंकटेश प्रसाद ने लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। भगवान से आपके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।

अब ईवीएम ...

उम्मीदवार का फोटो साफ तौर पर दिख सके इसलिए तस्वीर के तीन-चौथाई हिस्से पर उसका चेहरा दिखेगा।

उम्मीदवारों और नोटा के क्रमांक भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप में छापे जाएंगे। वहीं फॉन्ट का आकार 30 होगा और बोल्ड लिखा जाएगा। इसके अलावा सभी उम्मीदवारों और नोटा के नाम एक ही फॉन्ट प्रकार और फॉन्ट साइज में होंगे। ताकि यह आसानी से पढ़ने में आए। इसके अलावा ईवीएम मतपत्र 70 जीएसएम कागज पर मुद्रित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के लिए तय आरजीबी गुलाबी रंग के कागज का इस्तेमाल किया जाएगा। इस कागज की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।

आयोग का कहना है कि इस पहल से मतदान प्रक्रिया सुगम हो सकेगी। साथ ही चुनाव के प्रति पारदर्शिता और लोगों का भरोसा भी मजबूत होगा। रंगीन तस्वीरें, बड़े फॉन्ट और बेहतर गुणवत्ता वाले कागज होने के चलते मतदाता बिना किसी असमंजस के सही उम्मीदवार का चुनाव कर सकेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लाभकारी होगा। ईवीएम पर अब तक काले-सफेद फोटो और छोटे अक्षरों की वजह से मतदाताओं को परेशानी होती थी। नई व्यवस्था से मतदान प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक व सुगम होगी।

सूर्य-चंद्र ग्रहण का पड़ेगा व्यापक प्रभाव

2022 में 43 साल बाद सूर्य-चंद्र ग्रहण के योग में हुआ मोरबी हादसा

1979 में सूर्य-चंद्र ग्रहण के योग के समय टूटा था मोरबी का डैम

सूर्य-चंद्र ग्रहण योग से बचने के लिए करें हनुमान जी की आराधना

इस समय श्राद्ध पक्ष चल रहा है और श्राद्ध पक्ष की शुरुआत यानी 7 सितंबर को साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लगा और अब श्राद्ध पक्ष की समाप्ति पर 21 सितंबर को साल का दूसरा सूर्य ग्रहण लग रहा है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में यह अजीब संयोग बन रहा है कि सिर्फ 15 दिन के अंतराल में ही दो ग्रहण लग रहे हैं। अभी हाल ही में लोगों ने 7 सितंबर 2025 के दिन चंद्र ग्रहण देखा और 21 सितंबर 2025 के दिन सूर्य ग्रहण लगने वाला है। हिंदू धर्म में सूर्य ग्रहण हो या चंद्र ग्रहण, दोनों को भी अशुभ माना गया है। साल 2025 की शुरुआत में भी 15 दिन के अंतराल में चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण लगा था। धुलंडी यानी होली के दिन 14 मार्च को चंद्र ग्रहण लगा था और ठीक 15 दिन बाद 29 मार्च को सूर्य ग्रहण लगा था। बता दें इससे पहले साल 2022 में 25 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण और 8 नवंबर को चंद्र ग्रहण था। साल 1979 में 22 अगस्त को सूर्य ग्रहण और 6 सितंबर को चंद्र ग्रहण हुआ था। ठीक ऐसा ही योग इस साल भी बना है।

चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगा था यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगा था और यह भारत में दिखा था, जिससे इसका सूतक काल लगा था। सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025 को लगेगा और यह भी भारत में नहीं दिखेगा। यह भी आंशिक सूर्य ग्रहण होगा और न्यूजीलैंड, पैसिफिक व अंटार्कटिका में दिखाई देगा।

2022 में मोरबी हादसा

इससे पहले साल 2022 में 25 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण और 8 नवंबर को चंद्र ग्रहण था। साल 1979 में 22 अगस्त को सूर्य ग्रहण और 6 सितंबर को चंद्र ग्रहण हुआ था। ठीक ऐसा ही योग इस साल भी बना है। रविवार 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। उस समय पुल पर करीब 500 लोग थे, जो नदी में जा गिरे। इस हादसे में 190 लोगों की मौत हो गई । साल 2022 से पहले 1979 में भी मच्छु नदी का डैम टूटने से हादसा हुआ था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। 2022 और 1979 के इन दोनों हादसों में एक बात कॉमन है कि उस समय भी सूर्य और चंद्र ग्रहण हुए थे। ज्योतिष के ग्रंथ बृहत्संहिता में ग्रहण के बारे में भविष्यवाणियां की गई हैं। इस ग्रंथ में लिखा है कि जब-जब एक ही महीने में दो ग्रहण एक साथ होते हैं, तब-तब दुनिया में के हादसों की वजह से जनहानि होती है।

1979 में भी हुए थे ऐसे ही हादसे

43 साल पहले 11 अगस्त 1979 को भी मोरबी में डैम टूटने से बाढ़ आ गई थी और हजारों लोग मारे गए थे। उस साल 22 अगस्त को सिंह राशि में सूर्य ग्रहण हुआ था। इसके बाद 6 सितंबर को कुंभ राशि में चंद्र ग्रहण हुआ था। अक्टूबर-1979 में फिलीपींस में तूफान आया था, जिसमें बड़ी जनहानि हुई थी। ठीक ऐसे ही हादसे 2022 में भी हो रहे हैं।

बृहत्संहिता के अनुसार दो ग्रहणों का असर

वराहमिहिर द्वारा रचित ग्रंथ बृहत्संहिता के राहुचाराध्याय में लिखा है कि जब दो-दो ग्रहण एक साथ एक ही महीने में होते हैं तो तूफान, भूकंप, मानवीय भूल से बड़ी संख्या में जनहानि होने के योग बनते हैं। एक ही महीने में सूर्य और चंद्र ग्रहण होते हैं तो सेनाओं की हलचल बढ़ती है। सरकारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्राकृतिक आपदा आने के योग रहते हैं।

ग्रहण योग का पड़ेगा व्यापक प्रभाव

विश्व के नजरिए से देखा जाए तो इस दौरान ग्रहों के प्रभाव से दो राष्ट्रों के मध्य तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। राष्ट्र अध्यक्षों के मध्य वाक् युद्ध की स्थिति बन सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के दृष्टिकोण से बड़ी नकारात्मक सूचना प्राप्त हो सकती है। लेकिन पद प्रतिष्ठा के लिए यह समय महिलाओं के लिए ठीक है। बौद्धिकता , नए अन्वेषण, व्यापारिक दृष्टिकोण से यह अवधि शुभ फल प्रदायक साबित होगा । ग्रहण से तीन महीने तक की अवधि में आम जनमानस के स्वास्थ्य में अवरोध, सुख में कमी ,नए रोगों का उत्पन्न होना , नए रोगों के आने से या होने से सुख में कमी होना ,आपसी मतभेद मनमुटाव, राजनीतिक दलों में कटुता का भाव। बड़े वाहन की दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। भारतीय रुपए का ह्रास हो सकता है। व्यापारिक दृष्टिकोण से यह समय ठीक रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से समय ठीक रहेगा एवं बौद्धिक दृष्टिकोण से भी यह समय उपयुक्त रहेगा।

शुभ-अशुभ प्रभाव

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना, महामारी , दुर्घटना, राजनीतिक उठापटक, जातिवाद, धार्मिक उन्माद होने की संभावना। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। जनजीवन सामान्य होगा। मौसम भी बदलेगा और बारिश भी अच्छी होगी। विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

ग्रहण के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

गौरी योग में भगवान विष्णु चमकाएंगे किस्मत

आज यानी 18 सितंबर, गुरुवार के दिन चंद्रमा स्वराशि कर्क में होगी, जिससे गौरी योग का संयोग बन रहा है। इस योग में भगवान विष्णु मिथुन, सिंह, तुला और मकर राशि पर मेहरबान रहेंगे। कार्यस्थल पर सहयोगियों का साथ मिलेगा और प्रोजेक्ट में सफलता प्राप्त होगी। सभी रुके हुए काम पूरे होंगे और बिजनेस में ग्रोथ के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी करने वालों की कमाई बढ़ेगी और आर्थिक स्थिति बेहतर होती जाएगी। व्यापार के मामले में निवेशों से लाभ मिलेगा और यात्रा के दौरान भी सुखद परिणाम प्राप्त होने के योग हैं। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और रुका हुआ धन वापस मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, लव लाइफ में भी रोमांस बढ़ेगा।

मेष : कार्यस्थल पर साथियों का मिलेगा सहयोग

कार्यस्थल में अगर कुछ मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, तो आपको अपने साथियों और परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। इससे मुश्किल काम भी आसानी से पूरे हो सकते हैं। वहीं, शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थी अपने करियर को लेकर चिंतित रह सकते हैं। ऐसे में आपका दिन भागदौड़ भरा हो सकता है। अगर कोई प्रियजन आपसे नाराज है तो बातचीत के जरिए समाधान निकाला जा सकता है।

वृषभ : ऑफिस के रुकावटें होंगी दूर

कामकाज के सिलसिले में आपका दिन अच्छा रहने वाला है। ऑफिस में आने वाली रुकावटें और समस्याएं सहयोगियों की सहायता से दूर होती जाएंगी। आपको अपने काम से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण खबर मैसेज के जरिए मिल सकती है। संपत्ति संबंधी कोई भी फैसला लेने या किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। लापरवाही से नुकसान हो सकता है।

मिथुन : पाएंगे चौतरफा लाभ

अगर आपकी कोई कीमती चीज खो गई है तो अब उसके वापस मिलने की संभावना बनी हुई है। आर्थिक मामलों में भी आपको लाभ प्राप्त होगा और अगर पहले किसी व्यक्ति को उधार दिया था तो अब वह वापस मिल सकता है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही, बिजनेस में आपको लाभ कमाने के कई सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे और दिन खुशियों भरा रहेगा।

कर्क : धीरे-धीरे बनेंगे बिगड़े काम

यह दिन आपके लिए कुछ अवसरों और रुकावटों से भरा रह सकता है। अगर नया काम शुरू कर रहे हैं, तो उसमें कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन समय के साथ-साथ आपके सभी काम बनने शुरू होंगे। वहीं, कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याएं भी कुछ कम होंगी। परिवार में छोटे सदस्यों के करियर की चिंता दूर हो सकती है। वहीं, आपको अपने काम में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं।

सिंह : प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद दूर होंगे

अगर आप लंबे समय से किसी जमीन-जायदाद के मामले में फंसे हुए थे तो अब उनका समाधान मिल सकता है। नौकरी करने वालों की कमाई बढ़ेगी। लेकिन साथ ही, खर्च बढ़ने की भी संभावना है। ऐसे में आपको आय और व्यय के बीच संतुलन बनाना होगा। लेखक और पत्रकारों का दिन सामान्य से बेहतर रहेगा। कार्यालय का माहौल आप पॉजिटिव बनाने में कामयाब रहेंगे।

कन्या : पैसों की समस्या होगी दूर

पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे और अपने कार्यों को पूरा करने के मूड में रहेंगे। वहीं, कार्यक्षेत्र में आपके सहयोगी भी रिलैक्स मूड में होंगे और पहले ज्यादा काम करने का मन बना सकते हैं। आप अपने अंदर छिपी प्रतिभा को बाहर निकालने का प्रयास कर सकते हैं। जिसमें सफलता जरूर मिलेगी। वहीं, पैसों से जुड़ी समस्या का भी समाधान मिलने की संभावना है।

तुला : मान-सम्मान बढ़ेगा

समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल भी हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में विरोधी परास्त होंगे और सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है और अधिकारियों द्वारा आपकी प्रशंसा की जा सकती है। लव लाइफ के मामले में आपको अपने पार्टनर के साथ किसी बात को लेकर समझौता करना पड़ सकता है।

वृश्चिक : सामाजिक कार्यों में लेंगे हिस्सा

सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं, जिसके जरिए आपके कुछ उद्देश्य भी पूरे हो सकते हैं। नौकरी करने वालों का दिन अनुकूल रहेगा और ऑफिस का माहौल कामकाज के मामले में अच्छा बना रहेगा। लेकिन किसी जूनियर के साथ कहासुनी हो सकती है। ऐसे में वाणी पर संयम रखना होगा और धैर्य के साथ समस्या का समाधान निकालें। परिवार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

धनु : मिश्रित परिणाम मिलेंगे

यह दिन आपके लिए मिश्रित फलदायक रहने वाला है। ऑफिस के माहौल में आपके लिए काम करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। लेकिन आप सहयोगी के सपोर्ट से कार्यस्थल के वातावरण को सकारात्मक बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत का फल प्राप्त होगा और आप उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं। वहीं, व्यापार के मामले में मिले-जुले परिणाम प्राप्त होंगे।

मकर : मेहनत से मिलेगी सफलता

कार्यक्षेत्र में मेहनत भरा दिन रहेगा। आपको अपने प्रोजेक्ट में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और प्रयास करने होंगे। इससे बेहतर परिणाम जरूर मिलेंगे। व्यापार के मामले में अगर कुछ दिनों नुकसान उठा रहे थे तो अब उसकी भरपाई हो सकती है। लेकिन बिजनेस करने वालों को सावधान रहना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। लव लाइफ में पार्टनर के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं।

कुंभ : व्यापार में यात्रा के योग

दिन की शुरुआत में आप किसी बात को लेकर थोड़े बेचैन रह सकते हैं। ऐसे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचें, अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है। हालांकि, सोच-समझकर निर्णय लेने से स्थिति सामान्य बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपको एक दिन में ढेर सारे काम निपटाने पड़ सकते हैं। व्यापार के मामले में किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है।

मीन : सोच-समझकर लें फैसले

व्यापार के मामले में आप दोस्तों के सपोर्ट से किसी बड़े प्रोजेक्ट को फाइनल कर सकते हैं। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन लेन-देन के समय किसी भी प्रकार का तनाव न लें, अन्यथा गलत निर्णय ले सकते हैं। समझदारी और बुद्धिमानी के साथ कोई भी फैसला लेना आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है। साथ ही, बढ़ते खर्च को कम करने के लिए भी आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे।

साल का अंतिम सूर्यग्रहण लग रहा सर्वपितृ अमावस्या को?

साल का अंतिम सूर्यग्रहण जल्द ही लगने जा रहा है। यह ग्रहण पितृपक्ष के आखिरी दिन यानी सर्वपितृ अमावस्या पर लगेगा और पितरों की विदाई ग्रहण काल में की जाएगी। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य ग्रहण का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, सूर्य को राहु ग्रहण लगाता है। लेकिन, क्या यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा। क्या इसका सूतक काल भारत में भी मान्य होगा।

साल का आखिरी सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात को लगेगा। इसी दिन सर्वपितृ अमावस्या भी है। भारतीय समयानुसार, ग्रहण रात में 10 बजकर 59 मिनट से मध्यरात्रि 3 बजकर 23 मिनट तक का समय है। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। बता दें कि साल का अंतिम ग्रहण कन्या राशि में लगेगा। सूर्य ग्रहण का सूतक काल 12 घंटे पहले लग जाता है। ऐसे में भारतीय समय अनुसार, सुबह में 10 बजकर 59 मिनट पर ग्रहण का सूतक काल आरंभ हो जाएगा। साथ ही यह खंडग्रास सूर्यग्रहण होगा जिसमें सूर्य का कुछ ही हिस्सा ढक जाता है। इसे आंशिक सूर्यग्रहण कहा जाता है। जानकारी के लिए बता दें कि, यह ग्रहण भारत में अदृश्य रहेगा तो इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

सूर्य ग्रहण 2025 का समय

ग्रहण प्रारंभ रात में 10 बजकर 59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)
ग्रहण का मध्य 1 बजकर 59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)
ग्रहण समाप्त रात में रात में 3 बजकर 23 मिनट पर।
कहां कहां दिखाई देगा सूर्यग्रहण 2025

1) होबार्ट सुबह में 6 बजकर 3 मिनट पर (ऑस्ट्रेलिया समय अनुसार)
2) न्यू कैसल सुबह में 5 बजकर 45 मिनट पर

3) सिडनी सुबह में 5 बजकर 48 मिनट पर
4) सुवा सुबह में 7 बजकर 558 मिनट पर
5) ऑकलैंड सुबह में 6 बजकर 13 मिनट पर
6) वेलिंगटन सुबह में 6 बजकर 14 मिनट पर
(सभी समय स्थानीय अनुसार बताए गए हैं)

क्या सूर्यग्रहण पर कर सकते हैं पितरों का तर्पण ?

21 तारीख को लगने जा रहे सूर्यग्रहण के दिन सर्वपितृ अमावस्या भी है ऐसे में बहुत से लोगों के मन में सवाल होगा की इस दिन क्या पितरों का तर्पण और श्राद्ध कर्म आदि कार्य किए जाएंगे? बता दें कि भारत में सूर्यग्रहण अदृश्य है इसलिए इसका प्रभाव भी यहां नहीं होंगा तो श्राद्ध और तर्पण आदि का कार्य आप सामान्य रूप से कर सकते हैं।

गुरुवार को तुलसी की मंजरी के उपाय, एक भी आजमा लें तो बदल जाएगी किस्मत, धन-दौलत की नहीं होगी कमी

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन विधि-विधान से पूजा और व्रत करने का खास महत्व होता है। इससे जातक को जीवन की समस्याओं से राहत मिलती है और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वहीं, विष्णुजी को तुलसी अत्यंत प्रिय है। ऐसे में अगर आप गुरुवार के दिन तुलसी की मंजरी से जुड़े कुछ विशेष उपाय कर लें, तो इससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और धन-दौलत की कमी भी दूर हो सकती है।

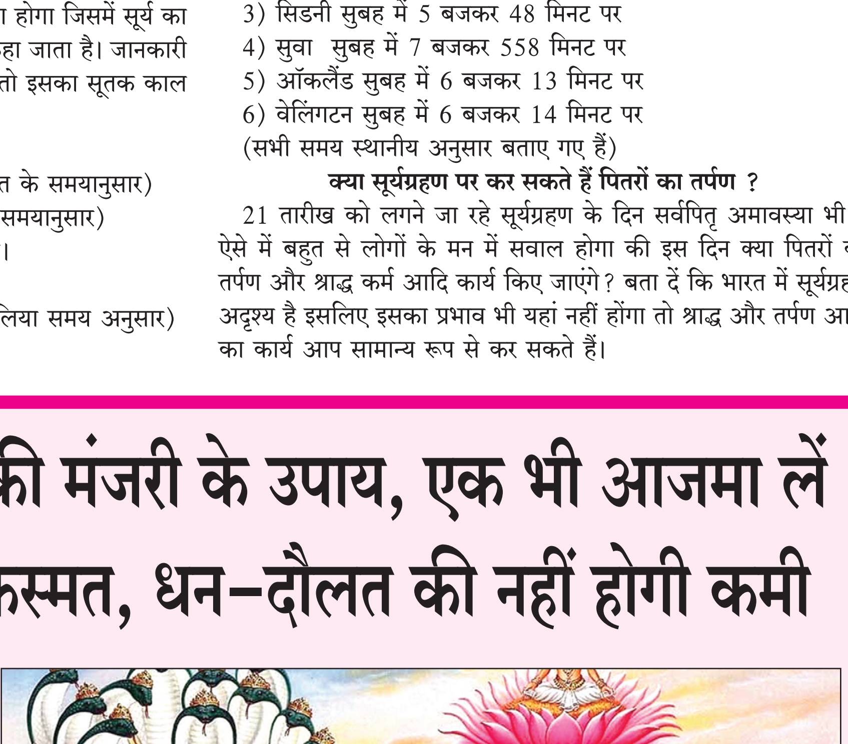

जीवन की समस्याएं दूर करने का उपाय

बृहस्पतिवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें। इस दिन पीले रंग के वस्त्र धारण करना सबसे उत्तम माना जाता है। इसके बाद, भगवान विष्णु की विधि-पूर्वक पूजा और आरती करें। इसी दौरान हल्दी और तुलसी की मंजरी उन्हें अर्पित करें। साथ ही 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से जातक को जीवन की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है।

धन-दौलत में वृद्धि का उपाय

अगर आप पैसों की तंगी से परेशान चल रहे हैं, तो गुरुवार को तुलसी की मंजरी का एक उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। पूजा के समय लक्ष्मीनारायण को तुलसी की मंजरी अर्पित करें। इसके बाद, शाम के समय पुन: पूजा-पाठ करके तुलसी की मंजरी को मंदिर से उठा लें और एक लाल या पीले रंग के साफ वस्त्र में उसे बांधकर अपनी तिजोरी में रखें। इस पोटली को आप धन रखने वाले स्थान पर रख सकते हैं। ऐसा करने से पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और जीवन में कभी भी धन-दौलत की कमी नहीं होती है।

कारोबार और जीवन में सफलता पाने का उपाय

इसके लिए गुरुवार के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी विधि-विधान से पूजा करें। साथ ही, उन्हें हल्दी, केसर और तुलसी की मंजरी अर्पित करें। पूजा और आरती करने के बाद एक पीले रंग के साफ वस्त्र में हल्दी, केसर और मंजरी को बांध लें। अब इस पोटली को अपनी दुकान या कार्यालय के दराज में रख लें। इस उपाय को करने से कारोबार में आ रही समस्याएं दूर होने लगती हैं। साथ ही, करियर और जीवन में सफलता प्राप्त करने के नए मार्ग खुलने लगते हैं व भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने का उपाय

इसके लिए गुरुवार व शुक्रवार के दिन एक लोटा जल में थोड़ा सा गंगाजल और तुलसी की मंजरी डालें। इसके बाद, सुबह-सुबह स्नानादि करने के बाद पूरे घर में जल का छिड़काव करें। इस उपाय को करने से जातक के घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है। इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, अगर आप घर में होने वाले झगड़ों से परेशान हैं तो हर गुरुवार और शुक्रवार को यह उपाय जरूर आजमाएं। इससे गृह क्लेश से भी छुटकारा मिल सकता है और घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

कृष्णा श्रॉफ का ट्रेडिशनल वॉर्डरोब ट्रांसफॉर्मेशन मुंबई की बेब से बमुलिया गाँव की छोरी तक

जहाँ हम अक्सर कृष्णा श्रॉफ को उनके स्टाइलिश जिमवियर या फिल्मी पार्टियों और रेड कारपेट इवेंट्स में ग्लैमरस लुक में देखते आए हैं, वहीं 'छोरियां चली गांव' शो में उनका एक बिल्कुल नया रूप सामने आया है। इस रियलिटी शो में कृष्णा ने 'मुंबई शहर की फिटनेस आइकॉन और एंटरप्रेन्योर' की छवि को पीछे छोड़ते हुए एक सच्ची 'बमुलिया गांव की छोरी' की पहचान बनाई है। उन्होंने पारंपरिक भारतीय पहनावे को न सिर्फ अपनाया, बल्कि उसे पूरे आत्मविश्वास और सहजता से निभाया भी।

सबसे प्यारे कान्हा की परफेक्ट यशोदा मां

जन्माष्टमी स्पेशल एपिसोड में, कृष्णा ने न सिर्फ मंच पर परफॉर्म करने के डर को मात दी, बल्कि पूरे गांव के सामने अपनी परफॉर्मेंस और लुक से सभी का दिल जीत लिया। एक सच्ची गाँव की राजकुमारी की तरह लग रहीं कृष्णा ने आइवरी और गोल्डन लहंगे के साथ पारंपरिक गहनों और फूलों की सजावट से अपना लुक पूरा किया। उनकी खूबसूरत कढ़ाई वाली ड्रेस, उनके आत्मविश्वास भरे हावभाव और साथ में सबसे प्यारे 'कान्हा' के साथ उनकी जोड़ी ने उस लुक को और भी खास बना दिया। यह लुक उनकी मॉडर्न मुंबई गर्ल से देसी गांव की संस्कृति की सच्ची प्रतिनिधि बनने की यात्रा को खूबसूरती से दर्शाता है।

एमराल्ड साड़ी में शिक्षक जैसी शालीनता

एक टास्क के तहत कृष्णा को गांव के किसी व्यक्ति को इंग्लिश सिखाना था। इस टास्क में उन्होंने न केवल जीत हासिल की, बल्कि अपने पहनावे और आत्मविश्वास से भी सबको प्रभावित किया। हरे रंग की साड़ी में वह बेहद आकर्षक लगीं, और गांव के बुज़ुर्गों के साथ उनका शालीन व्यवहार यह दिखाता है कि वह स्थानीय रीति-रिवाज़ों और संस्कृति का पूरा सम्मान करती हैं। यह सादा मगर असरदार लुक साबित करता है कि कृष्णा ने गांव के माहौल को पूरी तरह समझा और अपनाया है।

रंग-बिरंगे लहंगे में उत्सव की रौनक

बमुलिया गांव के सबसे वृद्ध दंपती की शादी के अवसर पर, कृष्णा ने एक बेहद खूबसूरत, रंगीन और कढ़ाईदार लहंगा-चोली पहनी, जिसमें पारंपरिक मिरर वर्क और ज्यामितीय डिज़ाइनों का अद्भुत संयोजन था। उन्होंने इस पोशाक को आत्मविश्वास भरे डांस मूव्स के साथ कैरी किया, जिसने यह सिद्ध किया कि उन्होंने गांव की संस्कृति को दिल से अपना लिया है। यह लुक उनकी ट्रांज़िशन का एक जीवंत उदाहरण बन गया - शहरी फैशन से लेकर पारंपरिक देसी अंदाज़ तक।

शाही नील साड़ी में गरिमा और आधुनिकता का संगम

छोरियाँ चली गाँव के गणेश चतुर्थी के विशेष एपिसोड में कृष्णा ने शाही नीले रंग की सीक्विन साड़ी में सबका मन मोह लिया। उन्होंने इसे स्टेटमेंट जूलरी और खुले बालों के साथ स्टाइल किया, जो परंपरा और आधुनिकता का खूबसूरत संगम प्रस्तुत करता है। इस लुक में वे इतनी सहज और सुंदर नज़र आईं कि दर्शकों को यकीन हो गया - कृष्णा हर पारंपरिक पोशाक को खूबसूरती और गर्मजोशी के साथ पहन सकती हैं। 'छोरियां चली गांव' में कृष्णा श्रॉफ की यात्रा बेहद प्रेरणादायक रही है। उनके पारंपरिक परिधानों का परिवर्तन तो बस उनकी संपूर्ण परिवर्तनशीलता का एक पहलू है। उन्होंने न केवल हर टास्क को पूरी लगन और सटीकता से पूरा किया, बल्कि अपने देसी लुक्स के माध्यम से गांव की आत्मा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कृष्णा ने न केवल बामुलिया गांव के लोगों का दिल जीता है, बल्कि अपनी प्रतिस्पर्धी भावना के लिए अपने सह-प्रतियोगियों से भी अपार सम्मान अर्जित किया है, साथ ही साथ उन्होंने देशभर के दर्शकों को प्रभावित किया है, जिसने उन्हें शो में और जनता की राय में एक स्पष्ट पसंदीदा बना दिया है। कृष्णा को छोरियां चली गांव जीतने के लिए सबसे मजबूत प्रतियोगियों में से एक के रूप में देखा जा रहा है। कृष्णा का यह देसी फैशन सफर उनके इस नए अध्याय को खूबसूरती से दर्शाता है और यह प्रमाणित करता है कि स्टाइल और संवेदना - दोनों साथ-साथ चल सकते हैं, फिर चाहे आप मुंबई के जिम में हों या बमुलिया जैसे गांव में।

ब्लैक ड्रेस में शानदार लगीं काजोल, बताया कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए

अभिनेत्री काजोल इन दिनों नए शो टू मच विद काजोल और ट्विंकल को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं।काजोल ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह ब्लैक कलर का ड्रेस पहने हुए हैं, मिनिमल मेकअप के साथ उन्होंने बालों को पोनीटेल किया हुआ है। इन तस्वीरों में उनका आत्मविश्वास साफ झलकता दिखा।

काजोल ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, कभी-कभी भावनाएं उलझन भरी हो सकती हैं, लेकिन कपड़ों का चयन आसान होना चाहिए। यह खूबसूरत काला ड्रेस मेरे आत्मविश्वास को किसी तारीफ से ज्यादा बढ़ाता है।पहली तस्वीर में अभिनेत्री कैमरे को देखते हुए हल्की-सी स्माइल के साथ पोज दे रही है। वहीं, दूसरी में एक साइड देखते हुए वह स्टाइलिश अंदाज में खड़े होकर पोज दे रही हैं। बाकी तस्वीरों में काजोल कई पोज देकर फोटो खिंचवा रही हैं। काजोल और ट्विंकल जल्द ही नए शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल को होस्ट करती नजर आएंगी। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। शो में कई बॉलीवुड हस्तियां शिरकत करेंगी, जिनमें सलमान खान, आमिर खान, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, वरुण धवन, करण जौहर, कृति सेनन, विक्की कौशल, गोविंदा, और जाह्नवी कपूर जैसे कई स्टार्स शामिल होंगे। शो का प्रीमियर 25 सितंबर को प्राइम वीडियो पर होगा।

मीरा राजपूत का जिम लुक वीडियो, फैंस के बीच छाई मॉर्निंग ब्लूज वाली अदा

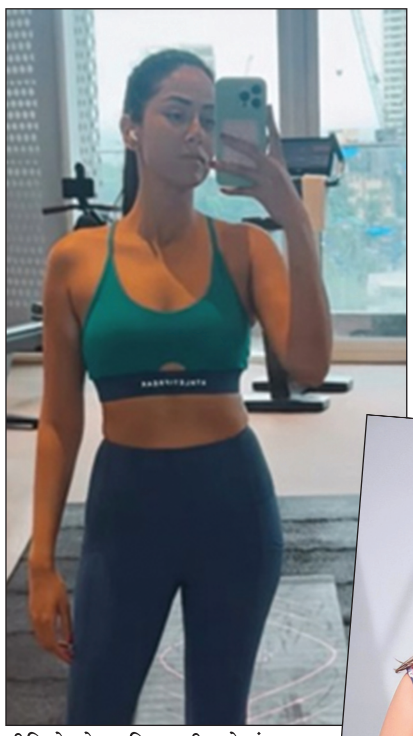

अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत भले ही सिनेमा की दुनिया से दूर रहती हैं, लेकिन वह अपने सोशल मीडिया के जरिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया।मीरा ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह जिम में मिरर वीडियो बनाती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो वह जिम आउटफिट पहने हुए हैं, जिससे देख फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि वह एक्सरसाइज करके लौटी हैं या फिर करने जा रही हैं। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, मॉर्निंग ब्लूज बाय। मीरा राजपूत सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी की छोटी-बड़ी झलकियां साझा करती रहती हैं। चाहे वह फिटनेस, फैशन, या फिर परिवार के साथ क्वालिटी टाइम हो, वह हमेशा अपने फॉलोअर्स को प्रेरित करती हैं। इससे पहले मीरा ने इंस्टाग्राम पर बताया था कि वह अपने चेहरे पर फ्रेशनेस और ग्लोइंग त्वचा के लिए हल्दी का इस्तेमाल करती हैं।उन्होंने बताया कि वह हल्दी को बेसन, दही, या गुलाब जल के साथ मिलाकर फेस पैक के रूप में लगाती हैं, जिससे उनके चेहरे पर निखार बना रहता है।उन्होंने एक अन्य डू इट योरसेल्फ हैक बताया था। मीरा ने कहा था कि एक चम्मच शहद में दो चुटकी हल्दी मिलाएं। अब इस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर लगा लें। इसे सिर्फ 20 मिनट लगा रहने दें और फिर पानी से धोकर साफ कर लें। इस नुस्खे से त्वचा चमकदार रहेगी। बता दें कि शाहिद कपूर ने मीरा राजपूत से साल 2015 में गुरुग्राम में शादी की थी। उस वक्त मीरा सिर्फ 20 साल की थीं। दोनों की अरेंज मैरिज थी। शाहिद को पहली ही मुलाकात में मीरा काफी पसंद आ गई थीं, लेकिन मीरा ने हां कहने में करीब छह महीने लगाए। साल 2016 में इस कपल ने बेटी मिशा का स्वागत किया। इसके बाद साल 2018 में बेटे जैन ने जन्म लिया।

लाल साड़ी में छाईं त्रिशा कर मधु, बथाथा बथाथा गाने पर किया धमाकेदार डांस

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित एक्ट्रेस त्रिशा कर मधु सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में वह अपने नए गाने बथाथा बथाथा पर लिप सिंक करती नजर आ रही हैं।वीडियो में त्रिशा कर मधु ने लाल रंग की खूबसूरत साड़ी पहन रखी है, जो उन पर बेहद सुंदर लग रही है। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा है, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा है। कैमरे के सामने वह गाने के हर एक बोल पर बखूबी लिप्सिंक करती दिख रही हैं। साथ ही बेहतरीन डांस मूव्स भी कर रही हैं। गाने की हर एक लाइन पर उनके एक्सप्रेशन्स दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं।

त्रिशा कर ने पोस्ट के कैप्शन में गाने का नाम बथाथा बथाथा लिखा।

अगर हम बात करें 'बथाथा बथाथा' गाने की, तो यह एक मजेदार भोजपुरी गाना है, जिसे राकेश मिश्रा और नेहा राज ने गाया है। इसके बोल बिट्टू मिश्रा ने लिखे हैं और संगीत विक्की वॉक्स ने दिया है। इस गाने में खुद त्रिशा कर मधु ने परफॉर्म किया है और वीडियो का निर्देशन पवन पाल ने किया है।

त्रिशा कर के इंस्टाग्राम वीडियो पर फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। किसी ने उन्हें गॉर्जियस कहा, तो किसी ने उन्हें 'ब्यूटी क्वीन' का टैग दिया। इससे पहले भी त्रिशा कर ने एक वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वह भोजपुरी गाने जवानी 4 दिन के पर लिपसिंक कर नजर आईं। इस गाने को श्रृष्टि भारती ने गाया और इसके बोल इमरान भाई ने लिखे। गाने का संगीत अंकुश कुमार ने तैयार किया है और इसे डायरेक्ट आजाद खान ने किया है। इस वीडियो को भी फैंस ने जमकर प्यार दिया।

एक्ट्रेस की बात करें तो वह ए दूल्हा महाराज, कमर धके झूलअ, नदी बीचे कमरिया डोले, पहिले से जुठ बा, मन राखा मेहरारू के और छोट बाटे लहंगा चोली जैसे गानों के लिए मशहूर हैं।

सभी नागरिक देश-प्रदेश को स्वच्छ बनाने में निभाएं सक्रिय भूमिका : भजनलाल

जयपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की 8 करोड़ जनता की तरफ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व प्रगति की है। डिजिटल इंडिया से लेकर मेक इन इंडिया तक, जन धन योजना से लेकर आयुष्मान भारत तक, हर क्षेत्र में उन्होंने भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है तथा आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है एवं तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

शर्मा बुधवार को जयपुर के सिटी पार्क में आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा अभियान–2025' के शुभारम्भ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रभावशाली और कुशल नेतृत्व ने भारत की तस्वीर बदली है। उनका सदैव स्वच्छता पर जोर रहा है और स्वच्छ भारत अभियान इसकी मिसाल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण, आतंकवाद–नक्सलवाद का खात्मा, दुनिया में भारत का बढ़ते गौरव से विश्व में हमारी साख बढ़ी है। उनके विजन से विभिन्न अभियानों के तहत सामाजिक सरोकार के कार्य भी किए जा रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और एक पेड़ मां के नाम अभियान से देश में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 अक्टूबर, 2014 को शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान आज जन आंदोलन बन चुका है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 38 प्रतिशत घरों में शौचालय थे, वहीं 11 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण से आज यह आंकड़ा 100 प्रतिशत के करीब पहुंच गया है। उन्होंने

कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शर्मा ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में राजस्थान ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। जयपुर के दोनों नगर निगम (जयपुर ग्रेटर और जयपुर हेरिटेज) राष्ट्रीय स्तर पर टॉप–20 में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर को सुपर स्वच्छ लीग शहरों में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। वहीं, जयपुर ग्रेटर और जयपुर हेरिटेज दोनों को कचरा मुक्त शहर की श्रेणी में 3–स्टार रेटिंग मिली है। उन्होंने कहा कि जयपुर ग्रेटर को पहली बार वाटर प्लस सर्टिफिकेट भी मिला है जो भविष्य की रैंकिंग में हमारी स्थिति और मजबूत बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने हरियालो राजस्थान अभियान का शुभारंभ पिछले वर्ष किया था जिसके तहत हमारी सरकार ने 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष 7 करोड़ पौधे के लक्ष्य से बढ़कर हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए तथा इस वर्ष भी 10 करोड़ पौधे के लक्ष्य से बढ़कर 12 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। हरियालो राजस्थान के तहत हम नए–नए कीर्तिमान बना रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में कहा था कि त्यौहारों की खुशी के साथ स्वच्छता पर भी ध्यान दें। स्वच्छ वातावरण से पर्यटन बढ़ता है तथा रोजगार के अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि आगामी फेस्टिवल सीजन को देखते हुए सभी लोग अपने घर की साफ–सफाई के साथ आस–पड़ोस को भी साफ रखें जिससे स्वच्छ एवं स्वस्थ राजस्थान बन सके। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को स्वच्छता के लिए आगे आना होगा। राजस्थान के हर शहर, हर गांव को स्वच्छ बनाना हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी नागरिकों से स्वच्छ भारत निर्माण में सक्रिय सहयोग देने और स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने इस दौरान आमजन को स्वच्छता की शपथ भी दिलवाई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आमजन के साथ सिटी पार्क परिसर में श्रमदान किया। उन्होंने आयोजन परिसर में कदंब एवं कल्प का वृक्ष भी लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में शर्मा ने सीवरेज नीति का विमोचन, सफाई मित्रों को पीपीपी किट का वितरण एवं अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। साथ ही, जयपुर स्वच्छता यात्रा की एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई। इस दौरान नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावत, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जयपुर डिस्कॉम ने वसूले बकाया 25 करोड़

आपसी समझाइश से सुलझे 18 हजार से अधिक प्रकरण

जयपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

जयपुर विद्युत वितरण निगम ने 18 हजार से अधिक लंबित मामलों का निस्तारण करने तथा इन प्रकरणों में उपभोक्ताओं पर बकाया चल रही राशि में से करीब 25 करोड़ रूपए वसूलने में सफलता हासिल की है। बीते दिनों राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से इन प्रकरणों का उपभोक्ताओं की सहमति के आधार पर निस्तारण किया गया। जिसके बदले उपभोक्ताओं ने डिस्कॉम को मौके पर ही तुरंत 20 करोड़ 71 लाख रूपए जमा करा दिए। वहीं 4 करोड़ 31 लाख रूपए की राशि आगामी दिनों में जमा कराने की सहमति दी है। इस प्रकार जयपुर डिस्कॉम को बकाया 25 करोड़ 2 लाख रूपए वसूलने तथा इन विवादों को शीघ्र निपटाने में सफलता मिली है।

डिस्कॉम के सभी तीन जोन में से बिजली चोरी, पीडीसी कनेक्शन, बिजली बिल राशि आदि से संबंधित सर्वाधिक बकाया मामले भरतपुर जोन में निस्तारित किए गए। इस जोन के करौली सर्किल में 2814 उपभोक्ताओं ने मौके पर ही 5.27 करोड़ रूपए, धौलपुर सर्किल में 2109 उपभोक्ताओं ने 3.19 करोड रूपए, सवाई माधोपुर सर्किल में 2055 उपभोक्ताओं ने 2.27 करोड़ रूपए, डीग में 1539 उपभोक्ताओं ने 2.35 करोड़ तथा भरतपुर सर्किल में 1683 उपभोक्ताओं ने 1.25 करोड़ रूपए जमा कराए। यहां कुल 95 हजार उपभोक्ताओं को लोक अदालत के सम्मुख प्रस्तुत होने के नोटिस भेजे गए थे जिनमें से 11 हजार 735 उपभोक्ता प्रस्तुत हुए और 10 हजार 200 प्रकरणों का राजीनामे के आधार पर निस्तारण किया गया और मौके पर ही 14 करोड़ 34 लाख रूपए निगम को प्राप्त हुए। वहीं जयपुर जोन के 9 सर्किलों में कुल 2 करोड़ 92 लाख रूपए तथा कोटा जोन के 4 सर्किलों में 3 करोड़ 45 लाख रूपए की मौके पर ही समझाइश के माध्यम से प्रकरण समाप्त कर वसूली की गई। उल्लेखनीय है कि कटे कनेक्शन के बकाया, बिजली बिल में त्रुटि, बिजली चोरी आदि के लंबित प्रकरणों का लोक अदालत के माध्यम से मौके पर ही समझाइश के आधार पर निस्तारण किया जाता है। जयपुर डिस्कॉम के सभी 18 सर्किलों ने ऐसे लंबित मामलों में राजीनामे के आधार पर निस्तारण करने के लिए 2 लाख 30 हजार 227 प्रकरणों में उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए थे। जिनमें से 20 हजार से अधिक प्रकरणों में उपभोक्ता लोक अदालत के सम्मुख प्रस्तुत हुए।

राजगढ़ में नगर पालिका का वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

राजगढ़, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राजगढ़ नगर पालिका, जिला चूरू के वरिष्ठ सहायक राकेश धायल को ₹1,90,000 की रिश्वत राशि लेते समय रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर झुंझुनूं इकाई की टीम ने जाल बिछाकर यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, आरोपी राकेश धायल ने परिवादी से कार्य सुविधा उपलब्ध कराने के एवज में भारीभरकम रिश्वत की मांग की थी। शिकायत दर्ज होने के बाद एसीबी ने सत्यापन किया और आज तयशुदा राशि ₹1.90 लाख लेते ही आरोपी को पकड़ लिया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी झुंझुनूं को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी ने नगर पालिका राजगढ़ में खाली भूखण्ड भूमि के कन्वर्जन हेतु पत्रावली जमा करवाई थी।राकेश घायल वरिष्ठ सहायक प्रभारी भूमि शाखा परिवादी की भूमि कन्वर्जन फीस के अलावा तीन लाख रुपये की मांग कर परेशान कर रहा था।

प्राप्त शिकायत पर दिनांक 16.09.2025 गोपनीय रिश्वत मांग सत्यापन के दौरान आरोपी राकेश धायल वरिष्ठ सहायक प्रभारी भूमि शाखा द्वारा पवन मुदरल, नक्शा नवीस से मिलीभगत कर परिवादी से 96,500 रुपये कन्वर्जन फीस एवं एक लाख रुपये रिश्वत की मांग करना पाया पाया गया। रिश्वत मांग के अनुसरण में ट्रेप कार्यवाही का आयोजन कर परिवादी श्री से आरोपी राकेश घायल, वरिष्ठ सहायक, प्रभारी भूमि शाखा नगर पालिका राजगढ द्वारा रिश्वती राशि ग्रहण कर अपनी कार्यालय टेबल पर रखी जहा से 1,90,000 रुपये रिश्वत बरामद हो चुके है। मौके पर अग्रीम कार्यवाही जारी है।

बिजली चोरों के खिलाफ पहली बार संयुक्त अभियान

371 मामलों में 1 करोड़ 20 लाख की भरी वीसीआर

जयपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

जयपुर डिस्कॉम ने बुधवार को झालावाड़ जिला पुलिस के साथ मिलकर विद्युत चोरी के खिलाफ झालावाड़ जिले में विशेष संयुक्त सतर्कता अभियान को अंजाम दिया। निगम की कुल 48 टीमों जिनमें 170 सदस्य शामिल थे उन्होंने इस अभियान के अन्तर्गत जिले में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की। इसके साथ–साथ जिला पुलिस के 350 पुलिसकर्मी भी इस अभियान में सम्मिलित रहे।

मुख्यालय के निर्देश पर कोटा जोन के कोटा तथा बारां जिले के 12 अधिशासी अभियंताओं एवं सहायक अभियंताओं की टीम को भी झालावाड़ भेजा गया। झालावाड़ जिला पुलिस का भी कार्रवाई में पूर्ण सहयोग रहा। इस पूरी कार्रवाई को 7 जोन में बांटा गया था।पुलिस द्वारा विशेष रूप से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई जो राजपासा, हार्डकोर मादक पदार्थों की तस्करी एवं आपराधिक प्रवृत्ति के होने के साथ–साथ संगठित रूप से बिजली चोरी में भी लिप्त हैं। प्रत्येक जोन में विद्युत वितरण निगम की ओर से एक अधिशासी अभियंता अथवा सहायक अभियंता तथा जिला पुलिस की ओर से वृत्ताधिकारी को कमान सौंपी गई। जिला पुलिस ने इस ऑपरेशन को ऊर्जा प्रहार का नाम दिया। रात करीब 12 बजे से ही यह संयुक्त अभियान शुरू कर दिया गया।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा का जोधपुर दौरा

क्राइम कंट्रोल और महिला सुरक्षा पर विशेष जोर

जोधपुर, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बुधवार को जोधपुर का दौरा कर पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीजीपी ने कहा कि राज्य में अपराध दर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है और पुलिस आमजन को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत कॉलेज और स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि छात्र–छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति संवेदनशील बनाया जा सके।

डीजीपी ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए जोधपुर सहित पूरे राजस्थान में सुरक्षा इंतज़ाम और अधिक पुख़्ता किए जाएंगे। साथ ही अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई कर कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाएगा।शर्मा ने बताया कि राजस्थान पुलिस लगातार मॉनिटरिंग और आधुनिक तकनीक के उपयोग से अपराध पर अंकुश लगाने में सफल हो रही है, और आने वाले समय में यह और भी सख़्ती से लागू किया जाएगा।

सभी विधायक एक महीने का वेतन बाढ़ राहत फंड में दें : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गन्ना किसानों को कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल रेट देने, धान की जल्द खरीद शुरू करने और मार्केट फीस को 1 प्रतिशत करने की मांग उठाई है। और खुद एक महीने का वेतन बाढ़ राहत कोष में देने की घोषणा की साथ ही उन्होंने कांग्रेस समेत सभी विधायकों से अपील करी है कि वो कम से कम एक महीने का वेतन, बाढ़ राहत फंड में दें, ताकि पीड़ितों को और मदद पहुंचाई जा सके। हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारी से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाढ़ के चलते प्रदेश की 30 लाख एकड़ भूमि में खराब हुआ है और 5 लाख 10 हजार किसान इससे पीड़ित हैं।

एक महीने से भी ज्यादा का समय हो गया, पूरा प्रदेश आपदा से जूझ रहा है लेकिन अब तक बीजेपी सरकार ने लोगों की मदद के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। मैं खुद जींद, रोहतक से लेकर यमुनानगर तक बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने गया। लेकिन हर जगह लोगों की शिकायत यही थी कि सरकार की तरफ से ना किसी तरह की मदद की जा रही है, ना जरूरत के मुताबिक राहत कार्य अंजाम दिए जा रहे हैं।भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हैरानी जताई कि अब हरियाणा सरकार ने ना तो प्रदेश को बाढ़ प्रभावित घोषित किया है और ना ही केंद्र से बाढ़ के नाम पर किसी तरह के राहत पैकेज की मांग करी है।

खाद्य, बीज व दवाइयों पर जीएसटी समाप्त करना चाहिए : बजरंग गर्ग

चंडीगढ़, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने आढ़ती व किसानों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि सरकार को धान व बाजार की सरकारी खरीद 15 सितंबर से शुरू करनी चाहिए थी। सरकार द्वारा धान व बाजरे की खरीद 15 सितंबर से शुरू ना करने से प्रदेश के किसान व आढ़ती में बड़ी–बड़ी नाराजगी है। सरकार को धान खरीद पर किसानों को 500 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि धान का उत्पादन पिछले साल के मुकाबले प्रति एकड़ 30 व 40 प्रतिशत कम हुआ है। उत्पादन घटने से किसानों को फायदा होने की बजाएं धान की बिजाई में नुकसान हो रहा है। हरियाणा में भारी बारिश व बाढ़ के कारण जो लगभग 27 लाख एकड़ जमीन में फसल खराब हुई है, उसका सरकार को तुरंत मुआवजा राशि किसानों को देनी चाहिए ताकि किसान अगली फसल की बिजाई का काम शुरू कर सके। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को कपास व सरसों आदि सभी फसले आढ़तियों के माध्यम से एमएसपी पर खरीदनी चाहिए। आज किसानों को खेती में इनकम कम खर्च ज्यादा हो गए हैं जबकि खेती में उपयोग आने वाली खाद्य, बीज, खेती में उपयोग आने वाली दवाईयां, डीजल, मोटर, ट्रैक्टर व मशीनरी पार्ट्स के दामों में पहले से 40 से 150 प्रतिशत तक बढ़ोतरी होने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सैनी ने की 'मुख्यमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना' की शुरुआत

चंडीगढ़, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर हरियाणा में कारीगरों और शिल्पकारों को बड़ी सौगात मिली। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना की शुरुआत की। इस योजना के अंतर्गत हरियाणा के उन कारीगरों को 5 हजार रुपये का टॉप अप प्रोत्साहन दिया जाएगा, जो प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

मुख्यमंत्री बुधवार को रोहतक में विश्वकर्मा जयंती एवं श्रमिक दिवस समारोह पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। समारोह में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह शुभ संयोग है कि आज दिव्य शिल्पी भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती है। 21वीं शताब्दी के नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी है। उन्होंने हरियाणा की पौने 3 करोड़ जनता की ओर से भगवान विश्वकर्मा को नमन किया प्रधानमंत्री को जन्म दिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा शिक्षा समिति, रोहतक को 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज द्वारा आवेदन करने पर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के नियमानुसार प्लॉट आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत प्रदेश में 4200 बेटियों की शादी के लिए 22 करोड़ रुपये की राशि 30 सितंबर तक जारी कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत जल्द पंजीकरण शुरू होगा और जल्द ही बहनों को 2100 रुपये प्रति माह का लाभ दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने

दिव्य शिल्पी, भगवान विश्वकर्मा जी को नमन करते हुए कहा कि यह दिन उन सभी मेहनती, ईमानदार और कर्मठ श्रमिकों के प्रति सम्मान प्रकट करने का है, जो अपनी मेहनत से देश के विकास की गाथा लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री विश्वकर्मा जी ने कर्म कौशल के माध्यम से मेहनत करने की प्रेरणा दी थी। उन्हीं की प्रेरणा से प्राचीन काल से लेकर आज तक उनके लाखों साधनों के श्रम और कौशल की बदौलत हमारा विकास हुआ है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज चुनौतियां भी हैं, औज़ार महंगे हैं, डिजाइन बदलते हैं, बाजार तक पहुंचना मुश्किल है और क्रेडिट की ज़रूरत रहती है। इन्हीं तथ्यों को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' चलाई है। इस योजना में कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है, प्रशिक्षण के दौरान 500 रुपये प्रतिदिन स्टाइफंड दिया जाता है और टूल किट भी दी जाती है। कारोबार के लिए मामूली ब्याज दर पर ऋण भी दिया जाता है। यही नहीं, उत्पादों के सत्यापन, ब्रांडिंग, प्रचार के लिए मदद की जाती है। ई–कॉमर्स तथा जैम पोर्टल पर भी पहुंच दी जाती है ताकि कारीगर अपने उत्पाद देश–विदेश में कहीं भी बेच सकें।

उन्होंने कहा कि इस योजना को हरियाणा में लागू कर रहे हैं। प्रदेश में 41,366 आवेदक पंजीकृत हुए हैं। इनमें से 30,655 कारीगरों का कौशल प्रशिक्षण पूरा हो चुका है और लगभग 12 हजार कारीगरों को टूल किट भी दी जा चुकी है। इसके अलावा, 6 हजार कारीगरों को 56 करोड़ रुपये के ऋण दिये जा चुके हैं। प्रदेश सरकार ने जिला पलवल के दुधोला में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। समारोह आयोजित कर इस ख़ुशी को सबके साथ बाटें। आज अपने प्रिय को माफ़ करना न भूलें। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के सदस्यों की मदद करने के लिए अपने खाली समय का सदुपयोग करें। ज़रा संभल कर, क्योंकि आपका प्रिय रूमानी तौर पर आपको मक्खन लगा सकता है – मैं तुम्हारे बग़ैर इस दुनिया में नहीं रह सकता/सकती। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता–पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। कुछ ही लोग ऐसे इंसान के आकर्षण से बच सकते हैं, जिसके पास इतनी प्यारी मुस्कान हो। जब आप लोगों के साथ होंगे, तो आपकी महक फूलों की तरह चारों ओर फैलेगी। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जीवन में पैसे की अहमियत को नहीं समझते लेकिन आज आपको पैसे की अहमियत समझ में आ सकती है क्योंकि आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक़्त खराब होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल–कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अगर आप अपने प्रेमी के साथ कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो कपड़े सोच–समझकर पहनें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। अगर आप अपना नज़रिया आस–पास के ऐसे लोगों को बताएँ जो महत्वपूर्ण निर्णय लेते हों, तो आपको लाभ होगा। साथ ही आपको काम के प्रति अपने समर्पण और निष्ठा के लिए शाबाशी भी मिलने की संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। तनख़्वाह में बढ़ोतरी आपको उत्साह से भर सकती है। यह वक़्त अपनी सभी निराशाओं और परेशानियों को मिटाने का है। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। ख़याली परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। साझीदारी और व्यापार में हिस्सेदारी वग़ैरह से दूर रहें। खाली वक़्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर वालों के साथ मिलकर कुछ अलग और रोमांचक किया जाना चाहिए। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। छात्रों के लिए बहुत अच्छा दिन है। वे परीक्षा में बढ़िया प्रदर्शन करेंगे। हालाँकि इस सफलता को सिर पर न चढ़ने दें और इससे प्रेरणा लेकर ज़्यादा कड़ी मेहनत के लिए कमर कसें। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आज के दिन आप किसी क़ुदरती ख़ूबसूरती से ख़ुद को सराबोर महसूस करेंगे। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 सितंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 11:26 तक
नक्षत्र : पुष्य प्रातः 06:33 तक
योग : शिव रात्रि 09:37 तक
करण : कौलव प्रातः 11:30 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:15 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:18 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:11 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : द्वादशी श्राद्ध , सन्यासीनां श्राद्ध , गण्डमूल प्रातः 06:34 से, गुरुपुष्य अमृत सिद्धि योग प्रातः 06:04 से 06:33 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जन्मदिवस पर मध्य प्रदेश में जनता के बीच रहे पीएम मोदी

भारत परमाणु खतरों से नहीं डरता शत्रु को घुटनों पर ला दिया

धार (मध्य प्रदेश), 17 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 75वें जन्मदिवस पर भी काम में संलग्न रहे। उन्होंने मध्य प्रदेश के धार स्थित बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश की जनता को कई अन्य योजनाओं की भी सौगात दी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आतंकवाद, पाकिस्तान, स्वास्थ्य, विकास, गरीबी और स्वदेशी पर बात की। पीएम मोदी ने कौशल और निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर उन्हें नमन कर अपने संबोधन की शुरुआत की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पाकिस्तान और आतंकवाद पर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि ये नया भारत है, ये किसी की परमाणु धमकियों से नहीं डरता है। ये नया भारत, घर में घुसकर मारता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए आतंकियों ने हमारी बहनों-बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था।

हमने ऑपरेशन सिंदूर करके आतंकी ठिकानों को उजाड़ दिया। हमारे वीर जवानों ने पलक झपकते ही पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। अभी कल ही देश और दुनिया ने देखा है, फिर एक पाकिस्तानी आतंकी ने रो-रो कर अपना हाल बताया।

पीएम मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी पर गर्व करने और उसे अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देशवासी जो भी खरीदें वो देश में ही बना होना चाहिए। जो खरीदें, उसमें किसी न किसी हिंदुस्तानी का पसीना होना चाहिए। उसमें हिंदुस्तान की मिट्टी की खुशबू होनी चाहिए। उन्होंने

देशवासी जो भी खरीदें वह देश का बना होना चाहिए

पीएम मोदी ने कहा, मां भारती से बड़ा कुछ नहीं है

कहा कि मुझे 2047 विकसित भारत बनाना है, जिसका रास्ता आत्मनिर्भर भारत से जाता है। उन्होंने गर्व से कहो, ये स्वदेशी है का नारा भी लोगों से लगवाया। पीएम मोदी ने कहा कि गरीब की सेवा मेरे जीवन का उद्देश्य है। हमारी सरकार गरीबों को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है। समर्पण भाव से काम करने के कारण पिछले 11 साल के परिश्रम के कारण आज देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आ गए हैं। समाज को नया आत्मविश्वास मिला है।

पीएम मोदी ने कहा, मां भारती से बड़ा कुछ नहीं है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सबकुछ देश के लिए समर्पित कर दिया था। वे बस यही चाहते थे कि हमारा देश गुलामी की जंजीरों को तोड़कर आगे बढ़े। इसी प्रेरणा से हमने विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। विकसित भारत की यात्रा के चार स्तंभ हैं। नारी शक्ति, गरीब, युवा और किसान।

इस कार्यक्रम में चारों स्तंभों को मजबूती देने का काम हुआ है। ये कार्यक्रम धार में हो रहा है लेकिन, ये पूरे भारत के लिए हो रहा है। आज यहां से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार जैसे महाअभियान की शुरुआत हो रही है। नारी शक्ति राष्ट्र की प्रगति का मुख्य आधार है।

घर में मां ठीक रहती है तो पूरा घर ठीक रहता है। अगर, मां बीमार हो जाए तो परिवार की सारी व्यवस्थाएं चरमरा जाती हैं। इसलिए स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान माताओं को समर्पित है। इसका मकसद है एक भी महिला जानकारी के अभाव में किसी भी बीमारी का शिकार ना हो। ऐसी बीमारियां जिनका महिलाओं को सबसे ज्यादा खतरा है, उन्हें शुरुआत में पकड़ना जरूरी है। कैंसर जैसी भयंकर बीमारियों की जांच शुरुआत में ही की जाएगी। पीएम ने कहा, हमने प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना का फायदा साढ़े 4 करोड़ गर्भवती महिलाओं को मिल चुका है। 19 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि देश की माताओं-बहनों के खाते में पहुंच चुकी है। अभी एक क्लिक पर 15 लाख से ज्यादा महिलाओं को मदद भेज दी गई है, चार करोड़ से ज्यादा रुपए उनके खातों में जमा हो गए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती से एक और अभियान की चर्चा करना चाहता हूं। आदिवासी इलाकों में सिकल सेल एनीमिया बड़ी बीमारी होती है। एमपी से ही 2023 में सिकल सेल स्क्रीन का कार्ड मिलना शुरू हुआ था। आज एमपी में ही एक करोड़ वां कार्ड दिया गया है। अब तक इस अभियान के तहत पांच करोड़ से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इससे लाखों लोगों का जीवन सुरक्षित हुआ है। ये काम आने वाली पीढ़ियों के लिए है। आज लोग स्वस्थ हो जाएंगे तो आने वाली पीढ़ियां स्वस्थ हो जाएंगी।

सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि गरीब की सेवा मेरे जीवन का उद्देश्य है। हमारी सरकार गरीबों को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है। समर्पण भाव से काम करने के कारण पिछले 11 साल के परिश्रम के कारण आज देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आ गए हैं। समाज को नया आत्मविश्वास मिला है। सरकार के सारे प्रयास गरीबों की जिंदगी बदलने वाली मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि मुफ्त राशन योजना के आंकड़े सुनकर विदेशियों की आंखे फटी रह जाती हैं। आज भी इस योजना के तहत मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। पीएम आवास योजना के तहत जो राशि दी गई है, उसमें ज्यादातर घर महिलाओं के नाम पर हैं। करोड़ों बहने मुद्रा योजना के तहत लोन लेकर नए व्यापार कर रही हैं। सरकार तीन करोड़ ग्रामीण बहनों को लखपति दीदी बनाने के अभियान में जुटी है। अब तक दो करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। महिलाओं को ड्रोन दीदी और महिला सखी बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र में लाया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार फाइव एफ पर काम कर रही है। इसमें फार्म, फाइबर, फैक्टरी, फैशन और फॉरेन की चैन बन रही है। धार के पीएम मित्र पार्क के लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर का काम पूरा कर लिया है। इससे रोजगार के नए अवसर बनेंगे, किसानों को लाभ मिलेगा। हम देश में ऐसे छह पीएम मित्र पार्क बनाने जा रहे हैं। अब धार दुनिया के मार्केट में चमकेगा।

पीएम ने कहा कि 22 सितंबर से जीएसटी की कम की गई नई दरें लागू हो रही हैं। देशवासी स्वदेशी चीजें खरीदकर इसका फायदा उठाएं। दिवाली की मूर्तियां, सजावट का सामान, टीवी-फ्रिज खरीदते समय देखें कि ये देश में बना है कि नहीं। हर दुकान पर गर्व से कहो ये स्वदेशी है का बोर्ड हो। उन्होंने राज्य सरकार से इसके लिए अभियान चलाने की भी अपील की। इस दौरान पीएम मोदी ने लोगों से गर्व से कहो, ये स्वदेशी है का नारा भी लगवाया।

महिला अफसर से मिले एक करोड़ कैश और एक करोड़ के गहने

हिंदुओं की जमीन मुस्लिमों को देकर पैसा कमाती थी

एसीएस अफसर नूपुर बोरा और उसके साथी के यहां छापा

गुवाहाटी, 17 सितंबर (एजेंसियां)।

असम पुलिस ने आय से अधिक सम्पत्ति रखने के आरोप में असम सिविल सेवा (एसीएस) की अधिकारी नूपुर बोरा को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री की स्पेशल विजिलेंस सेल के अधिकारियों की एक टीम ने बोरा के गुवाहाटी स्थित आवास पर छापेमारी कर 90 लाख रुपए से अधिक नकद और करीब 1 करोड़ रुपए के गहने जब्त किए। नूपुर बोरा पर आरोप है कि उन्होंने बारपेटा में तैनाती के समय करोड़ों रुपए की जमीन के दस्तावेज अवैध रूप से मुस्लिम घुसपैठियों के नाम ट्रांसफर किए थे। बारपेटा में भी 10 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। यानि पुलिस ने एक करोड़ रुपए नकद बरामद किए। नूपुर बोरा ने सरकारी और सत्रा (धार्मिक ट्रस्ट) की जमीन भी संदिग्ध लोगों के नाम की थी। नूपुर बोरा को निलंबित कर मामले की विस्तार से छानबीन की जा रही है। पुलिस ने बताया कि बारपेटा में नूपुर बोरा के किराए के घर से 10 लाख रुपए जब्त किए गए। 2019 में असम सिविल सेवा की अधिकारी बनीं गोलाघाट निवासी नूपुर बोरा वर्तमान में कामरूप जिले के गोरोइमारी में सर्कल अधिकारी के तौर पर तैनात थीं। इससे पहले वह बारपेटा और कार्बी आंगलोंग में सर्कल ऑफिसर के तौर पर काम कर चुकी हैं। नूपुर बोरा पर आरोप है कि उन्होंने बारपेटा में तैनाती के समय करोड़ों रुपए की जमीन के दस्तावेज अवैध रूप से ट्रांसफर किए थे। आरोप है कि बोरा ने सरकारी और सत्रा (धार्मिक ट्रस्ट) की जमीन भी मुसलमानों के नाम ट्रांसफर की थी। इनमें से अधिकतर जमीनें हिंदुओं की थी जिन्हें मुस्लिमों के नाम किया गया था। उन्होंने सरकारी जमीनों को अवैध रूप से संदिग्ध घुसपैठियों के नाम पर दर्ज करवा दिया थी। साथ ही, बोरा के बारपेटा और गोलाघाट में कई बैंक लॉकर हैं और उनकी भी अब सतर्कता अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, सरकार को सूचना मिली है कि यह अधिकारी हिंदुओं की जमीन एक विशेष समुदाय को हस्तांतरित कर रही थी। उन्होंने बारपेटा में तैनाती के दौरान पैसों के जमीन ट्रांसफर का काम किया था। सीएम ने कहा कि नूपुर बोरा पर जमीन की अनियमितताओं को लेकर मिली शिकायतों के चलते पिछले छह महीनों से नजर रखी जा रही थी। स्पेशल विजिलेंस सेल ने बोरा से जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी छापेमारी शुरू कर दी है। सेल ने बोरा के कथित सहयोगी लाट मंडल सुरजीत डेका के बारपेटा स्थित आवास पर भी छापेमारी की। डेका पर आरोप है कि उसने बोरा के साथ मिलकर कई बारपेटा में कई जमीनें खरीदी थीं। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है, और भ्रष्टाचार के इस मामले में बोरा से जुड़े अन्य लोगों की संलिप्तता को लेकर भी जांच हो सकती है।

तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का जवाब : बीजेपी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा पर बीजेपी ने कहा है कि यह यात्रा राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' का जवाब है। बीजेपी नेताओं ने तेजस्वी पर जनता को गुमराह करने और वोट बैंक के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को शामिल करने का आरोप लगाया है। वहीं, जेडीयू ने कहा है कि बिहार में विकास नीतीश कुमार के फैसलों से हुआ है, तेजस्वी की राजनीति से नहीं। बिहार में विधानसभा चुनाव करीब डेढ़ माह बाद हो सकते हैं। बीजेपी ने तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि तेजस्वी को अपने पिता लालू प्रसाद और

परिवार के अन्य सदस्यों को यात्रा पर ले जाना चाहिए। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का विकास देखना चाहिए। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल ने कहा कि तेजस्वी की यात्रा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा के जवाब में है। राहुल गांधी ने हाल ही में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ 125 विधानसभा क्षेत्रों में 'वोटर अधिकार यात्रा' की थी।

प्रेम रंजन पटेल ने कहा, 'तेजस्वी की 10 जिलों की यात्रा राहुल के विवादित बयानों के बाद मजबूरी में उठाया गया दिखावटी कदम है। कांग्रेस और आरजेडी दोनों बिहार के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने में विफल रहे हैं। सच्चाई यह है कि असली विकास, रोजगार, गरीबों का कल्याण, बुनियादी ढांचा और शिक्षा-स्वास्थ्य बीजेपी और एनडीए सरकारों ने दिया है। तेजस्वी की यात्रा केवल एक राजनीतिक नाटक है जो जनता को गुमराह करने और राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का जवाब देने के लिए है। गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और तेजस्वी की यात्राओं का मकसद वोट बैंक में बांग्लादेशी घुसपैठियों को शामिल करना है।

उन्होंने कहा कि दोनों नेता वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि बिहार की बदलती तस्वीर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फैसलों के कारण है, तेजस्वी की राजनीति के कारण नहीं। उन्होंने कहा कि तेजस्वी एक बार फिर जनता को गुमराह करने और झूठ फैलाने की राजनीति में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'तेजस्वी ने एक बार फिर जनता को गुमराह करने और झूठ फैलाने की राजनीति शुरू कर दी है। जब उनकी पार्टी सत्ता में थी, तो बिहार एक काले युग से गुजर रहा था। भ्रष्टाचार, दलाली और भाई-भतीजावाद शासन का आधार थे। आज जब नीतीश कुमार की सरकार बिना किसी व्यक्तिगत हित के निवेश ला रही है, तो उन्हें बेचैनी हो रही है।'

मंत्री नितिन नबीन ने कहा कि एनडीए के योगदान पर सवाल उठाने वालों को 'लालटेन की रोशनी छोड़कर एलईडी की रोशनी में बिहार की प्रगति देखनी चाहिए'। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी ने 'केवल बिहार को लूटा और जमीन के बदले नौकरी जैसे भ्रष्ट तरीकों को बढ़ावा दिया।'

वैशाली पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल

पातेपुर-बराटी समेत पांच थानों को मिले नए प्रभारी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

वैशाली पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा ने वैशाली जिला के पातेपुर, बराटी, हरलाखी ेचनपुर, चांदपुरा एवं महिला थाना में नए थाना अध्यक्षों की प्रतिनियुक्ति की है। एसपी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को 24 घंटे के अंदर अपने नए प्रतिनियुक्ति स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया है।

एसपी ने बताया कि पुलिस निरीक्षक रोशन कुमार को साइबर थाना से थाना अध्यक्ष पातेपुर, पुलिस अवर निरीक्षक अदिति कुमारी को पातेपुर अनुसंधान इकाई से थाना अध्यक्ष महिला, पुलिस अवर निरीक्षक पप्पू कुमार को पुलिस केंद्र हाजीपुर से थाना

अध्यक्ष बराटी, पुलिस अवर निरीक्षक हरिराम पासवान को कोर्ट सुरक्षा व्यवहार न्यायालय हाजीपुर से थाना अध्यक्ष हरलाखी ेचनपुर एवं पुलिस अवर निरीक्षक बिट्टू कुमार को पुलिस केंद्र हाजीपुर से थाना अध्यक्ष चांदपुरा प्रतिनियुक्त किया गया है।

गौरतलब है कि एसपी ललित मोहन शर्मा ने तिसिऔता, बेलसर, सहदेई, जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष सहित 19 पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की थी। बीते दिनों जुड़ावनपुर, बराटी, राजापाकड़ सहित आधा दर्जन से अधिक थाना अध्यक्षों एवं पुलिस पदाधिकारियों का वैशाली जिले से मुजफ्फरपुर सहित अन्य जिलों में स्थानांतरण किया गया था। थाना अध्यक्षों के स्थानांतरण के बाद कई थानों का पद खाली था।

बिहार के महापर्व छठ को यूनेस्को टैग दिलाने की मुहिम शुरू

भारत सरकार ने कई देशों से मांगा सहयोग

पटना (एजेंसियां)।

भारत ने छठ महापर्व को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल कराने के लिए 2026-27 चक्र में बहुराष्ट्रीय नामांकन भेजने के लिए सूरीनाम, नीदरलैंड और अन्य देशों से सहयोग मांगा है। संस्कृति मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि इस संबंध में सहयोग प्राप्त करने के लिए उसने यहां संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सूरीनाम और नीदरलैंड के वरिष्ठ राजनयिक प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की। सोमवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने की। इसमें संस्कृति मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, संगीत नाटक अकादमी और आईजीएनसीए के अधिकारियों ने भाग लिया।

मंत्रालय ने कहा कि सूर्य देव और 'छठी मैया' को समर्पित यह प्राचीन पर्व भारत के सबसे पुराने त्योहारों में से एक है, जिसे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इस त्योहार को प्रवासी भारतीय मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, यूएई तथा नीदरलैंड में भी मनाते हैं।

मंत्रालय के अनुसार, यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में पहले से ही 15 तत्वों को शामिल करके, भारत अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा में अग्रणी देशों में से एक है। योग, कुंभ मेला और कोलकाता का दुर्गापूजा उत्सव इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि 2026-27 चक्र के लिए छठ महापर्व का बहुराष्ट्रीय नामांकन भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और जीवंत परंपराओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता में एक और बड़ी उपलब्धि है।

मंत्रालय ने बताया कि बैठक में शामिल प्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत किया, अपने देशों में प्रवासी भारतीय समुदायों के बीच इस पर्व के महत्व को स्वीकार किया और नामांकन के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। बाद में, सचिव (संस्कृति) ने मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड में भारतीय राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ डिजिटल रूप से परस्पर बातचीत भी की, जिन्होंने समुदायों की पहचान करने और नामांकन प्रक्रिया के लिए डेटा उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com